पद्‌मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 19
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

संसेक्स	~	81,790.12
निफ्टी	~	25,077.65
सोना	~	1,20,770
चांदी	~	1,56,000
डॉलर	~	88.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज, तो सरोगेसी कानून से छूट, सुप्रीम कोर्ट ने कहा

मां-बाप कौन बनेगा, यह सरकार तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली। एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है।

दरअसल यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमीशन होगी। इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने महीनों चली सुनवाई के बाद जुलाई 2025 को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सरोगेसी का अधिकार पहले से

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून बनने से पहले दंपत्तियों ने जब अपना भ्रूण फ्रीज कराया तब कोई कानूनी उम्र सीमा लागू नहीं थी। इसलिए उनके पास सरोगेसी का अधिकार पहले से बना हुआ था। ऐसे में नया कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता। सरोगेसी तब शुरू मानी जाएगी जब दंपति के गैमेट्स (स्पर्म और एग) निकाल लिए गए हों और भ्रूण तैयार कर फ्रीज कर दिया गया हो। इसके बाद दंपति का काम पूरा हो जाता है। आगे का प्रोसेस सिर्फ सरोगेट मां से संबंधित है। कोर्ट ने सरकार के उस तर्क को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि बुजुर्ग माता-पिता बच्चों की देखभाल नहीं कर पाएंगे। इसलिए उम्र सीमा जरूरी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन माता-पिता बनने के योग्य है और कौन नहीं। पैरेंटिंग क्षमता पर सवाल उठाना उचित नहीं है। कानून प्रजनन की स्वतंत्रता को भी मान्यता देता है। उम्र से जुड़ी चिंताएं विधायिका का विषय हैं, लेकिन पिछले मामलों पर लागू नहीं की जा सकतीं।

बिहार में सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को चुनाव आयोग में अपील दायर करने में सहायता करें - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को विशेष गहन पुनरीक्षण पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह अपने जिला-स्तरीय निकाय को अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3 ।66 लाख मतदाताओं को चुनाव आयोग में अपील दायर करने में सहायता करे। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि जो एफिडेविट प्रशांत भूषण ने वोटर लिस्ट से लोगों का नाम काटने वाला दिया है, वह गलत है। उन्होंने कहा कि यह एफिडेविट कोर्ट को गुमराह करने वाला है। जिस महिला का नाम काटने का दावा किया जा रहा है। उसका मसौदा सूची और अंतिम सूची में भी नाम है।

साथ ही चुनाव आयोग ने कहा कि एक नाम का पर्चा बेचा जा रहा है कि यह नाम काटा गया है जबकि उनकी ओर से आवेदन ही नहीं किया गया है। द्विवेदी ने कहा कि एक तर्क यह था कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में बड़ी संख्या में लोगों के नाम थे, लेकिन अचानक उनके नाम सूची से गायब हो गए।

भारत सरकार ने डब्ल्यूएचओ को भेजा जवाब

कोल्ड्रिफ समेत तीन कफ सिरप का उत्पादन बंद

नई दिल्ली। सिरप से बच्चों की मौत से जुड़े मामलों पर बढ़ती चिंताओं के बीच भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सूचित किया है कि तीन कफ सिरप, कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश-टीआर और रिलाइफ को बाजार से वापस मंगाया गया है और उनके उत्पादन पर रोक लगा दी गई है।

सीडीएससीओ ने बताया कि इन दवाओं का भारत से किसी भी देश में निर्यात नहीं किया गया है। यह जानकारी डब्ल्यूएचओ को भेजे गए जवाब में दी गई है। गौरतलब है कि डब्ल्यूएचओ ने हाल ही में भारत से स्पष्टीकरण मांगा था कि क्या ये कफ सिरप अन्य देशों में भी भेजे गए थे, क्योंकि मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत के कुछ मामलों में इनके सेवन का जिक्र सामने आया था। बताया गया कि इन बच्चों में एक्यूट रीनल फेल्यर और एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम जैसे लक्षण पाए गए थे।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वह इन घटनाओं की गहन निगरानी कर रहा है और डीईजी या अन्य विषाक्त तत्वों से संभावित प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने भारत में दवाओं की सुरक्षा स्क्रीनिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को और सख्त करने की सलाह दी है।

इस बीच, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स को निर्देश जारी किए हैं कि बाजार में जारी किए जाने से पहले कच्चे माल और तैयार दवाओं का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। एडवाइजरी में कहा गया है कि हालिया जांचों में कुछ कफ सिरपों को मानक गुणवत्ता से कमतर पाया गया और कुछ कंपनियों ने रॉ मैटेरियल की टेस्टिंग मानकों के अनुरूप नहीं की थी।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि सरकार इस पूरे मामले में शून्य सहनशीलता नीति अपना रही है और दोषी दवा निर्माताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप कंपनी का लाइसेंस रद्द

मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से 20 बच्चों की मौत के बाद, तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने गुरुवार को बताया कि कंपनी का लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है और जांच के बाद इसे स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट में छिंदवाड़ा एसपी के मुताबिक कंपनी के मालिक रंगनाथन को चेन्नई की कोर्ट में पेश किया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद छिंदवाड़ा लाया जाएगा। इस बीच मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बुधवार को बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश में 20 बच्चों की मौत हुई है। पांच का इलाज चल रहा है। इन 20 बच्चों में से 17 छिंदवाड़ा जिले के, दो बैतूल और एक पांढुर्ना जिले का है।

डिप्टी सीएम शुक्ला ने कहा कि इस घटना को लेकर राज्य सरकार सख्त है। छिंदवाड़ा से पुलिस की टीमें कोल्ड्रिफ निर्माण कंपनी के मालिक रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

भारत-ब्रिटेन के पीएम के बीच समझौता, ब्रिटेन भारत को हल्की मल्टीरोल मिसाइल देने को तैयार

भारत-ब्रिटेन में समुद्री सुरक्षा, इंजन और मिसाइल की डील

नई दिल्ली। ब्रिटेन भारत को हल्की मल्टीरोल मिसाइल देने को तैयार हो गया है। इसके साथ ही ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता को समर्थन देने का ऐलान किया है।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। दोनों नेताओं ने इंडो-पेसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन ने सैन्य प्रशिक्षण समझौता किया है, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग प्रशिक्षक अब ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ट्रेनर के रूप में काम करेंगे।

परमाणु ऊर्जा को निजी कंपनियों के लिए खोला जाएगा

भारत-यूके सीईओ फोरम में पीएम मोदी ने कहा अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे भारत-यूके सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के अवसर मिलेंगे। मोदी ने यह भी कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास उनकी प्राथमिकता है। भारत अगले पीढ़ी के भौतिक ढांचे में निवेश कर रहा है और 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और यूके मिलकर दुनिया के लिए नए मानक स्थापित कर सकते हैं।

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। दोनों नेताओं ने इंडो-पेसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन ने सैन्य प्रशिक्षण समझौता किया है, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग प्रशिक्षक अब ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ट्रेनर के रूप में काम करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा की मांग बहुत ज्यादा है। इसलिए, मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि और ब्रिटिश विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर स्थापित करेंगे, जिससे ब्रिटेन भारत में इंटरनेशनल एजुकेशन पहुंचाएगा। मोदी ने बताया कि ब्रिटेन की साउथम्पटन यूनिवर्सिटी का गुरुग्राम कैंपस शुरू हो चुका है, जहां पहले छात्रों ने दाखिला लिया है।

बिहार में सरकार बनाने का दावा करते हुए बोले तेजस्वी यादव...

20 दिनों के अंदर कानून बना हर घर देंगे सरकारी नौकरी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के सारे दल तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा मान रहे हैं, हालांकि कांग्रेस की ओर से खुलकर सीधे शब्दों में यह बात अब तक नहीं कही गई है। इस बीच सीटों के बंटवारे को लेकर जिच भी सामने आ रही है और मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम प्रस्तावित किए जाने पर कांग्रेस ने भी अपने लिए ऐसे पद की मांग अनौपचारिक रूप से रख दी है। लेकिन, इन बातों पर कोई जवाब देने की जगह तेजस्वी यादव ने राजद नेताओं के साथ बैठ मीडिया से बात की और बड़ा ऐलान कर दिया। उन्होंने ऐलान किया कि उनकी सरकार बनते ही 20 दिनों के अंदर कानून बनाकर हर घर में एक सरकारी नौकरी दी जाएगी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछले 17 महीनों के काम से मैं संतुष्ट नहीं हूं। बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है। लोगों को सिर्फ सामाजिक नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय भी मिलेगा। तेजस्वी यादव ने जो वादा किया है, उसे वो जरूर पूरा करेंगे। आज की सरकार तेजस्वी यादव की दिखाई राह की नकल कर रही है। पिछले 20 साल से लोग पक्के मकान का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हम सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर ही इसके लिए कानून बनाएंगे।

शुरू करेंगे सरकारी नौकरी देने की योजना

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर हर घर से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इससे लोगों की हर तरह की परेशानियां खत्म होंगी। सरकार बनने के बाद बिहार में उद्योग और कारोबार को बढ़ावा दिया जाएगा। हम खेती और डेयरी से जुड़े उद्योग भी शुरू करेंगे। बिहार के विकास और खुशहाली के मौके पर जश्न-ए-बिहार मनाया जाएगा, जिसमें लोगों को सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि हम अधिनियम (कानून) बनाकर हर परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की योजना शुरू करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस पर जूता फेंकने का मामला

आरोपी वकील की बार एसोसिएशन मेंबरशिप खत्म

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने गुरुवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई पर हमले की कोशिश करने वाले वकील राकेश किशोर (71) की मेंबरशिप तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा कि वकील का व्यवहार पेशेवर नैतिकता, शिष्टाचार और सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का गंभीर उल्लंघन है।

वहीं, बेंगलुरु में ऑल इंडिया एडवोकेट एसोसिएशन ने राकेश किशोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। बेंगलुरु पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 और 133 के तहत एफआईआर दर्ज की है। सीजेआई गवई, वकील के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने से इनकार कर चुके हैं। राकेश ने 6 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के अंदर सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। जूता सीजेआई तक नहीं पहुंच सका था। घटना के समय सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। सुरक्षाकर्मियों ने वकील को पकडक़र बाहर किया। इस दौरान उसने नारे लगाए- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

भारत के स्टार क्रिकेटर को अंडरवर्ल्ड से धमकी, 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

मुंबई। एशिया कप जीतने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड ने धमकी देते हुए उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। मुंबई पुलिस ने रिंकू को धमकी देने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रिंकू सिंह को पहले भी धमकी मिल चुकी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि रिंकू सिंह को यह धमकी किसी और की नहीं, बल्कि मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गिरोह यानी डी-कंपनी की तरफ से आई है। फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच रिंकू की प्रमोशनल टीम को तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। रिंकू सिंह को इस साल तीन बार धमकियां मिलीं। धमकी भरे मैसेज रिंकू सिंह को नहीं, बल्कि उनकी प्रमोशनल टीम को भेजे गए थे। क्राइम ब्रांच ने बताया कि यह मामला किसी बड़े रैकेट से जुड़ा है। क्योंकि जीशान सिद्दीकी को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे। रिंकू सिंह को धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने धमकी देने की बात कबूल कर ली है। इससे पहले, जीशान सिद्दीकी के पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उन्हें धमकी दी गई थी और 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी।

मैं और मेरे साथी घटना से सन्न रह गए....हम आगे बढ़ चुके

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में हुए जूता कांड के तीन दिन बाद चीफ जस्टिस बीआर गवई ने इस मामले पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि मेरे साथी और मैं सोमवार को हुई घटना से सन्न रह गए थे, लेकिन अब हमारे लिए बीता हुआ समय यानी इतिहास का एक पन्ना या अध्याय हो चुका है।

दरअसल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) गवई के कोर्ट रूम में 71 वर्षीय एक वकील ने जूता फेंकने की कोशिश की। घटना की देशभर में कड़ी निंदा हुई है। पुलिस के अनुसार, वकील पिछले महीने खजुराहो में विष्णु प्रतिमा की पुनर्स्थापना से जुड़ी सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी से नाराज था।

इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण ने कहा, मिलॉर्ड! मैंने इस बारे में एक लेख भी लिखा था। कुछ ऐसी ही घटना 10 साल पहले अदालत में हुई थी। तब अवमानना की शक्तियों और उन पर कार्यान्वयन की प्रक्रिया को लेकर दो जजों ने अपनी राय दी थी कि ऐसी परिस्थिति में क्या किया जाना चाहिए।

भारत में जल्द शुरु होगा फिंटरनेट...यूपीआई क्रांति के सूत्रधार नंदन निलेकणी का बयान

मुंबई। आधार और यूपीआई क्रांति के सूत्रधार नंदन निलेकणी अब वित्तीय दुनिया में एक और बड़ा बदलाव करने जो रहे हैं। उन्होंने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में बताया कि भारत जल्द फिंटरनेट नामक नई डिजिटल प्रणाली शुरू करेगा। यह परियोजना बैंक ऑफ इंटरनेशनल सैटलमेंट्स (बीआईएस) के सहयोग से तैयार हो रही और 2026 में लांच होगी।

निलेकणी ने बताया कि तकनीक से भूमि, बॉन्ड, गाड़ी, सोना जैसी सभी संपत्तियों को डिजिटल टोकन में बदला जा सकेगा। इन टोकन की खरीद-बिक्री शेयरों की तरह हो सकेगी। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि यानी अगर किसी के पास 1 करोड़ रुपए की संपत्ति है, तब फिंटरनेट उस एक करोड़ को 1 लाख टोकन में बांट देगा, जिनकी कीमत प्रति टोकन 10 रुपए होगी।

उन्होंने कहा कि फिंटरनेट का विचार वैश्विक स्तर शुरु हो चुका है। सिंगापुर, न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को जैसे शहरों में भी इस पर चर्चा शुरू हो चुकी है। यह ऐसा डिजिटल ढांचा होगा, जिसमें संपत्ति या पैसों का लेन-देन उतना ही आसान होगा, जितना आज टैक्सी बुक करना।

निलेकणी के मुताबिक, फिंटरनेट मौजूदा बैंकिंग सिस्टम को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसके ऊपर 'एयरड्रॉप' की तरह बैठेगा। यानी बैंक अपने बिजनेस मॉडल को बदले बिना सिस्टम से जुड़ सकते है। यह सिस्टम ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होगा, जिससे हर बदलाव पारदर्शी रहेगा और धोखाधड़ी की संभावना घटेगी। लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी देकर कहा कि यदि डेटा सुरक्षा और नियामक ढांचे को मजबूत नहीं किया गया, तब इससे डेटा दुरुपयोग, साइबर धोखाधड़ी और बड़े प्लेयर्स का एकाधिकार जैसे खतरे बढ़ सकते हैं।

खास खबर

जुबीन के भाई डीएसपी पद से सस्पेंड

गुवाहाटी। देश के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की मौत मामले में गिरफ्तार उनके चचेरे भाई संदीपन गर्ग को डीएसपी पद से सस्पेंड कर दिया गया है। वे असम पुलिस सर्विस के अधिकारी हैं और अब तक राज्य के कामरूप जिले में तैनात थे। उन्हें बुधवार को सिंगर की मौत मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 7 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। वह जुबीन की मौत मामले में गिरफ्तार होने वाले पांचवें व्यक्ति हैं। सिंगापुर में जुबीन की मौत के समय संदीपन उनके साथ थे। सिंगर की पत्नी गरिमा ने दावा किया कि संदीपन ने जुबीन के साथ सिंगापुर जाने की इच्छा जताई थी।

भाजपा के 18 नेताओं का इस्तीफा

डिब्रूगढ़। असम में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और चार बार के भाजपा सांसद राजेन गोहेन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ कुल 17 अन्य सदस्यों ने भी पार्टी से अपना त्यागपत्र सौंपा। राजेन गोहेन ने यह फैसला राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया को लिखे पत्र में बताया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से तुरंत प्रभाव से हट रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस्तीफा देने वाले अधिकांश सदस्य ऊपरी और मध्य असम से हैं।

इंडिगो पर 20 लाख का जुर्माना लगा

नई दिल्ली। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो एयरलाइंस पर पायलट ट्रेनिंग में लापरवाही की वजह से 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इंडिगो इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। जुर्माना कैटेगरी हवाई अड्डों पर योग्य सिमुलेटर न इस्तेमाल करने के आरोप में लगाया गया। ये मामला पायलट ट्रेनिंग के नियमों से जुड़ा है। छत्रष्ट्र ने 11 अगस्त को शो-कॉज नोटिस जारी किया था। इंडिगो के 1700 से ज्यादा पायलटों को इन हवाई अड्डों के लिए खास ट्रेनिंग दी जाती है। सिमुलेटर में असली इलाके का व्यू होना जरूरी है।

हंगरी के लेखक लास्जलो को साहित्य का नोबेल

स्टॉकहोम। इस साल साहित्य का नोबेल हंगरी के लेखक लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को मिला है। स्वीडन की स्वीडिश एकेडमी ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। स्वीडिश एकेडमी ने कहा कि लास्जलो की रचनाएं बहुत प्रभावशाली और दूरदर्शी हैं। वे दुनिया में आतंक और डर के बीच भी कला की ताकत को दिखाती हैं। उन्हें 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (10.3 करोड़ रुपए), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट मिलेगा। पुरस्कार 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में दिए जाएंगे। लास्जलो क्रास्नाहॉर्काई हंगरी के सबसे प्रतिष्ठित समकालीन लेखकों में से एक हैं।

कुछ ना कहना

करवा चौथ सौभाग्य का व्रत आज

पति की दीर्घायु के लिए सौभाग्यवती महिलाएं रखेंगी निर्जल व्रत, करवा चौथ को लेकर महिलाओं में देखा जा रहा खासा उत्साह, बाजार हुए गुलजार, महिलाओं ने की जमकर खरीदी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सुहागिन महिलाओं का सबसे बड़ा महापर्व करवा चौथ शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में पूर्ण विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसमें सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु की कामना के लिए निर्जल व्रत धारण करेंगी।करवा चौथ व्रत को देखते हुए बाजारों में चहल-पहल देखी जा रही है जहां काफी संख्या में महिलाएं कपड़े ज्वेलरी सौंदर्य सहित करवा चौथ की सामग्रियों की जमकर खरीदारी कर रही है।वही नई नवेली दुल्हने भी शादी के बाद आने वाले पहले करवा चौथ को लेकर काफी उत्सुक है वही करवा चौथ को लेकर महिलाओं ने ब्यूटी पार्लर और मेहंदी लगवाने के लिए एडवांस बुकिंग करा रखी है।आपको बताएं कि कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ व्रत रखा जाता है इस दिन सुहागिनी पति की लंबी आयु की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं करवा चौथ व्रत चांद को अर्घ्य देने के बाद खोला जाता है। इस साल करवा चौथ व्रत 10 अक्टूबर को है जिसको लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और पूरे जिले में इस पर्व को लेकर तैयारिया लगभग पूर्ण कर ली गई है।

करवा चौथ को लेकर महिलाओं में देखा जा रहा खासा उत्साह

जहां एक ओर विवाहित महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना करते हुए 10 अक्टूबर शुक्रवार को करवा चौथ का व्रत रखेंगी, वही मनपसंद वर पाने के लिए अविवाहित युवती निर्जला व्रत रख विधि विधान से माता पार्वती व भगवान गणेश की पूजा अर्चना करेंगी। करवा चौथ की कथा सुनने के बाद फिर रात को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत खोलेगी।पहली बार करवा चौथ में व्रत रखने वाली नवविवाहिताओं में इस व्रत को लेकर विशेष उत्साह बना हुआ है। महिलाएं सोलह सिंगार करके पूजा-अर्चना करेंगी इसके लिए महिलाओं ने बाजार में जरूरी सामानों की खरीदारी की है।वही पर्व को लेकर बाजार भी गुलजार हो गए हैं बाजार में रंग-बिरंगे करवा चौथ के करवा के साथ ही डिजाइनर छलनी भी मिल रही है।वही इस व्रत को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

बाजार हुए गुलजार

करवा चौथ के इस व्रत को लेकर बाजार गुलजार नजर आया। जहां सुबह से लेकर देर शाम तक महिलाओं को करवा चौथ की सामग्रियों की खरीदारी करते देखा गया।जिसको लेकर बाजार में एक बार फिर रौनक लौट आई है। जहां सुहागिन महिलाएं करवा चौथ की पूजन थाली में लगने वाली पूजन सामग्री सहित सोलह सिंगार की वस्तुओं की खरीदारी करने में जुटी हुई रही।जहां महिलाओं को छलनी, मिट्टी का टोटीदार करवा ,ढक्कन, रुई की बत्ती, धूप या अगरबत्ती, फल फूल, मिठाईयां, कांस की तिलिया, करवा चौथ कैलेंडर, रोली, साबुत चावल ,गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी के ढेले, आटे का दिया, दीपक, सिंदूर ,चंदन, कुमकुम शहद, चीनी, लकड़ी का आसन, गंगाजल, कच्चा दूध, दही, देसी घी, पूरी हलवा की सामग्रियों की खरीदारी करते देखा गया। वहीं श्रंगार सामग्रियों में महिलाएं लाल रंग की साड़ी, लहंगा ,प्लेन सूट, प्रिंटेड साड़ी, कढ़ाई वाली साड़ी, सूट, सितारा साड़ी, बिंदी, डिजाइनर कंगन, नेल पॉलिश, लिपस्टिक, सिंदूर मंगलसूत्र, बिंदी ,नथनी, काजल ,गजरा ,मेहंदी ,अंगूठी चूड़ियां, ईयर रिंग, मांग का टीका, कमरबंद, बाजूबंद, बिछिया और पायल सहित अन्य सौंदर्य सामग्रियों की खरीदारी करने में जुटी हुई नजर आई।

मिट्टी के करवो की हो रही जमकर बिक्री

इस पर्व को लेकर एक ओर जहां सुहागिन महिलाएं काफी उत्साहित है तो वहीं दूसरी ओर इन महिलाओं को आकर्षित करने के लिए बाजार भी सज धज कर पूर्णता- तैयार है ।शहर के बाजारों में मिट्टी के करवे की दुकानें लगी हुई है जहां अलग-अलग दाम और डिजाइन के करवे उपलब्ध हैं ।बाजार में 20 रु से लेकर 100 रु तक के करवे बेचे जा रहे हैं इसके अलावा आर्टिफिशियल ज्वेलरी के भी कई जगह स्टाल लगाए गए हैं। बाजार में खरीदारी का माहौल बनने से स्थानीय व्यापारी भी खुश नजर आ रहे हैं।

मिलेंगे उपहार

करवा चौथ के दिन सौभाग्यवती महिलाओ द्वारा पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। जहां रात को छलनी में चंद्रमा और पति परमेश्वर का दीदार कर पत्नियां पति के हाथों से जल ग्रहण कर व्रत तोड़ेंगी। जिसके बाद पति द्वारा उन्हें तरह-तरह के उपहार दिए जाएंगे। जिसकी तैयारी भी शुरू हो गई है।

महिलाओ के लिए सबसे अधिक मान्यता और श्रद्धा रखने वाला त्यौहार है

बताया गया कि करवा चौथ का व्रत सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा किया जाता है।जिसमें सौभाग्यवती महिलाएं निर्जला व्रत का पालन करेंगी। यह व्रत पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। जहां शाम को चांद देखकर जल ग्रहण करने की मान्यता है वैसे तो यह व्रत सौभाग्यवती सुहागन महिलाओं के लिए ही है लेकिन इस व्रत को कुंवारी कन्याओं द्वारा भी रखा जा सकता है।करवा चौथ का यह त्यौहार महिलाओं के लिए सबसे अधिक मान्यता व श्रद्धा रखने वाला त्यौहार है क्योंकि महिलाएं अपने अपने पति की दीर्घायु के कामना के लिए यह व्रत करती हैं।वही बच्चों की लंबी उम्र और उनकी उन्नति के लिए भी व्रत रखा जाता है।

कुर्सी हटाने को लेकर दो भाई आपस में भिड़े, अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर के वार्ड नंबर 8 चालीस मकान में रहने वाले दो भाई आंगन में रखी कुर्सी हटाने को लेकर आपस में भिड़ गए और दोनों भाई ने एक दूसरे को मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बैहर पुलिस ने दोनों भाई द्वारा की गई रिपोर्ट पर जयशंकर पिता दयाशंकर जायसवाल 53 वर्ष और उसके छोटे भाई प्रदीप पिता दयाशंकर जायसवाल 40 वर्ष के विरुद्ध एक दूसरे को मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में अपराध किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर के वार्ड नंबर 8 चालीस मकान में जयशंकर जायसवाल और प्रदीप जायसवाल दोनों भाई रहते हैं। जयशंकर जयसवाल दुकानदारी करते हैं और प्रदीप जयसवाल टेंट का काम करते हैं। प्रदीप जायसवाल अपने परिवार के साथ ऊपर वाले कमरे में रहते। जयशंकर जायसवाल नीचे कमरे में अपने परिवार के साथ रहते है। जिनके कमरे के बाजू में ही प्रदीप जायसवाल के टेंट का गोदाम है। 8 अक्टूबर को 3ः00 बजे करीब प्रदीप जायसवाल अपने घर में थे। उसी समय उनके दो कर्मचारी धनेंद्र मेसराम और राजू वायाम आए थे। उन्हें प्रदीप जायसवाल ने गोदाम की सफाई करने के लिए बोला और दोनों कर्मचारी गोदाम की सफाई कर रहे थे। उस समय जयशंकर जायसवाल की कुर्सियां प्रदीप जायसवाल के गोदाम के सामने रखी थी। प्रदीप जायसवाल के दोनों कर्मचारियों ने गोदान के सामने रखी कुर्सियों को हटाया। इस समय जयशंकर जायसवाल आए और कर्मचारियों को कहने लगे कि मेरे घर के सामने कुर्सियों को क्यों उठा रहे हो। इस समय प्रदीप जायसवाल भी आ गए और कुर्सी हटाने को लेकर दोनों भाई एक दूसरे को अश्लील गालियां देने लगे और कुर्सी हटाने को लेकर दोनों भाई आपस में भिड़ गए और दोनों ने एक दूसरे को हाथबुक्के से मारपीट कर दिए। बीच बचाओ प्रदीप जायसवाल के कर्मचारी और जयशंकर जायसवाल के परिवार के परिवार वालो ने किए। दोनों भाई ने कुर्सी हटाने को लेकर एक दूसरे को जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद एक दूसरे को मारपीट करने से घायल हुए दोनों भाई रिपोर्ट करने के लिए बैहर थाना पहुंचे बैहर पुलिस ने दोनों भाई का इलाज मुलाहिजा बैहर के अस्पताल में करवाये और दोनों भाई के द्वारा की गई रिपोर्ट पर बैहर पुलिस ने प्रदीप जायसवाल और उसके बड़े भाई जयशंकर जायसवाल के विरुद्ध मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध किये है।

सास द्वारा डांट फटकार लगाने से गुस्साई बहू ने पी कीटनाशक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सास द्वारा काम नहीं करने पर लगाई गई डांट फटकार से गुस्साई एक बहू ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली। कीटनाशक दवाई खाने से स्वस्थ बहू दुर्गा पति सुरेश खजरे 19 वर्ष ग्राम बघोली थाना भरवेली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गा खजरे घरेलू काम करती है। इसी वर्ष सात माह पहले 25 मार्च दुर्गा की शादी सुरेश खजरे ग्राम बघोली निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। शादी के बाद दुर्गा अपने ससुराल में ही रह रही है। जिसे अपने पति और परिवार से कोई दिक्कत नहीं है।किंतु दुर्गा को उसकी सास गीता बाई काम नहीं करती कहकर डांट फटकार लगाते रहती है। 8 अक्टूबर को दोपहर के बाद दुर्गा को उसकी सास गीता बाई ने काम नहीं करती कहकर डांट फटकार लगा दी थी। जिससे दुर्गा गुस्सा हो गई थी और वह उसी के मानसिक तनाव में थी। दुर्गा के ससुर ने खेत में छिड़काव करने के लिए कीटनाशक दवाई लाकर दिया था। दुर्गा ने सास द्वारा डांट फटकार लगाने से गुस्सा होकर घर मे रखी कीटनाशक दवाई आधी शीशी पी ली। जिसके बाद दुर्गा को उल्टी होने लगी थी। इस संबंध में उसने परिवार के ही अपनी सलोनी दीदी को बताई। जिसके बाद दुर्गा को उसके पति सुरेश खजरे ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस में बालाघाट कलेक्टर के नवाचार की हुई सराहना

गुगल अर्थ के माध्यम से किया जा रहा वन क्षेत्र पर कब्जे का सत्यापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भोपाल में 07 एवं 08 अक्टूबर को हुई कलेक्टर कमिश्नर कान्फ्रेंस में बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा वन अधिकार पट्टो के वितरण एवं सत्यापन के लिए किये गए नवाचार की सराहना की गई है। बालाघाट जिले में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को पट्टा वितरण के लिए किये गए नवाचार से इस कार्य को गति मिली है। जिले में वन अधिकार प्रमाणपत्र वितरण की एक नई और तकनीकी पहल शुरू की गई है, जिसमें गूगल अर्थ और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग कर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कब्जे का सत्यापन किया गया है।

बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने मिलकर वन अधिकार पट्टों का वितरण किया। पात्र आवेदनों को ग्राम सभा और ग्राम वन अधिकार समिति से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वन मित्र पोर्टल पर दर्ज किया गया। इस योजना में 451 व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकार दावों की मान्यता दी गई है।

बालाघाट जिले में वन अधिकार पट्टा वितरण की प्रक्रिया को अत्यधिक व्यवस्थित और तकनीकी रूप से मजबूत किया गया है। इस योजना में कलेक्टर श्री मीना के नेतृत्व में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने मिलकर नक्सल प्रभावित गांवों में वन अधिकार पट्टों का वितरण किया। यह प्रक्रिया गूगल अर्थ और सेटेलाइट इमेजरी का उपयोग करके की गई, जिससे कब्जे का सत्यापन सटीक और प्रमाणिक रूप से हुआ।

नक्सल विरोधी अभियान के अंतर्गत बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा पुलिस के सहयोग से वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत वन अधिकार वन अधिकार पट्टे वितरण का कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है, इसमें ऐसे ग्रामों को प्राथमिकता दी गई है जहां जनसंख्या के अनुपात में कम संख्या में वन अधिकार पट्टे स्वीकृत हुए हैं, ऐसे ग्रामों को चिन्हित कर मिशन मोड में वन अधिकार के आवेदन दर्ज कराए गए हैं। दूरस्थ ग्रामों में पुलिस कैंप में एकल सुविधा स्थापित कर अंतर विभागीय अधिकारियों के माध्यम से आवेदन पत्र तैयार कराए गए। जिसमें बीट गार्ड, पटवारी, सचिव, स्थानीय शिक्षक और पुलिस को शामिल किया गया था और इन्हें जिला प्रशासन द्वारा पृथक से प्रशिक्षण दिया गया था।

गूगल अर्थ के माध्यम से सेटेलाइट इमेजरी का उपयोग कर जिन हितग्राहियों का कब्जा सत्यापित हो रहा है उन्हें प्राथमिकता दी गई और वन मित्र पोर्टल पर आवेदन दर्ज कर इनका निराकरण कराया गया। इसके लिए ग्राम उपखंड एवं जिला स्तरीय की बैठकें माह में दो बार आयोजित की जाती है जिससे प्रकरणों के निराकरण में प्रगति हुई है और यह कार्य निरंतर प्रगतिरत है। तकनीक के उपयोग से वन पट्टा वितरण के कार्य में अधिक पारदर्शिता आयी है और पात्र लोगो के चयन में सुगमता हुई है।

इस तरह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा व्यक्तिगत वन अधिकार के 4038 आवेदन पत्र दर्ज कराए गए और 451 आवेदन निराकृत कर पट्टे वितरित किए गए हैं। व्यक्तिगत के अलावा गौठान, जलाशय, मंडई-मेला, चरनोई, खेल मैदान, शमशान और पूजा स्थल जैसे सामुदायिक अधिकार पत्र दिए गए हैं, जिससे जिले के दूरस्थ वन क्षेत्र में बसे आदिवासी जनजाति ग्राम वासियों में हर्ष उल्लास का वातावरण है। इस तरह जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के नवाचार से बालाघाट जिले को विकास की एक नई दिशा मिल रही है और दूरस्थ नक्सल प्रभावित ग्रामवासी प्रशासन के हाथ से हाथ मिलाकर विकास की एक नई इबारत गढ़ रहे हैं।

सांसद खेल महोत्सव से पटाखा बाजार में लगा ग्रहण

पटाखा व्यापारियों ने नगर परिषद में सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। कटंगी।

20 अक्टूबर से पांच दिवसीय दीपों के पर्व दीपावली की शुरुआत हो रही है. 20 अक्टूबर को धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हर हिंदू घर में धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की जाएगी और 21 अक्टूबर को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा. इस त्यौहार पर जहां हर घर में दीपक जलाए जाने की धार्मिक परंपरा है. वहीं अंधकार पर प्रकाश की विजय के प्रतीक के तौर पर जमकर पटाखे फोड़कर आतिशबाजी करना भी अब रिवाज बन चुका है. कटंगी क्षेत्र में करीब एक करोड रुपए से भी अधिक का पटाखा व्यवसाय होता है. नगर के सरकारी अस्पताल मैदान में पटाखा बाजार लगता है लेकिन इस वर्ष शहर के पटाखा व्यवसाय पर सांसद खेल महोत्सव की कबड्डी प्रतियोगिता खलल पैदा कर रही है. जिससे फटाका व्यापारी काफी परेशान है. दरअसल, फटाका व्यापारी आगामी 15 अक्टूबर से सरकारी अस्पताल मैदान में अपनी दुकान शुरु करने की तैयारी में थे अब उसी मैदान में 15 अक्टूबर को विधानसभा स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन तय कर दिया गया है. पहले यह प्रतियोगिता 13 अक्टूबर को संपन्न हो रही थी लेकिन अचानक से तिथि में संशोधन कर दिया गया है जिससे पटाखा व्यापारियों में बेहद आक्रोश दिखाई दे रहा है. आक्रोशित व्यापारियों ने बुधवार को दोपहर 03 बजे नगर परिषद कार्यालय में एक ज्ञापन सौंप कर प्रतियोगिता स्थल में परिवर्तन करने की मांग रखी है. पटाखा व्यापारी पहले एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे लेकिन कार्यालय में एसडीएम नहीं थे. जिसके बाद सभी व्यापारी नगर परिषद कार्यालय पहुंचे यहां भी सीएमओ नहीं थे तब व्यापारियों ने लेखापाल को ज्ञापन सौंपा. इस दौरान पटाखा व्यापारियों की समस्या को देखते हुए नगर के पत्रकार ने इस विषय को सांसद श्रीमती भारती पारधी के संज्ञान में लाने के लिए उनसे संपर्क किया. सांसद के पीए चन्द्रशेखर गौतम ने बेहद बेतूका जवाब देते हुए कहा मत मनाईए दीपावली फटाखे फोड़ने से प्रदूषण फैलता है।

गौरतलब हो कि सरकारी अस्पताल कटंगी में करीब छोटे-बड़े करीब 70 से अधिक फटाखा दुकानें संचालित होती है. 20 अक्टूबर से दीपावली का त्यौहार शुरू होने वाला है इस बात को ध्यान में रखते हुए पटाखा व्यापारी 05 दिन पहले से दुकान शुरू करने की तैयारी में थे लेकिन जब से उन्हें पता चला है कि 15 अक्टूबर को सरकारी अस्पताल मैदान में कबड्डी प्रतियोगिता होना है सभी हताश हो गए है. सांसद भारती पारधी के पीए के जवाब के बाद व्यापारियों के भीतर आक्रोश भी है लेकिन सत्ता-सरकार होने की वजह व्यापारी खुलकर संसद खेल महोत्सव के आयोजन का विरोध भी नहीं कर पा रहे है. हालांकि प्रतियोगिता के स्थल में परिवर्तन नहीं होने पर विरोध करने का दंभ जरूर भरा गया है. लेकिन रोजी-रोटी के लिए संघर्ष करने वाले दुकानदार विरोध प्रदर्शन नहीं कर सकते. खासतौर से तब जब पटाखा का व्यवसाय करना है. खैर, इन व्यापारियों की समस्या पर सांसद ध्यान देती है या नहीं यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन अभी तो व्यापारी सदमे में है. इन व्यापारियों ने हजारों से लेकर लाखों रुपए के पटाखों की खरीदी कर रखी है अगर समय पर दुकानें शुरू नहीं हुई पटाखा व्यापार प्रभावित होगा।

पटाखा संघ अध्यक्ष मनोज नर्सवानी ने कहा कि सरकारी अस्पताल मैदान में जो आयोजन हो रहा है उसकी तिथि में अचानक से संशोधन कर दिया गया है पहले 13 अक्टूबर को प्रतियोगिता होना तय था अब अचानक से 15 अक्टूबर को आयोजन होना तय कर दिया गया है. जिससे हम व्यापारियों को नुकसान होगा क्योंकि दुकान तैयार करने में ही 02 दिन का समय लग जाता है. 13 अक्टूबर को प्रतियोगिता हो रही थी तो व्यापारी 15 अक्टूबर तक अपनी दुकानें तैयार कर लेते लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा. कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज मैदान में भी हो सकता है जहां पर अभी विभिन्न प्रतियोगिता के ट्रायल चयन चल रहे है. पटाखा व्यापारी महेन्द्र कटारिया ने कहा कि दुकान शुरू करने में बहुत परेशानी होगी. हमारा सांसद और विधायक से निवेदन है कि कृषि उपज मंडी या फिर कॉलेज मैदान में प्रतियोगिता का आयोजन करवाएं. साल में एक बार मौका मिलता है जब पटाखा व्यापारी अपनी दुकानें खुले मैदान में लगाकर व्यापार करते है. अगर, हम व्यापारियों की सुनवाई नहीं हुई तो विरोध किया जाएगा।

वन्य प्राणी बाघ के हमले में एक व्यक्ति घायल

वन परिक्षेत्र गढ़ी में हुई घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वन परिक्षेत्र गढ़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत कदला के ग्राम हीरापुर में वन्यप्राणी बाघ के हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया। । घायल सूरत सिंह पिता ब्रजलाल धुर्वे 48 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़ी में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत सिह धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था और अपने घर के मवेशी चराने के लिए जंगल तरफ जाता था। बुधवार को सूरत सिंह धुर्वे अपने घर के बैल सहित अन्य मवेशियों को चराने के लिए गांव के अन्य लोगों के साथ जंगल तरफ गया था। तभी दोपहर करीब 3 बजे करीब अचानक बाघ ने सूरतसिह धुर्वे पर हमला कर दिया। बाघ द्वारा हमला किए जाने पर साथ गए लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिए । जिससे बाघ को भगा गया। बाकी के हमले में घायल सूरज सिंह धुर्वे को उसके साथियों ने घर लाये और गढ़ी के अस्पताल में भर्ती किये। सूचना मिलते ही वन कर्मचारी गढ़ी अस्पताल पहुंचे। वन परिक्षेत्र अधिकारी वीरेंद्र सिंह सहित ने बताया कि घायल सूरतसिंह धुर्वे को गढ़ी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके स्वस्थ होते तक पूरा खर्च वन विभाग के तरफ से दिया जाएगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

निविदा संशोधन सूचना

बालाघाट एजुकेशन सोसायटी, सुरभि नगर बालाघाट द्वारा शाला परिसर में 3 नए कमरों एवं 1 कॅन्टीन, 1 टॉयलेट ब्लॉक एवं 90 मीटर बाउन्ड्री वॉल के निर्माण एवं वर्तमान कॅन्टीन डिस्मेन्टलिंग कार्यों की अनुय्यनित लागत रू. 55,00,000/- (पचपन लाख रू.) हेतु PWD SOR 2024 पर प्रतिशत रूपये में निविदा कोटेशन आमंडित किये जाते हैं। पंजीकृत संविदाकार कृपया अपने कोटेशन SOR पर below या above दिनांक 10/10/2025 से लेकर 13/10/2025 तक मय अमानत राशि 25,000/- अलग-अलग लिफाकों के साथ शालेय कार्यालय में बंद लिफाफे में कार्यालयीन अवधि में (08:30am से 03:00pm)

नए कमरों एवं रसोईघर की ड्राइंग देखने हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें। 5प्रतिशत सुरक्षा निधि देयक में से काटी जाएगी जो 3 वर्ष तक जमा रहेगी।

नियम एवं शर्तेः-

1. आयकर की स्त्रोत पर कटौती की जाएगी।
2. **GST R1, GST R33** चालान सहित प्रस्तुत करने पर GST का नियमानुसार भुगतान किया जाएगा।
3. देयक सविंदाकार को बनाकर देना होगा।
4. सफल निविदाकार को लागत मूल्य का 3त्न परफार्मेन्स सिक्युरिटी के रूप में जमा करना होगा जो कार्य पूर्णता के 3 वर्ष तक कोई डिफेक्ट नहीं होने पर वापस होगी।

अमानत राशि- 25,000/- (डिमांड ड्राफ्ट के रूप में अलग लिफाफे में जमा करें जो वापसी योग्य नहीं है)

अंतम तिथि- 13/10/2025

पता- बालाघाट इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल.
सुरभि नगर वार्ड क्र. 24, बालाघाट (म.प्र.) 481001
ई-मेल - behss123@gmail.com, फोन नं. 07632-241707

बाबा साहब के अपमान और सीजेआई पर जूते फेंकने का भीम आर्मी ने किया विरोध

आम्बेडकर चौक में की जमकर नारेबाजी,आरोपियों का फूंका पुतला, दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की करी मांग, आरोपी अधिवक्ता मिश्रा के घर 10 लाख जूते फेकने, और उग्र आंदोलन दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने और सीजेआई गवई पर जूते फेंकने वाले मामले पर भीम आर्मी एकता मिशन पदाधिकारियो द्वारा अपना आक्रोश जताया गया है।जिन्होंने गुरुवार को आपत्ति जताते हुए इन दोनों ही मामले से जुड़े आरोपियों का पुतला दहनकर जमकर नारेबाजी की।जहा बाबा सहाब का अपमान करने वाले अधिवक्ता अनिल मिश्रा, और सीजेआई गवई पर जूते फेंकने वाले अधिवक्ता राकेश का पुतला दहन कर, अब तक दोनों ही अधिवक्ताओं के खिलाफ कोई कार्यवाही न होने पर हैरानी जताते हुए दोनों के खिलाफ एसटी एससी एक्ट सहित देशद्रोह का मामला दर्ज कर मामले में कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की है।तो वहीं उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर आगामी 15 अक्टूबर को अधिवक्ता अनिल मिश्रा के घर जाकर 10 लाख जूते उसके घर में फेंकने और जूते की माला पहनने की चेतावनी दी है। तो वही अधिवक्ता राकेश किशोर पर एफआईआर व कोई कार्रवाई न होने पर इन दोनों ही मामले को लेकर पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

सत्ता पक्ष संरक्षण के चलते हो रही ऐसी घटनाएं

प्रदर्शनकारियों ने बताया की 5 अक्टूबर को ग्वालियर के अधिवक्ता अनिल मिश्रा का, डॉ. बाबा साहब को अंग्रेजो का जासूस और उनके वजूद को खत्म करने को लेकर सोशल मीडिया में बयान आया था। इसके साथ ही हाल ही में सीजेआई गवई पर, अदालत में जूता फेंकने की घटना सामने आई है। ऐसी घटनाओं को अंजाम देने लोगों को सत्ता पक्ष का संरक्षण प्राप्त है। इसीलिए लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही है।इसपर भीम आर्मी एकता मिशन ने आक्रोश जताते हुए अंबेडकर चौक पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। अध्यक्ष रितेश बोरकर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एवं ग्वालियर खंडपीठ के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपियों पर देशद्रोह, एससी-एसटी व आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

इन मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर निवासी अनिल मिश्रा के विरुद्ध तत्काल भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धारा 295ए, 504, 505 (2), 500, 153ए के तहत एफ.आई.आर. दर्ज करने,अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 2015 की प्रासंगिक धाराओ अंतर्गत आरोपियों को गिरफ्तार कर, कठोरतम दंड सुनिश्चित करने,माननीय सी.जी.आई.

बी.आर. गवई साहब पर न्यायालय परिसर में हमला करने वाले राकेश किशोर के विरुद्ध राजद्रोह का अपराध मानते हुए कड़ी से कडी कानूनी कार्यवाही करने, दोनो घटनाओ की जॉच उच्चस्तरीय विशेष जॉच दल (एस.आई.टी.) से कराई जाने,जाच टीम द्वारा राजनीतिक या सामाजिक दबाव से मुक्त निष्पक्ष जॉच करने, और भविष्य में संविधान संविधान निर्माता या न्यायपालिका के प्रति अभद्रता करने वालो के लिए विशेष कानूनी प्रावधान बनाने पर भी विचार किए जाने की मांग की है।

तो 15 अक्टूबर को अधिवक्ता के घर जाकर फेकेंगे 10 लाख जूते की माला- बोरकर

भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिलाध्यक्ष रितेश बोरकर ने बताया कि बाबा साहब पर की जा रही अनर्गल टिप्पणी और जूते फेंकने की घटना पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। जिससे साफ है कि उन्हें सत्ता का संरक्षण है। आज तक कभी ऐसा नहीं देखा कि किसी वर्ग या जाति विशेष पर कोई की टिप्पणी के बाद, ऐसी घटना हुई है। जो देश में मनुवादी सोच को प्रदर्शित करता है, जिसका हम विरोध करते है और मांग करते है कि जल्द ही इन पर कार्यवाही हो अन्यथा भार्मी भारत एकता मिशन के प्रदेश अध्यक्ष के आव्हान पर 15 अक्टूबर को उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसमें 10 लाख जूते की माला ग्वालियर के अधिवक्ता, अनिल मिश्रा के घर में भीम आर्मी सेना फेकेगी।जिसमें जिले से भी हजारों की संख्या में भीम आर्मी सेना के लोग जाएंगे।

तो उग्र आंदोलन किया जाएगा- गेड़ाम

उपाध्यक्ष अधिवक्ता संतोष गेड़ाम में बताया कि यह घटना भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता और गरिमा पर सीधा हमला है।यह घटना न केवल न्यायिक सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह संदेश देने का प्रयास है कि देश के सर्वोचच न्यायालय तक को भयमुक्त नही छोडा जा रहा है।हम चाहते है कि इन दोनों ही मामलों में एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जाए।क्यो की इस प्रकार की घटनाओ पर त्वरित और कठोर कार्यवाही नही की गई तो इससे संविधान की नीव को कमजोर होंगी, समाज में जातीय व वैचारिक विभाजन ब?गा,यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है।हमारा मत है कि इससे देश की एकता, न्याय व्यवस्था और संविधान की गरिमा की रक्षा हेतु ऐसे व्यक्तियो को उदाहरणीय सजा दी जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी या भारत के संविधान का अपमान करने का दुस्साहस न कर सके। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो भीम आर्मी द्वारा प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन किया जाएगा।जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

पंचायत भण्डारपुर के विकास कार्यों में ग्रामीणों ने गड़बड़ी के लगाए आरोप

सरपंच ने कहा संबंधित विभाग करे जांच , सामने आएगी सच्चाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भण्डारपुर के कुछ ग्रामीण और पंचों द्वारा जिला मुख्यालय पहुंचकर ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव के नाम से लिखित शिकायत की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में सचिव और सरपंच बिना प्रशासनिक स्वीकृति लिए ही काम करवा रहे हैं और कई काम तो ऐसे हैं जो धरातल पर नहीं है और सिर्फ कागजों में ही कार्य को दर्शाते हुए राशि निकाल ली गयी हैं। वह चाहते हैं कि इस पूरे विषय पर विभाग जांच कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। इधर सरपंच का भी मानना है कि यदि किसी को लगता है कि उन्होंने गलत कार्य किया है तो निश्चित ही विकास कार्यों की जांच करें इसके लिए वह स्वयं तैयार है। जिले की ग्राम पंचायत भण्डारपुर में शासन की 5वें वित्त आयोग से प्राप्त विकास मद की राशि में अनियमितता करने का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत के कई पंचों एवं ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर फर्जी बिल प्रस्तुत कर लाखों रुपये का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पंचायत से पहुंचे ग्रामीण अकालसिह मरकाम और जयचंद मेश्राम ने बताया कि ग्राम पंचायत भण्डारपुर के सरपंच जयचंद पन्द्रे और सचिव अम्रतलाल तुरकर ने बिना किसी बैठक, प्रस्ताव, उपसरपंच या पंचों की सहमति के तथा बिना प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त किए ही फर्जी बिल बनाकर 5वें वित्त आयोग की राशि से भुगतान किया है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत की निधि से जिन कार्यों के नाम पर राशि निकाली गई, वे जमीनी स्तर पर किए ही नहीं गए, लेकिन कागजों पर पूरा भुगतान दिखा दिया गया है। आरोप है कि पंचायत निधि से कुछ बिलों के माध्यम से लाखों रुपये की अनियमितता की गयी है ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में किसी प्रकार की बैठक आयोजित नहीं की गई और न ही विकास कार्यों के लिए पंचायत सदस्यों की सहमति ली गई। सरपंच और सचिव द्वारा अपने स्तर पर ही राशि का उपयोग कर शासन की निधि का दुरुपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों और पंचों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र जांच कर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय में तालाबंदी करेंगे । उन्होंने कहा कि शासन की राशि जनता की भलाई के लिए दी जाती है, लेकिन पंचायत प्रतिनिधि और कर्मचारी मिलकर इसका दुरुपयोग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि इस पूरे प्रकरण की जांच , किसी स्वतंत्र जांच अधिकारी से कराई जाए ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। साथ ही, दोषियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह मामला केवल एक पंचायत तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले में कई ग्राम पंचायतों में इस प्रकार की अनियमितताएं हो रही हैं, जिन्हें रोकने के लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने होंगे। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र जांच प्रारंभ करेगा, ताकि शासन की योजनाओं की पारदर्शिता और जनता का विश्वास दोनों बना रहे ।

निश्चित ही विभाग जांच करें - पन्द्रे

जब हमारे द्वारा ग्राम पंचायत सरपंच जयचंद पन्द्रे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के पंच और कुछ ग्रामीण जबरदस्ती उन पर दबाव बनाने का कार्य कर रहे हैं, किंतु वह उनकी बातों में ना आकर ग्राम में विकास काम करवा रहे हैं। जिसकी यह झूठी शिकायत संबंधित विभाग में कर रहे हैं ,किंतु वह भी चाहते हैं कि उनके द्वारा जो कार्य किए गए हैं उन पर संबंधित विभाग जांच कर ले और यदि वह दोषी पाए जाते हैं तो उन पर कारवाई भी होना चाहिए । वह स्वयं चाहते हैं कि कुछ लोगों को यदि लगता है कि उन्होंने गलत कार्य किया है तो बिल्कुल जांच हो जांच में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा । उन्होंने पूरा नियम अनुसार ग्राम पंचायत में विकास कार्य किए हैं इसलिए वह किसी प्रकार की जांच से पीछे नहीं हटते वह भी चाहते हैं कि यदि किसी को इस विषय पर संशय है तो निश्चित ही विभाग जांच करें।

शहर में यातायात व्यवस्था हो रही बेपटरी

शहर के प्रमुख मार्गों पर जहां-तहाँ खड़े हो रहे वाहन, यातायात विभाग नहीं दे रहा ध्यान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर की यातायात व्यवस्था दिनों दिन बिगड़ती ही जा रही है। लेकिन यातायात को सुचारू चलाने वाली यातायात पुलिस की कार्रवाई इन दिनों सुस्त नजर आ रही है। जबकि देखा जाए तो शहर के प्रमुख चौक ,चौराहों में यातायात का पुलिस बल भी लगता है, किंतु वह भी महज औपचारिकता निभाते हुए ही दिखाई देता है । शहर के प्रमुख मार्गों पर इन दिनों अनावश्यक ही सड़कों पर वाहन खड़े रहते हैं ,जिस कारण जाम जैसे हालात शहर के प्रमुख मार्गो में बनते रहते हैं । जबकि देखा जाए तो इन दिनों त्यौहार का समय होने के कारण यातायात पुलिस की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, किंतु यातायात पुलिस इन दिनों सड़कों पर कहीं नजर नहीं आ रही है । आमजन को सड़कों पर परेशान होना पड़ रहा है ,जबकि पुलिस विभाग के सभी बड़े अधिकारी जिला मुख्यालय में ही है, लेकिन कोई भी शहर की यातायात व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रहा है।

बीते कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि शहर में यातायात बेपटरी ही होता जा रहा है । जबकि अभी नवरात्र का पर्व खत्म हुआ है और दीवाली जैसे प्रमुख पर्व अभी आना है ।जिसको देखते हुए शहर की सड़कों पर और अधिक यातायात का दबाव बढ़ रहा है । यहां के प्रमुख मार्गों पर आए दिन चौपहिया वाहन नो पार्किंग में खड़े दिखाई दे रहे हैं ,तो कुछ वीआईपी और विभागों की गाड़ियां ही सड़कों पर खड़ी दिखाई देती है, जो स्वयं सड़कों पर वाहन खड़े रखकर यातायात व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं । इन पर नजर रखने वाला यातायात विभाग भी इन दिनों सुस्त नजर आ रहा है । जबकि देखा जाए तो शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर यातायात पुलिस का बल लगता है, किंतु यह बनाई गई व्यवस्था भी

औपचारिकता में ही सिमट कर रह गई है। जबकि देखा जाए तो पहले यातायात विभाग द्वारा सुबह, शाम और दोपहर के समय यातायात का वाहन सड़कों पर घूमते हुए यातायात को व्यवस्थित करता नजर आता था । नियम विरुद्ध खड़े वाहनों पर कार्यवाही होती थी, किंतु इन दिनों यातायात विभाग सिर्फ हेलमेट पर शहर के बाहर चालानी कार्रवाई करते ही नजर आता है । शहर में आमजन को अव्यवस्थित यातायात के कारण परेशान होना पड़ रहा है ,जबकि इन दिनों यातायात में यह स्पष्ट भी नहीं हो पा रहा है कि कौन इन पुरी व्यवस्थाओं को देख रहा है ,जबकि देखा जाए तो विभाग ने इंटरसेप्टर जैसे महत्वपूर्ण वाहन भी यातायात पुलिस को मिले हुए हैं, जो तकनीकी व्यवस्थाओं से लैस है, लेकिन इन सब व्यवस्था होने के बावजूद भी यातायात विभाग हेलमेट की चालानी कार्रवाई तक ही सीमित है ।

मेन रोड पर यातायात विभाग की गश्त हुई बंद

कुछ समय पहले यातायात विभाग सुबह , शाम और दोपहर के समय यातायात का वाहन और कुछ यातायात कर्मचारी शहर में दिन के समय गश्त करते नजर आते थे, किंतु इन दिनों शहर में यातायात विभाग की गाड़ी और मेन रोड पर यातायात विभाग के कर्मचारी भी दिखाई नहीं देते , जबकि यदि यातायात विभाग का वाहन शहर के प्रमुख व्यस्ततम गलियों और मेन मार्ग पर घूमेगी, तो निश्चित ही सड़क पर खड़े होने वाले वाहनों पर कार्रवाई होगी और सड़कों पर अनावश्यक दो पहिया चौपहिया वाहन खड़े नहीं होंगे।

इंटरसेप्टर वाहन का नहीं हो रहा उपयोग

विभाग ने यातायात पुलिस को ओवरस्पीड दौड़ने वाले वाहन और यातायात के नियम का उल्लंघन करने वालों के लिए तकनीकी सुविधाओं से लैस इंटरसेप्टर वाहन दिया है। जिसका यातायात पुलिस ने अभी तक कोई उपयोग नहीं किया है, जबकि शहर की सडकों पर कुछ स्पोर्ट्स गाड़ी अधिक स्पीड से युवकों के द्वारा दौड़ाई जाती है। जिस पर यातायात पुलिस लगाम नहीं लगा पा रही है और इतने हाई तकनीक वाहन का उपयोग यातायात पुलिस आज तक नहीं कर पाई है। जबकि देखा जाए तो इसके लिए पुलिस विभाग ने यातायात पुलिस के कर्मियों को स्पेशल ट्रेनिंग भी दे रखी है लेकिन इन दिनों यह व्यर्थ ही साबित हो रहे हैं।

इन मार्गों पर रहता है यातायात का दबाव

देखा जाए तो शहर के कुछ मार्ग ऐसे हैं, जहां दिन भर यातायात का दबाव अधिक रहता है और दिन में अव्यवस्थित यातायात के कारण जाम जैसे हालात बनते हैं , जिसमें कालीपुतली चौक से लेकर हनुमान चौक तक मेनरोड में त्यौहार का समय होने के कारण भीड़ और अव्यवस्थित यातायात के कारण आमजन को तकलीफ होती है, तो वहीं भटेरा रोड ,बैहर रोड, बूढी रोड और शाम होते ही काली पुतली चौक में यातायात का दबाव बढ़ने लगता है ,किंतु देखा जाए तो कालीपुतली चौक में किसी प्रकार का यातायात पुलिस के द्वारा बल नहीं लगाया जाता और यहां शाम होते ही वाहनों का जमावड़ा सड़कों पर लगने लगता है ,जो देर रात तक लगा रहता है ।

आदिवासी समाज का घेरा डालो- डेरा डालो आंदोलन सम्पन्न

महज ज्ञापन पर करना पड़ा सन्तोष, प्रशासनिक अधिकारियों ने नही हो सकी चर्चा, संगठन ने आगामी समय में बड़ा आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वनग्रामों से विस्थापित किए जाने सहित जल, जंगल, जमीन और प्रशासनिक मुद्दों को लेकर जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के बैनर तले नगर में आयोजित दो दिवसीय घेरा डालो- डेरा डालो आंदोलन गुरुवार को समाप्त हो गया।जिसमे समस्त आदिवासी समाज संगठन के आह्वान पर बालाघाट, मंडला, सिवनी, जबलपुर और डिंडोरी के वन ग्रामो में रहने वाले ग्रामीणो ने जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में भाग लिया। इस दौरान जहां 8 अक्टूबर को अंबेडकर चौक में जनसुनवाई का आयोजन कर विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों से उनकी समस्याएं जानकर उनकी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रख, उनके निराकरण की कोशिश की गई।तो वही 9 अक्टूबर को आदिवासियों ग्रामीणों से आई समस्याओं, जल जंगल जमीन से जुड़े मुद्दे, मुआवजा और वन ग्रामों से आदिवासी समाज के लोगों के विस्थापन के विभिन्न मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपकर इस आंदोलन का समापन किया गया।हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों से उक्त मुद्दों पर वन टू वन चर्चा न होने के चलते समस्याओं की निराकरण नहीं हो सका। जिसके चलते संगठन द्वारा आगामी समय में इन्हीं मुद्दों को लेकर कलेक्टर बालाघाट सहित अन्य संबधित अधिकारियों से समय लेकर चर्चा किए जाने की बात कही गई है। जिसकी तमाम जानकारी गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उपस्थित पदाधिकारियो द्वारा दी गई। इस दौरान मध्यप्रदेश आदिवासी एकता महासभा, चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति, मध्य प्रदेश

किसान संगठन, मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद, बरगी बांध विस्थापित और प्रभावित संघ, पेसा सशक्तिकरण मिशन मध्यप्रदेश टीम बालाघाट, सर्व आदिवासी समाज संगठन बालाघाट सहित अन्य संगठनो के पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बड़ी संख्या में रद्द किए जा रहे पट्टे

प्रशासनिक अधिकारी कह रहे है कि जिले में वन अधिकार पट्टो का वितरण, गूगल अर्थ और सैटेलाइट इमेजरी के उपयोग से सरल हो गया है और नक्सल प्रभावित क्षेत्रो में कब्जे का सत्यापन कर पट्टो का वितरण किया जा रहा है। जिससे आदिवासी संगठन इत्तेफाक नहीं रखते है, उनका आरोप है कि जिले में ब?ी संख्या में सामूहिक और व्यक्तिगत पट्टो के दावों को रद्ध किया गया है।उधर संगठनो के ज्ञापन को लेते हुए एडीएम डी.एस. धुर्वे ने आदिवासियों को आश्वस्त किया कि जिले की मांगो पर विभागो के बीच समन्वयक स्थापित कर निराकरण करने का काम किया जाएगा, लेकिन जो शासन स्तर के नीतिगत निर्णय है, उन्हें शासन को भेजा जाएगा

तो भविष्य में होगा बड़ा आंदोलन- पंवार

आदिवासी समाज संगठनो को साथ लेकर जनसंघर्ष मोर्चा के बैनर तले आंदोलन की अगुवाही कर रहे संयोजक विवेक पंवार ने बताया कि विकास के नाम पर देश और प्रदेश की सरकार, आदिवासी क्षेत्रो में निवासरत, आदिवासियों के संसाधन को छिनने के लिए मुहिम चलाकर काम कर रही है। बालाघाट सहित मंडला, डिंडोरी, सिवनी, छिंदवाड़ा में आदिवासियों के संसाधान को छिनने का प्रयास हो रहा है। आदिवासी संगठनो ने लेह में हिंसा के बाद गिरफ्तार किए सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए बताया कि भाजपा सरकार ने दंगे के लिए उकसाने के झूठे मामला बनाकर उन्हें फंसाया है। जिसकी हम निंदा करते है और राष्ट्रपति से मांग करते है कि, वह इसमें हस्तक्षेप कर न्यायसंगत कार्यवाही करते हुए रास्ता तैयार करें। उन्होंने बताया कि अपने हक और अधिकार के लिए बालाघाट में किए गए घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन स्थगित हुआ है और यदि हमारी मांगो पर विचार नहीं किया जाता है तो भविष्य में आंदोलन बड़े स्वरूप में होगा।

कप सीरफ से मृतक बच्चों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

कैंडल मार्च निकालकर किया शोक व्यक्त, कांग्रेस ने मांगा स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

छिंदवाड़ा जिले में जहरीली कफ सिरप से मासूमो की मौत के बाद प्रदेश भर में कांग्रेस ,भाजपा सरकार को घेरते हुए प्रदर्शन कर रही है। इसी क्रम में शहर कांग्रेस कमेटी ने स्थानीय कांग्रेस कार्यालय से हनुमान चौक में लगी गांधी प्रतिमा तक कैंडल मार्च निकाला और सरकार के साथ स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए स्वास्थ्य मंत्री को इस्तीफा दिए जाने की मांग की। कोल्ड्रीफ कफ-सीरप से छिंदवाड़ा में हुई करीब दो दर्जन बच्चो की मौत ने बच्चो के स्वास्थ्य जांच पर सवाल खड़े कर दिए है। गुरूवार को देरशाम कांग्रेस ने जिला कांग्रेस कार्यालय से कैंडल मार्च निकाला और दुर्गा मंदिर के सामने गांधी प्रतिमा स्थल पर शोक श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस का आरोप है कि कफ सीरप के बनने के बाद, प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने विभागीय संसाधनो से इसकी जांच नहीं की। जिसके कारण रासायनिक कैमिकल मिले, कफ-सीरप पीने से बच्चो की मौत हुई है। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने बताया कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद, सरकार अभी भी सोई हुई है। सरकार ने उत्पाद तो बैन कर दिए है लेकिन श्रीसन कंपनी के मालिक पर कोई कार्यवाही नहीं की है, कांग्रेस मांग करती है कि मालिक पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें सजा दिलाए और इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल का इस्तीफा लिया जाए। उन्होंने बताया कि यदि सरकार, स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा नहीं लेती है तो आगामी समय में कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। उक्त कार्यक्रम मेंअंजू जैस्वाल, भुरू पटेल,वरिष्ठ कांग्रेसी शैलेंद्र पटेल,जावेद अली , अल्लाह रखा, शमीम सिद्दीकी, जीतू बर्वे, कपिल बर्वे, निखिल गौतम, नितेश कटरे,शब्बीर पटेल, शानू राय, जुबेदा अंसारी, डॉ वरकड़े, दुर्गा वरकडे, अंकित अग्रवाल, डॉ अमर बिसेन, नितिन शिवहरे, मिठन नागपुरे ,अनिल सोनी,मयूर मोटवानी, शेख अंसार, शहबाज अहमद, साबिर मंसूरी, साजिद खान रामप्रसाद नेवारे सहित अनेक कांग्रेसी सम्मिलित हुआ ।

फसल की गिरदावरी नही होने से 25 प्रतिशत किसानों का नही हुआ पंजीयन, किसान परेशान

पंजीयन करवाने की अंतिम तिथि आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलवाने एवं दलालों व बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार के द्वारा प्रतिवर्ष मार्केटिंग एवं सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जाती है और सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से धान खरीदी के पूर्व पंजीयन करवाया जाता है। जिसके लिए किसान अपना पंजीयन करवाकर फसल को समर्थन मूल्य में विक्रय करते है। शासन के निर्देशानुसार लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों में गत दिवस से समर्थन मूल्य में धान की उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन की प्रक्रिया जारी है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित लालबर्रा में भी गत दिवस से समर्थन मूल्य में अपनी उपज विक्रय करने के लिए किसान पंजीयन करवाने बड़ी संख्या में पहुंचे रहे है। लेकिन कुछ किसानों की फसल की गिरदावरी नही होने के कारण उनका पंजीयन नही हो पा रहा है। इस तरह से हर समितियों में 25 प्रतिशत किसानों का अब तक गिरदावरी नही होने के चलते उनका पंजीयन नही हो पाया है और वे समितियों से निराश होकर राजस्व विभाग (पटवारी) के पास गिरदावरी करवाने के लिए पहुंच रहे है। वहीं पंजीयन की अंतिम 10 अक्टूबर है जिसे महज एक दिन बचा है। ऐसे में बहुत से किसान पंजीयन से वंचित हो सकते है इसलिए किसानों ने प्रशासन से पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग की है।

लालबर्रा की दो समिति में 1096 किसानों ने करवाया पंजीयन

लालबर्रा बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख. सह. समिति मर्यादित के अंतर्गत दो समितियां है जिसमें लालबर्रा समिति में 9 अक्टूबर तक 745 एवं ददिया समिति में 351 किसानों ने पंजीयन करवाये है। जबकि पिछले वर्ष लालबर्रा समिति में 930 एवं ददिया समिति में 321 किसानों ने पंजीयन करवाये थे। लेकिन अब तक लालबर्रा की दोनों समिति में 1096 ही पंजीयन हुआ है। 20 से 30 प्रतिशत किसानों का गिरदावरी नही होने के कारण पंजीयन नही हो पाया है। साथ ही पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है जिसे एक दिन शेष बचा है। जिन किसानों का समर्थन मूल्य में अपनी उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन नही हुआ वे खासा परेशान नजर आ रहे है। जबकि फसलों का गिरदावरी करने का कार्य पटवारी के साथ ही सर्वर करते है और उनके द्वारा गिरदावरी का कार्य किया गया है लेकिन कुछ किसानों के खेतों में लगी फसल की गिरदावरी नही कर पाये है। यदि पंजीयन की तिथि नहीं बढ़ाई तो पटवारियों की गलती से बहुत से किसान पंजीयन नहीं होने के कारण अपनी फसल को समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पायेगें। ऐसे में उनके सामने एक बड़ी समस्या खड़ी हो जायेगी और उन्हें मजबूरी में बिचौलियों को अपनी फसल कम दामों में बेचनी पड़ेगी।

पंजीयन नही हो रहा है - सुरेश

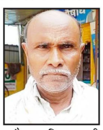

किसान सुरेश मानेश्वर ने बताया कि समर्थन मूल्य में धान विक्रय करने के लिए पंजीयन करवाने सोसायटी आया था, लेकिन पंजीयन नही हो रहा है उनका कहना है कि गिरदावरी नही हुआ है। जबकि पटवारी के पास गया था तो उन्होने कहा था कि पंजीयन केन्द्र चले जाओं पंजीयन हो जायेगा। अब पुन: पटवारी के पास जाना पड़ेगा, अगर समय पर पंजीयन नही हुआ तो उपज विक्रय करने में परेशानी होगी।

पंजीयन की तिथि बढ़ायें प्रशासन - रामचंद्र

किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने बताया कि सोसायटियों में समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है और किसान पंजीयन करवाने पहुंच रहे है। किन्तु कुछ किसानों के खेतों में लगी फसल की गिरदावरी नही होने के कारण उनका पंजीयन नही हो पा रहा है। जबकि पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है जिसे महज एक दिन बचा है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि जिन किसानों के खेतों में लगी फसल की गिरदावरी नही हुआ है उसे जल्द करवाये एवं पंजीयन की तिथि बढ़ाये।

समयावधि पर किसान करवायें पंजीयन - बसेने

बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित लालबर्रा प्रबंधक एचसी बसेने ने बताया कि लालबर्रा समिति में दो पंजीयन केन्द्र है जिसमें लालबर्रा समिति में 745 एवं ददिया समिति में 351 किसानों का पंजीयन हो चुका है एवं 25 प्रतिशत किसानों की गिरदावरी नही होने के कारण पंजीयन नही करवा पाये है। श्री बसेने ने बताया कि पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है, जिनकी फसल की गिरदावरी नही हुई है ऐसे में बहुत से किसान पंजीयन से वंचित हो सकते है इसलिए प्रशासन पंजीयन की तिथि बढ़ाये एवं शेष किसान समयावधि पर पंजीयन करवा लेवें।

इनका कहना है-

किसानों के खेतों में लगी फसलों का राजस्व विभाग के द्वारा गिरदावरी कर दिया गया है, खाद्य विभाग के पोर्टल में कुछ त्रुटियां होने की जानकारी मिली है। खाद विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर उस तकनीकी त्रुटि में सुधार करवाने कहा गया है और सभी किसानों का समयावधि में पंजीयन हो जायेगा।

आकाश अग्रवाल
तहसीलदार
लालबर्रा।

वन विभाग को खिलेश ने सौंपा ज्ञापन, जप्त फर्नीचर के सामान को वापस दिलवाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली निवासी खिलेश यादव बुधवार को दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा पहुंचकर रेंजर को ज्ञापन सौंपकर वन विभाग की उडनदस्ता टीम के अधिकारियों पर मेरी अनुपस्थिति में पत्नि को डरा धमकाकर फर्नीचर के सामान की जबरदस्ती जप्ती करने का आरोप लगाते हुए फर्नीचर के सामान को वापस दिलवाने की मांग की है। जानकारी देते हुए पीड़ित खिलेश यादव ने बताया कि मैं फर्नीचर का काम करता है, गत दिवस औल्याकन्हार निवासी मनोहर यादव ने अपनी निजी खेत का सागौन का पेड़ जो तुफान में गिर गया था उसे अपनी बच्चीं के लिए फर्नीचर बनाने के लिए मुझे दिया था। जिसका तहसीलदार महोत्य को आवेदन भी दिया गया था और पटवारी व औल्याकन्हार सरपंच के साथ ही रेंज आफिस के डिप्टी रेंजर श्री चौधरी ने भी सत्यापित भी किया गया था। जिसके बाद मेरे सुपुर्दनामा में दिया गया था। श्री यादव ने बताया कि 6 अक्टूबर को वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने मेरी अनुपस्थिति में मेरे घर पहुंचकर मेरे घर पर सुपुर्दनामा वाली सागौन की लकड़ी के साथ-साथ मेरी शादी की निजी दीवान को भी जप्ती नामा किया गया है। यानि की फर्नीचर के सामान सहित फर्नीचर बनाने के सामग्री को भी लेकर गये है मेरी अनुपस्थिति में। जबकि मैं गरीब परिवार से हूं और फर्नीचर के कार्य से जो आय प्राप्त होती है जिससे परिवार का पालन-पोषण करता है। लेकिन वन विभाग के द्वारा मेरे घर से जबरन फर्नीचर का सामान जप्त किया गया है जो गलत है। इसलिए बुधवार को वन विभाग को ज्ञापन सौंपकर उड़नदस्ता टीम के द्वारा गलत तरीके से जो फर्नीचर के सामान जप्त किये गये है उसे वापस दिलवाने की मांग की है।

बघोली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम पंचायत बघोली के माता मंदिर प्रांगण में बुधवार को पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सुखचंद रहांगडाले, लालबर्रा खंड संघचालक संजय अग्रवाल, मुख्य वक्ता संघ के जिला बौध्दिक प्रमुख महेंद्र पटले, लालबर्रा खंड के सहकार्यवाह पीयूष जी, शाखा के मुख्य शिक्षक्दीपक पटले, चैनलाल चौधरी, प्रकाश चौहान के प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिनके द्वारा भारत माता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम संघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, द्वितीय संघ चालक परम पू'य माधवराव गोलवलकर (गुरूजी) के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर द्वीप प्रज्वलित किया गया। जिसके बाद कार्यक्रम स्थल में शाखा लगाई गई एवं भगवा ध्वज लगाया गया। जिसके बाद स्वयंसेवकों के द्वारा पथ संचलन किया गया। इस पथ संचलन में देश भक्ति गीतों को गाते हुए स्वयंसेवक कदम से कदम ताल मिलाकर पुरे ग्राम का भ्रमण करते हुए पुन: कार्यक्रम स्थल पहुंचे। पथ संचलन के दौरान ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता महेन्द्र जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है और संघ का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। इस पथ संचलन में स्वयं सेवक 44 रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी, ग्रामीणजन एवं मातृशक्तियां उपस्थित रहे।

सुहागिन महिलायें पति की दीर्घायु के लिये रखेंगी करवाचौथ का व्रत आज

महिलाएं पर्व को लेकर खासा उत्साहित, बाजार रहा गुलजार, जमकर की खरीदी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पति की लंबी उम्र के लिए मनाया जाने वाला अखंड सौभाग्य का महापर्व करवा चौथ 10 अक्टूबर को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस पर्व की तैयारी के लिए सुहागन माता-बहनों के द्वारा एक दिन पूर्व 9 अक्टूबर को नगर मुख्यालय के मार्केट पहुंचकर नई साड़ी सहित आवश्यक पूजन सामग्री की खरीदी की गई। करवा चौथ व्रत के दिन सुहागन माता-बहनों के द्वारा अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण कर भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विशेष पूजा अर्चना कर शाम में चंद्रोदय के बाद छलनी में चांद और अपने सुहाग के चेहरे का दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर महिलाएं व्रत खोलेगी। आपकों बता दे कि करवा चौथ का व्रत हर वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाते है जिसमें भगवान श्री गणेश जी की पूजा की जाती है और इस व्रत पर सुहागिन महिलाओं के द्वारा करवाचौथ का निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर अपने सजना के दीर्घायु जीवन एवं उ'जवल भविष्य की कामना की जाती है। जिसमें महिलाओं के द्वारा साज-श्रृंगार कर चंद्र देव का दीदार किया जाता है एवं पतियों के द्वारा जल पिलाकर व्रत छुड़वाया जाता है। महिलाओं ने बताया कि 10 अक्टूबर को करवा चौथ का पर्व सुहागिन महिलाओं के द्वारा अपने पति की दीर्घायु के लिए मनाया जायेगा इसलिए पर्व के एक दिन पूर्व बाजार से हमारे द्वारा पूजा में लगने वाली सामग्रियों की खरीदी की गई है और करवा चौथ पर्व में करवा, छलनी, सिंगार का सामान सहित अन्य सामग्री लगती है एवं आज रात में खाना खाने के बाद शुक्रवार को दिनभर निर्जला व्रत रखेगें। जिसके बाद शाम में चांद निकलने के बाद उसकी पूजा अर्चना कर छलनी में अपने पतियों का चेहरा देखने के बाद उनके हाथों से जल ग्रहण कर व्रत छोड़ेगें उसके बाद भोजन ग्रहण करेगें। साथ ही यह भी बताया कि प्राचीन कथाओं में लिखा गया है कि करवा मईया का उपवास रखने पर पति की दीर्घायु होती है इसलिए सभी सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए करवा चौथ का व्रत रखते है और यह पर्व पति के दीर्घायु के लिए मनाई जाती है।

पुलिसबल के साथ स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचा विद्युत अमला

उपभोक्ताओं ने दूसरे दिन भी किया स्मार्ट मीटर का विरोध, पुराने मीटर को यथावत रखने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। विद्युत विभाग के द्वारा शासकीय कार्यालयों, दुकानों एवं घरों में पुराने मीटर को बदलकर नये स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन उपभोक्ताओं के द्वारा इस स्मार्ट मीटर का विरोध किया जा रहा है। साथ ही विद्युत विभाग पर बिना सहमति एवं जबरन लगाने का आरोप भी लगा रहे है। बुधवार को लालबर्रा बस स्टैण्ड में विद्युत विभाग व कंपनी के कर्मचारी दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे थे लेकिन उपभोक्ताओं ने इस स्मार्ट मीटर का विरोध करते हुए मीटर लगाने से मना कर दिये थे। जिसके बाद विद्युत विभाग एवं कंपनी के कर्मचारी बिना मीटर लगाये दोपहर बाद वापस हो गये थे। दुसरे दिन गुरूवार को पुन: विद्युत विभाग के कर्मचारी पुलिस बल के साथ बस स्टैण्ड स्थित दुकानों में पुराने मीटर को बदलकर उसके स्थान पर नये मीटर लगाने पहुंचे थे। तभी उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर का पुन: विरोध करते हुए बिना सहमति, जबरन लगाने की बात कहने लगे। इसी बात पर उपभोक्ता व विद्युत विभाग के कर्मचारियों के बीच बहस होने लगी। जिनकी आवाज सुनकर लोगों की भीड़ लग गई और पुलिसकर्मियों ने आक्रोशित लोगों को शांत करवाया। जिसके बाद विद्युत विभाग के द्वारा उपभोक्ता से किस कारण से स्मार्ट मीटर नही लगा रहे है उस संबंध में उनसे लिखित में आवेदन लिया गया। वहीं उपभोक्ताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने से बिजली बिल अधिक आयेगा और सरकार प्रीपेड व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है, जिसमें उपभोक्ताओं को पहले भुगतान करना होगा, उसके बाद ही बिजली आपूर्ति मिलेगी इसलिए हम लोग इस स्मार्ट मीटर का विरोध कर रहे है और पुराने मीटर को यथावत रखने की मांग की है। वहीं विद्युत विभाग का कहना है कि शासन के नियमानुसार स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है और इस मीटर से बिलिंग में पारदर्शिता आयेगी, लोगों के द्वारा स्मार्ट मीटर के प्रति भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है एवं स्मार्ट मीटर के साथ अगर कोई तोड़-फोड़ करते है तो उनके खिलाफ शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

स्मार्ट मीटर लगाना बंद नहीं हुआ तो करेगें आंदोलन

उपभोक्ता गणेशप्रसाद अवधिया, मुनेन्द्र ठाकरे, मनीष कुशवाहा ने संयुक्त रूप से बताया कि विद्युत विभाग के कर्मचारी बिना सहमति के घर के बाहर स्मार्ट मीटर लगा रहे है और स्मार्ट मीटर लगने से बाद में 4 से 5 हजार रूपये तक बिल आयेगा जिससे उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इसलिए इस मीटर का विरोध कर रहे है। आगे बताया कि यह स्मार्ट मीटर बाद में मोबाईल रिचार्ज सिस्टम की भांति हो सकती है जो एक निश्चित अवधि के बाद सेवा खत्म हो जाने पर किसान, मजदूर, व्यापारी सभी के लिए समस्या उत्पन्न करेगी । इसलिए लोग स्मार्ट मीटर लगाने के लिए मना कर रहे है तो विद्युत विभाग व पुलिस प्रशासन के द्वारा लोगों को डरा-धमकाया जा रहा है। जो गलत है, हमारी मांग है कि स्मार्ट मीटर लगाना बंद होना चाहिए एवं मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करेगें।

अपवाहों पर ध्यान न दे उपभोक्ता - सरफराज

कनिष्ठ यंत्री सरफराज कुरैशी ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है लेकिन लालबर्रा बस स्टैण्ड में कुछ उपभोक्ता उसका विरोध कर रहे है। जबकि यह स्मार्ट मीटर सही है और बिलिंग में पूरी पादर्शिता आयेगी, कुछ लोग भ्रांति फैला रहे है जो गलत है। स्मार्ट मीटर नही लगाने दे रहे उपभोक्ताओं से लिखित में नही लगाने का कारण पुछा गया है। श्री कुरैशी ने बताया कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता अपने मोबाइल पर प्रतिदिन की बिजली खपत देख सकते हैं, जिससे बिलिंग में गड़बड़ी की शिकायतें समाप्त हो जायेगी और मीटर बदलने के पहले उपभोक्ताओं की सहमति भी ली जाती है एवं मीटर तोड़ने वालों के खिलाफ शास. संपत्ति को नुकसान के तहत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी और उपभोक्ताओं से भी अपील है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दे और विभाग का सहयोग करें।

चंकी पांडे, साज भट्ट, दीक्षा टूर और शुभांकर ने सिविल ग्राउंड में शमां बांधा

मेगा बॉलीवुड नाइट के साथ नवदुर्गा उत्सव समिति का लक्की कूपन ड्रा निकला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

जिले में भव्य पण्डाल साज सज्जा के साथ होने वाले कार्यक्रमों को लेकर ख्याति प्राप्त कर चुकी नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब वारासिवनी के द्वारा शरद पूर्णिमा महोत्सव पर लक्की कूपन ड्रा खोला गया। यह कार्यक्रम नगर के वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम में ८ अक्टूबर को मैगा बॉलीवुड नाईट के आयोजन के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में बालाघाट सिवनी लोकसभा सांसद श्रीमती भारती पारधी ,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ,विधायक विवेक पटेल ,पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल ,समाज सेवी राजेश पाठक ,नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजयसिंह कछवाहा, कन्हैया पात्रे सहित अन्य अतिथियों के आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें हिंदी फिल्म अभिनेता चंकी पांडे गायक एवं इंडियन आईडल विनर सहित अन्य कलाकारों ने संगीत की एक से बढकर एक प्रस्तुति दी। उक्त कार्यक्रम के बीच में पूरी पारदर्शिता के साथ लक्की कूपन ड्रा खोला गया। इस दौरान उपस्थित जनता काफी उत्साहित नजर आई यह क्रम बहुत देर रात्रि तक चलता रहा। जिसके बाद वार २ फिल्म के गायक साज भट्ट ,इंडियन आइडल विनर दीक्षा टूर, शुभांकर के द्वारा एक से बढकर एक नए पुराने गीतों की प्रस्तुति दी गई। जिस पर उपस्थित दर्शक झुम उठे और उक्त कार्यक्रम देर रात्रि तक चला जिसका लोगों ने जमकर लुत्त भी उठाये कार्यक्रम की जमकर सराहना भी की गई।

चंकी पांडे ने कथोपकथन से लोगो को गुदगुदाया

नवदुर्गा उत्सव समिति लक्की कूपन ड्रॉ कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा के अभिनेता चंकी पांडे का आगमन हुआ। जिनके द्वारा अपनी हिंदी फिल्म हाउसफुल तेज़ाब सहित अन्य में निभाए गए किरदार के डायलॉग के माध्यम से लोगों को गुदगुदाया गया। तो वहीं अपनी फिल्मों में स्वयं पर फिल्मायें गए गीत जैसे तू मेरी मैना ,मैं तेरा तोता जैसे अन्य गीतों पर नृत्य कर लोगों का मनोरंजन किया गया। तो वहीं गीत गाकर भी लोगों को हंसाया गया। जिले में फिल्म अभिनेता चंकी पांडे का यह पहला आगमन वारासिवनी में हुआ। जहां हर कोई उन्हें देखने के लिए उत्साहित नजर आया और उनकी एंट्री से एग्जिट तक लोगों में दुगना उत्साह देखने को मिला।

गायको ने बांधा समा दी शानदार प्रस्तुति

नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा लक्की कूपन ड्रा में इस वर्ष वार २ फिल्म के गायक साज भट्ट २ वर्ष पहले इंडियन आइडल विजेता दीक्षा टूर प्रोफेशनल आर्केस्ट्रा गायक शुभांकर सहित अन्य कलाकारों को बुलाया गया। जिनके द्वारा लगातार नए पुराने गीत जैसे सैयारा तू तो बदला नहीं है मौसम जरा सा बदला हुआ है आज की रात मजा हुसन का आंखों से लीजिए तम्मा तम्मा लोगे तम्मा जैसे नए पुराने अनेकों गानों की प्रस्तुति दी गई। जिसका दर्शक दीर्घा में उपस्थित हजारों दर्शकों के द्वारा जमकर आनंद लिया गया। तो वहीं अपने स्थान पर नृत्य भी किया जाता रहा।

नृत्य की दी शानदार प्रस्तुति

मैगा बॉलीवुड नाइट में हिंदी सिनेमा के गायकों ने अपने सुरों का जादू फैलाया इन सबके बीच वारासिवनी नगर की प्रसिद्ध प्रतिभाशाली कलाकार अपनी शिक्षिका नृत्यांगना रितिका जैन एवं उनके दो शिष्यों के साथ नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। जहाँ उनके द्वारा कत्थक नृत्य का प्रदर्शन किया गया। जिसे देख लोग बंधे रह गये सराहना करने लगे जिसमें उनका ड्रेस व नृत्य कला के साथ उम्र भी चर्चा का विषय रही।

इन अंको पर माता की बरसी कृपा

नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब बस स्टैंड के लक्की कूपन ड्रॉ समस्त प्रदर्शित का ध्यान रखते हुए खोला गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों ,कलाकारों एवं बालक बालिकाओं के द्वारा लकी कूपन ड्रॉ के विभिन्न इनाम के लिए नंबर निकल गए । जिसमें प्रथम पुरस्कार हीरो एक्सट्रीम मोटरसाइकिल के लिए ६७७७८ , दूसरा पुरस्कार हीरो डेस्टिनी १२५ के लिए ५९२०९ ,तीसरा पुरस्कार एलइडी टीवी के लिए २९९८०, चौथे पुरस्कार फ्रिज के लिए ५५३२५ ,पांचवा पुरस्कार वाशिंग मशीन के लिए ४२२०७ एवं सांत्वना पुरस्कार के लिए अंतिम के तीन अंक ८०१ के नंबर वाले कूपन खरीदने वाले भाग्यशाली भक्तों पर माता ने कृपा बरसायी।

कई जिलों में चर्चा का विषय रहता है-पाठक

समाजसेवी राजेश पाठक ने कहा कि माता रानी के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम बालाघाट जिला ही नहीं मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई जिलों में चर्चा का विषय बना रहता है। हर वर्ष इसे ऊंचा उठाने का प्रयास किया जाता है इस समिति का संरक्षक होने के नाते आप सभी का मैं आभार मानता हूं। यहां पर जो बड़ी संख्या में पुरुष और महिला के साथ बुजुर्ग भी लुफ्त उठाने के लिए आए हुए हैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं।

हर बार कुछ नया करने का प्रयास कर रहे है-संजयसिंह कछवाहा

समिति अध्यक्ष संजय सिंह कच्छवाहा ने कहा कि २२ वर्षों से हम लगातार हर बार कुछ नया करने का प्रयास कर रहे हैं। इस बार हमारा गरबा ऐतिहासिक रहा पुलिस प्रशासन की अच्छी व्यवस्था रही ४ घंटे का यह कार्यक्रम होता है परंतु इसमें महीनों की मेहनत होती है। माता रानी का आशीर्वाद रहा कि विपरीत परिस्थितियां नहीं बनी। यहां पर कुपन ड्रा बहुत निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ करवाया जाता है जिसे भी इनाम मिलेगा उसे दे दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रत्येक सहयोगियों का हम आभार व्यक्त करते हैं। जब आपसे हमें ऐसा प्रतिसाद मिलता है तो हमारा कार्यक्रम और मेहनत दोनों सफल होती है। हमारे यहां बारिश हुई मैदान बहुत खराब था ऐसे में वह मजदूर जिनके द्वारा कड़ी मेहनत कर पूरे मैदान में रेत डालकर आपके लिए व्यवस्था बनाई गई है वह बहुत धन्यवाद के पात्र है।

नगर और क्षेत्र लगातार आगे बढ़ते रहे-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि नगर से क्षेत्र में ऐतिहासिक नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है । नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा हर बार बेहतर करने का कार्य किया जाता है। प्रतिस्पर्धा इतनी बढ़ती है कि इस बार नगर में सभी पंडाल भव्य बनाने का प्रयास रहा जहां पर माता की प्रतिमा विराजित कर दुर्गा उत्सव मनाया गया। हमने अभी हाल ही में दशहरा पर्व मनाया उसे भव्य स्तर पर मनाने का प्रयास किया गया आगे दशहरा और भव्य होगा। वहीं जिस प्रकार से नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है ऐसा लग रहा है कि आने वाले समय में यह और बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। हमारी माता रानी से यही कामना रही है कि हमारा नगर और क्षेत्र लगातार आगे बढ़ते रहे।

कुछ नया करने का प्रयास किया जाता है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए सभी महेनत करते रहे हर वर्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए बड़ा करने का कार्य किया जाता है जो दिख रहा है। यहां का गरबा उत्सव बहुत बड़ा होता है जिसके पीछे आयोजन की कड़ी मेहनत रहती है। हजारों लोग प्रतिदिन गरबा कर माता की आराधना कर आशीर्वाद लिया इसके बाद भगवान राम ने रावण का वध कर धर्म की स्थापना की थी उसका प्रतीक हमने दशहरा मनाया और अभी बाबा श्याम भगवान हनुमान जी का दरबार लगा था। यह शरद पूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित हुआ है जिसमें अच्छे कलाकार है और लगातार क्षेत्र में नया करने का प्रयास किया जा रहा है।

समिति अध्यक्ष संजयसिंह कछवाहा ने बेहतर काम किया है-भारती पारधी

लोकसभा सांसद भारती पारधी ने कहा कि यह आयोजन लंबे समय से चला रहा है और लगातार इसकी भव्यता सुंदरता बढ़ती ही जा रही है । इसके लिए मैं धन्यवाद देना चाहूंगी नव दुर्गा उत्सव समिति एवं अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा को जिन्होंने लगातार कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने का काम कर रहे हैं। इस वर्ष भी वारासिवनी और आसपास के गांव के लोग यहां पर एकत्रित हुए हैं उन सभी को बधाई और माता रानी की कृपा उन पर बनी रहे।

रमाबाई बुद्ध विहार में वर्षावास कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

बौद्ध लोगों में वर्षावास का एक अलग ही महत्व है ,बौद्ध धर्म का प्रचार प्रसार करने के लिए खास तौर पर बौद्ध भिक्षुओं की जिम्मेदारी होती है कि वह ग्रामों ,शहरों में भ्रमण कर लोगों में बौद्ध धर्म की जानकारी एवं शिक्षाओं का प्रचार प्रसार करें। परंतु वर्षा काल में अनेक बाधाओं को देखते हुए उस समय बौद्ध भिक्षु बौद्ध

विहारों में रहते हैं और भ्रमण कार्य बंद रहता है । तथा उपासक लोग विहार जाकर उनको भोजन दान करते हैं एवं भिक्षु उपासकों को धर्म देशना देते हैं तथा ध्यान एवं विद्या अर्जन करते हैं । यह कार्य आश्विन पूर्णिमा तक चलता है इस काल में उपवास भी रखते हैं एवं भगवान बुद्ध और उनका धर्म ग्रंथ का वाचन करते हैं । और इसका समापन आश्विन पूर्णिमा को होता है। जिसे वर्षावास समापन करते हैं । अत: यह कार्यक्रम रमाबाई बुद्ध विहार में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । जिसमें सर्वप्रथम शेष ग्रंथ वाचन भगवान बुद्ध और उनका धर्म ग्रंथ का वाचन निष्ठावान बौद्ध महिलाओं द्वारा किया गया एवं पूरे ग्रंथ का वाचन हुआ । इसके पश्चात समस्त उपस्थित बौद्ध उपासक उपासिकाओं के द्वारा एवं अध्यक्ष आनंद बंसोड़ के द्वारा तथागत बुद्ध की प्रतिमाओं के समक्ष मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्प हारो से प्रतिमाओं का स्वागत किया गया । तथा परिसर में स्थित बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष आनंद बंसोड़ ,जे एस चौरे ,आर के डोंगरे, पी डी रंगारे, दीपांकर पाटिल , एल मेश्राम, ममता बंसोड़ ,ज्योति पाटील ,संगीता शिंदे ,अर्चना खोबरागड़े ,प्रीति वासनिक ने मोमबत्ती अगरबत्ती प्रचलित कर पुष्प मालाओं स स्वागत किया । एवं गगन भेदी नारे लगाए तत्पश्चात डॉक्टर आर के डोंगरे बोधाचार्य एवं पूर्व श्रामणेर के द्वारा परित्राण पाठ किया गया । परित्राण के अंत में दान परमिता पुरी की जिसमें फल एवं आर्थिक दान था। जिसे ममता बंसोड़ ,संगीता शिंदे ,वंदना दुफारे,अर्चना खोबरागड़े ,दीपांकर पाटिल , ज्योति पाटील ने दान दिया। तत्पश्चात आर के डोंगरे, हिरा मेश्राम , रुक्मणी रंगारे, पवन रेखा ,शिंदे के द्वारा वर्षावास के संबंध में अपने अपने विचार रखे गये । कार्यक्रम का सफल मंच संचालन दीपांकर पाटिल के द्वारा किया गया । समिति के अध्यक्ष आनंद बंसोड़ ने कहा की डॉ बाबा साहेब आंबेडकर ने हम सबको १४ अक्टूबर १९५६ में नागपुर की पावन दीक्षा भूमि पर अपने लाखों अनुयायियों के साथ पूज्य भंते चंद्रमणि से दीक्षा ली एवं दी। तभी हमें २२ प्रतिज्ञाओं को पालन करने हेतु निर्देश दिए गए थे । उन्हें हमें अपनाये बगैर हमारा उद्धार नहीं हो सकता । हर व्यक्ति का फर्ज है उन्हें दिल से अपनाये और अंत में विहार में आए हुए समस्त लोगों का आभार प्रकट करते हुए साधुवाद दिया एवं हमेशा ही कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति की अपील की । कार्यक्रम को सफल बनाने में उर्मिला डोंगरे ,लीला भवतिकर, विजयलक्ष्मी धोखे ,पुष्पा चौरे ,ममता बंसोड़ ,हेमा शेंगेन ,विद्या शेंडे ,जे एस चौरे , लता डोंगरे ,पन्नू घोड़ेश्वर ,विश्व माला घरडे ,सुलोचना बौद्ध ,वंदना दुफरे ,सुधा पटले ,अरुण मसूरेकर, प्रज्ञा मसूरेकर ,वाय आर ठवरे ,यश के गजभिए ,श्वेता चौहान ,सुभद्रा शिंदे ,सीमा चौहान आदि का सराहनीय योगदान रहा ।

48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

बालक के परिजनों का बेहाल पुलिस की तत्परता पर उठ रहे सवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

७ अक्टूबर की दोपहर करीब ३ बजे चंदन नदी से लापता हुए ८ वर्षीय बालक अर्श नदीम खैरो का ४८ घंटे बीत जाने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई हैं। युवक का या शव का पता करने में पुलिस प्रशासन अभी तक नाकाम साबित हुए हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन की तत्परता संवेदनशीलता और कार्यवाही पर पीड़ित परिजन सहित नगर वासियों के द्वारा प्रश्न चिन्ह लगाया जा रहा है। तो वहीं वह तीन बालक कौन थे। पुलिस ने उनसे पूछा भी कि नहीं पुलिस संबंधित थानों से एक साथ जांच क्यों नहीं करवा रही है।

एसडीआरएफ की टीम क्यों नहीं बढ़ रही है जैसे विभिन्न सवाल भी उठ रहे हैं। ऐसे में परिजन काफी दुख में डूबे हुए हैं तो वहीं लोग आश्चर्य के साथ पुलिस प्रशासन को देख रहे। ऐसे में लगातार पुलिस प्रशासन के द्वारा कार्यवाही करने और टीम लगाए जाने की बात कही जा रही है। इस मामले में नगर वासियों के द्वारा जल्द युवक को ढूंढने की मांग पुलिस प्रशासन से की जा रही है।

परिजनों को बालक का अंतिम दर्शन होगा या नहीं संशय

प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक के लापता होने के तीसरे दिन पुलिस प्रशासन के द्वारा एसडीआरएफ की दो टीम को सर्च पर लगाया गया। जिसमें एक टीम के द्वारा लगातार नदी के ऐसे स्थान जहां पर गहराई में शव फंस सकता है तो वहीं झाड़ियां सहित गहरे स्थान पर जांच की जाती रही। तो वहीं दूसरी एसडीआरएफ की टीम के द्वारा नदी के अन्य स्थानों पर भी जांच निरंतर रूप से की गई। तो वहीं पुलिस के द्वारा वन विभाग की सहायता लेकर वन क्षेत्र में जहां से नदी प्रवाहित हो रही है। वहीं अंतिम वैंनगंगा नदी तक वन क्षेत्र से गुजरने वाली नदी स्थल की मॉनिटरिंग ड्रोन कैमरे के माध्यम से भी की जाती रही। तो वहीं घटना स्थल से एंडिंग पॉइंट तक बारीकी से समस्त चीजों का आकलन और निरीक्षण किया गया। हालांकि तीसरे दिन भी सुबह ६ बजे से यह सर्च ऑपरेशन प्रारंभ हुआ था जो शाम को भी खाली हाथ ही संपन्न हो गया। अब चौथे दिन यह कार्यवाही को पुन: प्रारंभ करने की बात विभाग के द्वारा कही जा रही है , वहीं मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के थाने जो नदी किनारे में हैं उन्हें सूचना भेजकर जांच करने की भी बात विभाग के द्वारा कही जा रही है। हालांकि वर्तमान तक वारासिवनी और रामपायली थाने के अंतर्गत नदी की जांच की जा चुकी है। ऐसे में नदी के साथ बाहर झाड़ी वाले क्षेत्र भी देखे गए हैं परंतु वहां भी अभी तक कुछ नहीं मिल पाया है। इस विषय को लेकर पीड़ित परिवार में काफी शोक व्याप्त है कि उनका इकलौता पुत्र था वह भी ८ वर्ष की नन्ही आयु में इस प्रकार के हादसे का शिकार हो गया। किंतु उसका अंतिम दर्शन भी नसीब होगा या नहीं इस विषय से वह अधिक परेशान नजर आ रहे हैं।

खोज में गंभीरता और तत्परता नहीं लापरवाही दिख रही-अली

राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली ने बताया कि पीड़ित परिवार से हमारे द्वारा मुलाकात की गई थी। वह बहुत ज्यादा शोक में है ७ अक्टूबर की दोपहर ३ बजे कि यह घटना है ,नदीम खैरो के पुत्र अर्श खैरो नहाने गए थे वहां से डूबने की जानकारी लगी थी। दोपहर ३ बजे की घटना बताई जा रही है इसमें एसडीआरएफ ५ बजे आई आज तीसरा दिन हो गया शव को बरामद नहीं किया गया है। प्रशासन की लापरवाही देखने के लिए मिल रही है एक नाव से खोज की जा रही है। इन्हें चार नाव गोताखोर लगाना था उसे हिंसक वन्य प्राणी भी क्षति पहुंचा सकते हैं प्रशासन में तत्परता नहीं दिख रही है। यह नदी का बहाव जिस ओर हैं वहां तीन थाने आते हैं जिनके मां बाप वारासिवनी में एसडीओपी एसडीएम है उन्हें टीम लगाकर काम करना था। किंतु प्रशासन में गंभीरता और तत्परता नहीं दिख रही है लापरवाही है अब हम देख रहे हैं कि आगे क्या होता है। हम तो यही चाहेंगे कि जल्द टीम बढाकर कार्यवाही करें।

यदि बालक सकुशल कहीं है या मौत हो गई है तो दोनों परिस्थिति में तलाश जारी है-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि ७ अक्टूबर को सूचना मिली थी अर्श नदीम खैरो उम्र ८ वर्ष चंदन नदी में नहाने गया था लापता है। तत्काल सूचना पर एसडीआरएफसे सर्च करवाया गया ४८ घंटे बीत चुके हैं अभी तक शव नहीं मिला है। आज हमने दो टीम रबर बोट के साथ लगाई थी फॉरेस्ट विभाग के साथ ड्रोन मॉनिटरिंग की थाना क्षेत्र के सभी ग्रामीण क्षेत्र में तलाश की गई है और वैनगंगा नदी के जंगलों के आसपास लगने वाले ग्रामीण क्षेत्र के थानों को भी संपर्क किया जा रहा है। मामले में तीन बच्चों की जानकारी लेकर प्रत्यक्षदर्शी महिला से भी पूछताछ की गई एसडीआरएफ आने में समय लगा बालाघाट से आती है। हमारा प्रयास है कि यदि बालक सकुशल कहीं है या उसकी मौत हो गई है तो दोनों परिस्थिति में उसकी तलाश कर उसे ढूंढना है हमारे तीनों थानों में सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

कोटवार संघ ने तहसीलदार से की भेंट : मांगों का निराकरण करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

तहसील कार्यालय स्थित सामुदायिक सभा कक्ष में कोटवार संघ की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रकाश वासनिक की अध्यक्षता में प्रारंभ की गई। जिसमें समस्त कोटवारों को अपने हक अधिकारों के लिए एकजुट होने की प्रेरणा देकर, आगामी समय में आवाज बुलंद करने, प्रदेश संगठन के द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी समय में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। साथ ही पूर्व सूचना के आधार पर तहसीलदार वंदना कुशराम सभा कक्ष में पहुंची जहां कोटवारों के द्वारा तहसीलदार से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्या से अवगत करवाया गया। वही संगठन एवं स्थानीय स्तर की विभिन्न मांगे उनके सामने रखी गई जिसको जल्द पूर्ण करने की बात कहते हुए व्यवस्था बनाने के लिए कहा गया। प्रकाश वासनिक ने बताया कि कोटवार संघ वारासिवनी की बैठक में तहसीलदार वंदना कुशराम ने आकर सभी कोटवार सदस्यों को अपने विचारों से अवगत कराया एवं राजस्व विभाग के मुख्य नियम गिनवाई ,कोटवार साथी अपनी मासिक बैठक में उपस्थित होकर अपनी भी बातें रखी गई।

अटल पेंशन योजना में पंजीयन के लिए लगाये जा रहे हैं शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

केंद्र सरकार द्वारा अटल पेंशन योजना में पंजीयन के लिए अभियान पुन: प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, महिला एवं बाल विकास विभाग के बाल विकास परियोजना अधिकारी, कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, पशुपालन विभाग के पशु चिकित्कों एवं श्रम विभाग के निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि वे अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक पात्र लोगों का पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। अटल पेंशन योजना के शिविरों में सभी जनपदों में महिला एवं बाल विकास, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी अभियान के क्लस्टर प्रभारी के रूप में लगाई गई है। सभी विभागों के विकासखंड स्तरीय कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि ड्यूटी आदेशानुसार हितग्राहियों की लिस्टिंग करते हुए उन्हें कैंप में उपस्थित करायें और अटल पेंशन योजना में पंजीयन उपरांत उनके द्वारा पंजीकृत कराए गए हितग्राहियों की नामजद लिस्ट जनपद पंचायत में जमा करायें।

संपादकीय

अभिव्यक्ति का दायरा और समाचार माध्यम !

समाचार चैनलों और सामाजिक सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर समाचार मंचों पर बेलगाम घृणा भाषणों के प्रसारण को लेकर आपत्ति जताई और उसके लिए एक नियामक तंत्र बनाने की जरूरत रेखांकित की है। उसने कहा है कि इसे लेकर केंद्र सरकार चुप क्यों है। पिछले दो सालों में यह तीसरी बार है जब सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में घृणा भाषण पर टिप्पणी की है। इसके अलावा भी बीच-बीच में वह सवाल उठाता रहा है। चैनलों और सामाजिक मंचों पर नफरत फैलाने वाली प्रस्तुतियों और पक्षपातपूर्ण समाचार परोसने की प्रवृत्ति पर नागरिक जमात लंबे समय से एतराज जताता रहा है। अब तो विपक्षी दल सार्वजनिक मंचों से सीधे सरकार की तरफ अंगुली उठा कर मीडिया के दुरुपयोग पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि अदालत की टिप्पणी पर एकाध बार सरकार का रुख कुछ सख्त जरूर दिखा, मगर इस प्रवृत्ति पर रोक लगती नहीं दिखती। कुछ महीने पहले सूचना प्रसारण मंत्रालय ने कुछ टीवी चैनलों को सख्त निर्देश जारी किया था कि वे समाचारों की प्रस्तुति में मर्यादा का खयाल रखें। पर उसका भी कोई असर नहीं हुआ। ताजा बयान के वक्त सर्वोच्च न्यायालय ने उदाहरण देते हुए कहा कि इंग्लैंड में एक चैनल पर भारी जुर्माना भी लगाया गया था। मगर हमारे यहां यह प्रणाली नहीं है।

> समाचार माध्यमों का मकसद निरपेक्ष और तटस्थ रह कर सूचनाएं परोसना है, न कि किसी दलगत भावना से काम करना। मगर वे इस तकाजे को भूल गए या जानबूझ कर भुला चुके हैं, तो इसकी वजहें भी छिपी नहीं हैं।

यह छिपी बात नहीं है कि किस तरह अधिकतर टीवी चैनल और डिजिटल समाचार चैनल एक खास मकसद से खबरों का चुनाव और उन पर बहसें आयोजित करते हैं। उन बहसों में आमंत्रित वक्ता या तथाकथित विशेषज्ञ भी चैनल वाले अपने मकसद के अनुरूप चुनते हैं। वे बहस के नाम पर समाज में नफरत फैलाने का काम करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी ताजा टिप्पणी में कहा है कि इससे राजनीतिक दल पूंजी बनाते और टीवी चैनल उनके लिए एक मंच का काम करते हैं। अदालत ने इसके लिए एक नियामक तंत्र बनाने पर जोर दिया है। मगर सरकार अगर ऐसा तंत्र बनाने की पहल करती है, तो उसका स्वरूप क्या होगा, देखने की बात होगी। मीडिया संस्थानों के प्रति सरकार की दृष्टि को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कुछ विपक्षी दल तो खुलेआम समाचार चैनलों के मालिकों और सरकार के बीच गठजोड़ का उल्लेख करते रहते हैं। टीवी चैनलों में बढ़ती इस प्रवृत्ति के मद्देनजर विधि आयोग ने भी घृणा भाषण (हेट स्पीच)के मामले को अपराध कानून के तहत लाने की सिफारिश की थी। मगर वह सिफारिश जस की तस पड़ी हुई है। ऐसे में सरकार सर्वोच्च न्यायालय के ताजा बयान को कितनी गंभीरता से लेगी, कहना मुश्किल है।

समाचार माध्यमों का मकसद निरपेक्ष और तटस्थ रह कर सूचनाएं परोसना है, न कि किसी दलगत भावना से काम करना। मगर वे इस तकाजे को भूल गए या जानबूझ कर भुला चुके हैं, तो इसकी वजहें भी छिपी नहीं हैं। सत्तारूढ़ दल, जिसके पास कानूनों को पालन कराने का दायित्व है, उसी के नेता सार्वजनिक मंचों से नफरत फैलाने वाले बयान देने से नहीं हिचकते। फिर उनके खिलाफ न तो वह दल कोई कड़ी कार्रवाई करता देखा जाता है और न कोई कानूनी कार्रवाई होती है। इस तरह जब टीवी चैनलों पर उन्हीं विषयों को लेकर बहसें कराई जाती हैं, तो वे एक तरह से उस घृणा भाषण को उचित ठहरा रही होती हैं। समाचार माध्यम अभी तक स्वनियमन के तहत काम करते रहे हैं, अब अगर उन पर शिकंजा कसने के लिए किसी तंत्र की जरूरत रेखांकित की जा रही है, तो उन्हें सोचने की जरूरत है कि आखिर वे इस तरह एक तरफ़ा झुकाव रख कर और प्रायोजित रूप में कितने दिन तक पत्रकारिता करते रहेंगे। यह समाचार माध्यमों के लिए भी सोचने का विषय है।

शहरों में समस्या अतिक्रमण की !

कुछ दिन पहले इसी समाचार पत्र में प्रकाशित एक समाचार उद्धृत कर रहा हूं- राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि प्रदेश स्तर पर सड़कों और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाना चाहिए. वहां यदि अतिक्रमण को संरक्षण देने में किसी अफसर या पुलिस अधिकारी की भूमिका सामने आती है तो उस पर भी उचित कार्रवाई की जा सकती है. अदालत ने कहा कि अतिक्रमण करने वालों के प्रति किसी तरह की सहानुभूति नहीं दिखाई जा सकती. अदालत ने यूडीएच के अतिरिक्त मुख्य सचिव को कहा है कि वे अतिक्रमण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए निर्देश को ध्यान में रखते हुए शहरों और कस्बों के नगर निगमों व नगर परिषदों को अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देश ज़ारी करें. जस्टिस एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश विनोद कुमार बोयल की जनहित याचिका को पुनर्जीवित करते हुए दिया।

यह समाचार पढ़कर मुझे बहुत अच्छा लगा. माननीय उच्च न्यायालय ने, भले ही एक सजग नागरिक की गुहार सुनते हुए, हमारी परवाह की. हो सकता है गांवों में और छोटे कस्बों में हालत उतनी ख़राब न हो, छोटे और बड़े शहरों में हालत कितनी विकट है यह आपको घर से बाहर निकलते ही पता चल जाता है. अच्छी खासी चौड़ी सड़कें अतिक्रमण की वजह से सिकुड़ कर बहुत संकड़ी हो गई हैं. दुकानदार पैदल चलने वाली जगह को अपने माल के प्रदर्शन का ठिकाना बना कर उस पर लगभग स्थायी अधिकार जमा लेते हैं. लगभग हर दुकानदार एक बड़ा-सा बोर्ड सड़क पर अलग से टिका देता है. इससे आवागमन बाधित होता हो तो हो. गर्मियों में वहां कूलर सजे नज़र आते हैं तो त्योहारों पर कभी राखियां तो कभी गुलाल तो कभी मिठाई सजी मिलती है. इसके बाद, या पहले अगर कोई जगह बची होती है तो दुकानदारों के वाहन उस पर कब्ज़ा जमा लेते हैं और अगर फिर भी किस्मत से जगह बच जाए तो ऑटो वाले, ई रिक्शा वाले वहां काबिज़ हो जाते हैं. अगर ये सब उस जगह पर कृपा न करें तो कोई उद्यमी वहां 'पेड पार्किंग' का बोर्ड लगाकर जन सेवा करने लग जाता है! यह पता लगाना प्राय- असंभव ही होता है कि वह पेड पार्किंग अधिकृत है या अनधिकृत. अधिकारियों को पड़ताल करने की फुर्सत नहीं और नागरिक निहायत ही बेचारा. वह किस-किस से पंगा मोल ले।

कभी-कभार अगर सरकार बहादुर की नींद खुलती है तो वह शहर में जगह-जगह 'नो वेंडिंग ज़ोन' के बोर्ड लगा देती है. इतना करने के बाद उसका दायित्व पूरा हो जाता है. उस बोर्ड की अनुपालना हो रही है या नहीं, यह देखना शायद उसका काम है ही नहीं. अलबत्ता इस तरह के बोर्ड चालान करने वालों या वसूली करने वालों के लिए ज़रूर %लाभप्रद% साबित होते हैं. वैसे जो 'नो वेंडिंग ज़ोन' के बोर्ड लगाते हैं, उन्हें इस बात की ज़रूरत शायद ही कभी महसूस होती हो कि कहीं वेंडिंग ज़ोन का बोर्ड भी लगा दिया जाए. जिन्हें छोटा-मोटा सामान या फल सब्ज़ी बेच कर अपना व परिवार का भरण पोषण करना होता है वे किसी सरकार की चिंता के दायरे में नहीं आते हैं. हड़काये जाना, अपमानित होना और समय-समय पर रिश्वत देना जैसे उनकी नियति है. और केवल वे ही क्यों निम्न वर्गीय और मध्यम वर्गीय नागरिक भी जो इनसे सामान खरीदकर अपनी ज़रूरतें पूरी करता है उसकी सुविधा की भी शायद ही किसी को परवाह हो. आखिर बड़ी-बड़ी चमचमाती मॉल्स और भव्य डिपार्टमेण्ट्ल स्टोर्स खुले हुए तो हैं! अगर आपकी हैसियत उनमें जाने की नहीं है तो यह आपकी प्रॉब्लम है. यही बात पार्किंग के लिए भी है. आप नौ पार्किंग का बोर्ड तो लगा देते हैं लेकिन कभी यह भी सोचते हैं कि आखिर कोई पार्किंग करे तो कहां करे?

सड़कों से बेहतर स्थिति रिहायशी इलाकों और कॉलोनियों की नहीं है. जो गलियां एक मंज़िला मकानों के लिए बनी थीं वहां अब तीन मंज़िला मकान उग आए हैं. हर मकान में रहने वाले के पास अपने दोपहिया या चौपहिया (या दोनों किस्म के) वाहन हैं, जिन्हें घर के भीतर नहीं रखा जा सकता. वे वाहन गलियों में ही खड़े किए जाते हैं. अगर कोई अपना वाहन अपने घर की परिधि में भी खड़ा करना चाहता है तो क्योंकि घर में उतने बड़े वाहन के लिए जगह नहीं होती है, वह अपनी फाटक को थोड़ा बाहर तक ले आता है, जो निश्चय ही अतिक्रमण होता है. फिर लोग पौधे लगाने के नाम पर सड़क का कुछ हिस्सा घेर लेते हैं. अगर किसी के घर कोई छोटा-सा भी आयोजन हो तो कुछ वाहन आकर गली को लगभग अवरुद्ध कर देते हैं. खुशी और ग़म के मौके या धार्मिक आयोजन हमें खुली छूट देते हैं कि कनात वगैरह लगाकर लोगों का आवागमन अवरुद्ध कर दें. इधर एक नई व्यवस्था और चल निकली है. जो गलियां निर्बाध यातायात के लिए बनी थीं, उन पर विधायक जी की कृपा से गेट लगा दिए गए ताकि कॉलोनी वासियों की सुरक्षा हो. अब ख़ास तौर पर कोरोना काल के बाद बहुत सारे ऐसे गेट स्थायी रूप से बंद रहने लगे हैं. एकाध बार इस आशय के आदेश भी हुए कि गेट स्थायी रूप से बंद न किए जाएं, लेकिन आदेश हो गए, दायित्व पूरा हुआ. गेट अब भी बंद ही हैं. आने जाने वालों को असुविधा हो तो हो।

बालाघाट समेत सभी शहरों में फुटपाथ लगभग अदृश्य हैं. कहा गया कि फुटपाथ के लिए अलग से बजट ही नहीं है. ऐसे में सड़क से नागरिक को, पैदल चलने वाले नागरिक को तो जैसे बेदखल ही कर दिया गया है. न केवल पैदल चलने वाले नागरिक को, साइकिल चलाने वाले को और काफी हद तक दो पहिया वाहन चलाने वाले को भी यह अधिकार नहीं रह गया कि वह उस सड़क का उपयोग करे जिसके लिए वह भी टैक्स चुकाता है. सड़क केवल चौपहिया वाहन चलाने वालों के लिए है, और उनको भी घण्टों जाम से जूझना पड़ता है. वजह वही, अतिक्रमण. अगर अतिक्रमण न हो और लोगों में वाहन चलाने की तमीज़ हो तो बहुत सारी समस्याएं कम हो सकती हैं।

निश्चय ही सारा दोष सरकार का नहीं है. अपनी दुरवस्था के लिए असल में तो हम नागरिक ही ज़िम्मेदार हैं. अतिक्रमण हम ही करते हैं, यातायात को अव्यवस्थित हम ही करते हैं, कॉलोनी के गेटों पर ताले लगाने की मांग हम ही करते हैं, अपने घरों के फाटक हम ही आगे निकालते हैं और हम ही हैं जो पौधे लगाने के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति पर निजी नियंत्रण कर लेते हैं. हम इस बात को स्वीकार कर लें कि हममें नागरिक बोध का घोर अभाव है. हमारी सारी अपेक्षाएं दूसरों से होती हैं. लेकिन यह भी स्वीकार करें कि अंतत- यह हम सब का मानवीय स्वभाव है. और इसी स्वभाव को नियंत्रित रखने के लिए समझाइश की, दण्ड की, पुलिस की, न्याय व्यवस्था की ज़रूरत पड़ती है. सरकार हमसे पैसे लेती है और ये सारी व्यवस्थाएं करती है. अगर एक आदर्श स्थिति हो, सब अपनी-अपनी मर्यादा में रहें, सब नियमों का शब्दश- पालन करें तो फिर किसी पुलिस तंत्र की, किसी न्याय व्यवस्था की कोई ज़रूरत ही नहीं रह जाएगी. लेकिन ऐसा आदर्श समाज केवल कल्पना में ही हो सकता है. मनुष्य है तो उसमें विचलन भी होगा, अनुचित लाभ उठाने का लालच भी होगा, कानून के रखवालों की नज़र बचाकर कुछ ग़लत कर लेने का प्रयास भी होगा. ऐसे में देखने की बात यह है कि जनता पर भारी कर का बोझ लाद कर जो व्यवस्था बनाई गई है वह अपना काम किस मुस्तैदी से कर रही है. कर भी रही है या नहीं कर रही है।

मुझे यह कहने की अनुमति दें कि इस प्रश्न का उत्तर सकारात्मक नहीं है. हमारे पास लम्बा-चौड़ा अमला है जिसका काम अतिक्रमण को रोकना है. लेकिन उसे उस समय तक कोई अतिक्रमण कहीं नज़र नहीं आता जब तक कि कोई उच्च न्यायालय उसकी आंख में उंगली डालकर दिखा न दे. तब वह चौंक कर उठता है, कहता है, 'अच्छा! ऐसा हो गया!' इसके बाद थोड़ी बहुत हरकत करता है और फिर विश्राम की स्थायी अवस्था में जा पहुंचता है. जो लोग अतिक्रमण को रोकने के लिए ज़िम्मेदार हैं क्या उन को अपने काम में कोताही बरतने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए? क्या उन्हें इस बात के लिए पाबंद नहीं किया जाना चाहिए कि वे भविष्य में कोई अतिक्रमण होने ही न दें. और जो अतिक्रमण कर रहे हैं उन्हें तो दंडित किया ही जाना चाहिए. जब सारी दुनिया में इतना सारा तकनीकी विकास हो गया है तब क्या हम ऐसी व्यवस्था नहीं बना सकते कि आम नागरिक भी सही जगह अतिक्रमण की शिकायत कर सके और उसकी शिकायत पर तुरंत यथोचित कार्रवाई हो जाए. क्या हम ऐसा कुछ नहीं कर सकते कि हर नागरिक को उसका हर अधिकार सुगमता से मिले. क्या मुझे सड़क पर चलने का अधिकार भी भीख की तरह मांगना होगा? फिर तो किसी भी सरकार का, किसी भी व्यवस्था का अर्थ ही क्या है?

बेहद ज़रूरी है! इस मुद्दे पर आप भी सोचें।

- डेस्क

यात्रीगण कृपया ध्यान दें !

भारत में यात्रा का सबसे सरल साधन ख़तरनाक जोखिम की राह पर रेलयात्रा !

देश के अनेक हिस्सों में तीसरी रेल लाइन डालने से रेलगाड़ियों के समय में सुधार अवश्य हुआ है, लेकिन गाड़ियों के निर्धारित प्लेटफार्म पर आने की अनिश्चितता बढ़ी है। ऐन वक्त पर प्लेटफार्म बदल देने से बुजुर्ग और बीमार यात्रियों की मुसीबत बढ़ जाती है।

हाल ही में तेलंगाना में चलती रेलगाड़ी के शौचालय में एक नाबालिग से बलात्कार हुआ। पिछले महीने 24 मार्च को सिकंदराबाद के पास महिला यात्री बलात्कार से बचने के लिए चलती गाड़ी से कूद गई। पंद्रह मार्च को विदिशा के पास गोंडवाना एक्सप्रेस के सामान्य कोच में किन्नर गिरोह ने कथित रूप से पीट-पीट कर एक यात्री को मार डाला। दिसंबर 2023 में कटनी सतना स्टेशन के बीच चलती यात्री गाड़ी में महिला से बलात्कार की घटना हुई। कुंभ यात्रा के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चौदह यात्रियों की मौत हुई। इसके पूर्व जलगांव रेलवे स्टेशन के पास पुष्पक एक्सप्रेस में अफवाह फैलने से बड़ा हादसा हो गया। इन सभी घटनाओं से यात्री सुरक्षा और सतर्कता को लेकर भारतीय रेल कठघरे में है। दुखद है कि रेल प्रबंधन ने कभी भी हादसों से सबक लेकर उसमें सुधार के प्रयास नहीं किए।

पिछले वर्ष नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर छठ पर्व के दौरान प्लेटफार्म पर हुई भगदड़ में पांच महिला यात्रियों की मौत हुई थी। वर्ष 2010 में भी नई दिल्ली स्टेशन पर अचानक प्लेटफार्म बदलने से हुई भगदड़ में दो यात्रियों की मौत हुई थी। घटना की जांच के लिए रेलवे ने अलग से जांच समिति बनाई थी, लेकिन वास्तविक कारण बताए बगैर मंत्रालय ने जांच रपट दे दी। फरवरी 2013 में इलाहाबाद स्टेशन पर कुंभ के दौरान भगदड़ में छत्तीस यात्रियों की मौत हुई थी। यह इस बात का प्रमाण है कि घटना के समय बनने याली जांच समितियां मात्र कागजी हुआ करती हैं। रेल मंत्रालय भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने का प्रभावी बंदोबस्त करता नजर नहीं आता है। गाड़ी आने के कुछ समय पहले प्लेटफार्म बदलने की उद्घोषणा से पिछले एक दशक में कई लोगों की मौत हो चुकी है, लेकिन इस दिशा में कोई सुधार नजर नहीं आता है।

देश के अनेक हिस्सों में तीसरी रेल लाइन डालने से रेलगाड़ियों के समय में सुधार अवश्य हुआ है, लेकिन यात्री गाड़ियों के निर्धारित प्लेटफार्म पर आने की अनिश्चितत्ता बढ़ी है। ऐन वक्त पर प्लेटफार्म बदल दिए जाने से बुजुर्ग और बीमार यात्रियों की मुसीबत बढ़ जाती है। आरक्षित डिब्बों में अतिरिक्त यात्रियों की उपस्थिति और अवैध विक्रेताओं को रोकने में रेलवे प्रभावी कार्रवाई करने में हमेशा विफल दिखाई देता है। इस वजह से अपराध की घटनाएं भी होती हैं। यात्रियों की शिकायतों पर रेल मंत्रालय कार्रवाई करने के बजाय कुछ और ही योजनाओं में जुटा है। हैरत है कि रेलवे सुरक्षा बल में भर्ती नहीं हो रही। दूसरी ओर, प्रतिवर्ष कर्मी घट रहे हैं। देश भर में तय पदों की तुलना में रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी पुलिस में संख्या काफी कम है।

कई वर्ष पहले रेलवे ने यात्री किराए बढ़ाते समय प्रत्येक गाड़ी में सुरक्षा बल की तैनाती का आश्वासन दिया था। मगर सुरक्षा बलों की रेलगाड़ियों में तैनाती को नजरअंदाज कर दिया गया। यात्री गाड़ियों में अवैध विक्रेता और स्टेशनों पर भोजन देने वाले अनधिकृत विक्रेता सुरक्षा और यात्रियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं, लेकिन इसे रोकने के लिए रेल विभाग सजग नजर नहीं आता है। विश्व में चौथे क्रम का बड़ा रेल नेटवर्क होने के बावजूद यात्री सुरक्षा और सुविधा विस्तार को अधिक प्राथमिकता देने के बजाय रेल मंत्रालय सजावटी रूप देतीं है.

सामान्य श्रेणी की बोगियों की संख्या कम होने के कारण कई यात्री दरवाजे पर खड़े होकर या पायदान पर बैठ कर यात्रा करने की कोशिश करते हैं। इस अव्यवस्था में रेलगाड़ियों से गिर कर यात्रियों की मौत हो जाती है। वर्ष 2022 की महालेखा परीक्षा रपट में रेल दुघर्टनाओं के मुख्य कारणों में पटरियों के रखरखाव में गुणवता की कमी को रेखांकित किया गया था। कर्मचारियों की लगातार कमी, नए पदों पर योग्य स्थायी कर्मचारियों की भर्ती के बजाय, कार्यों को ठेके पर देने से गुणवता में कमी और लापरवाही बढ़ी है।

अब सुरक्षा उपाय पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। बुलेट ट्रेन, तेजस, वंदे भारत जैसी रेलगाड़ियां प्राथमिकता में हैं। बड़ी आबादी के काम आने वाले सामान्य

यात्री कोच और गाड़ियों पर मंत्रालय की प्राथमिकता उपेक्षित ही रही है। देश में प्रतिदिन रेलगाड़ियों से ढाई करोड़ यात्री अपने गंतव्य की यात्रा शिकायतों के साथ करते हैं। उसमें मध्यम आयवर्ग के यात्रियों की संख्या सर्वाधिक हुआ करती है।

इन दिनों सामान्य शयनयान आरक्षित कोच और सामान्य श्रेणी की बोगियों की संख्या कम कर इसके स्थान पर वातानुकूलित यान की संख्या बढ़ाई जा रही है। जिसका उद्देश्य अधिक आय अर्जित करना है। सामान्य श्रेणी की बोगियों की संख्या कम होने के कारण कई यात्री दरवाजे पर खड़े होकर या पायदान पर बैठ कर यात्रा करने की कोशिश करते हैं। इस अव्यवस्था में रेलगाड़ियों से गिर कर यात्रियों की मौत हो जाती है। वर्ष 2022 की महालेखा परीक्षा रपट में रेल दुघर्टनाओं के मुख्य कारणों में पटरियों के रखरखाव में गुणवत्ता की कमी को रेखांकित किया गया था। कर्मचारियों की लगातार कमी, नए पदों पर योग्य स्थायी कर्मचारियों की भर्ती के बजाय, कार्यों को ठेके पर देने से गुणवत्ता में कमी और लापरवाही भी बढ़ी है। यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद सुरक्षा बल की भर्ती में निरंतर कटौती की जा रही है। जून 2023 में ओड़ीशा के बालासोर में रेलगाड़ियों की टक्कर में 296 पात्रियों की मौत के बाद रेल मंत्रालय ने स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली की मंजूरी दी थी। यह प्रणाली घने कोहरे से होने वाली दुर्घटनाओं और आग रोकने में मदद करती है। मगर इसके क्रियान्वयन में सुरती बनी हुई है। मिसाल के लिए पश्चिम एवं मध्य रेलवे के लिए चौदह हजार करोड़ का बजट और सुरक्षा कवच मंजूर होने बाद अब भी कार्य की गति बहुत धीमी है।

रेल सुरक्षा एवं यात्री सुविधा की गुणवत्ता और रखरखाव के लिए तीन लाख कर्मचारियों के पद वर्षों से खाली हैं। यात्री गाड़ियों में सामान्य योगियों की संख्या रेलवे ने कम जरूर की है, लेकिन इसके अनुपात में यात्री टिकट बेचना कम नहीं किया है। जिससे सामान्य कोच में यात्री कोच क्षमता से कई गुना अधिक संख्या में प्रतिदिन विषम हालात में सफर करने के लिए मजबूर होते हैं। इस प्रकार की यात्रा से दम घुटने, हृदयाघात सहित प्यास से मौत की घटनाएं हो चुकी हैं। हाल में दिल्ली उच्च न्यायालय ने क्षमता से अधिक टिकट बेचने पर रेलवे से जवाब मांगा है। सामान्य शयनयान और वातानुकूलित यानों में अनधिकृत और प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को रोकने रेलवे प्रभावी कदम उठाने में निष्क्रिय रहा है।

अतिरिक्त कमाई में वृद्धि के लिए उसने सरते वातानुकूलित यान की %एम% श्रृंखला प्रणाली प्रारंभ की है। तृतीय वातानुकूलित की तुलना में किराए में मामूली कमी कर इसमें अठारह यात्री सीटें बढ़ाई गई हैं। इस कोच में यात्री वर्थ के आकार में कमी की गई है। इससे बुजुर्ग और बीमार यात्रियों के लिए लंबी दूरी की यात्रा न केवल कष्टप्रद, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से यह सजा से कम नहीं है। वर्ष 2023-24 में यात्री और मालभाड़े से 2.40 लाख करोड़ कमाने वाला रेल विभाग सामान्य रेल सुरक्षा और यात्री सुविधा को अधिक जिम्मेदार बनाने के बजाय उसका ध्यान बुलेट और वंदे भारत जैसी उच्च गति की ट्रेनों के परिचालन में अधिक है। लेकिन रेल सुरक्षा और भीड़ के हिसाब यात्री गाड़ियों की व्यवस्था करने में सुस्ती चिंता का विषय है।

-विनोद के शाह

करवाचौथ का पावन पर्व

करवाचौथ का पावन पर्व एक अप्रतिम, अद्वितीय रिश्ते की सुंदरता का स्मरण कराता है, जिसमें एक-दूसरे को समझने से लेकर एक-दूसरे को अपनाने तक का भाव निहित होता है। कैसे किसी के प्रेम को सर्वस्व मानकर सहर्ष सुख-दुःख का अनुभव किया जाता है। किस प्रकार एक व्यक्ति में पूरी दुनिया की खुशियाँ सिमट जाती है। अविश्वास से भरी दुनिया में ऐसे विश्वास से भरे जीवन साथी का मिलना एक परम सौभाग्य की निशानी है। ऐसा हमसफर जो आपके भावों के अनकहे स्वर को समझकर अभिव्यक्ति देता है, जो डगमगाते कदमों को थामकर उसमें नवीन ऊर्जा संचारित करके फिर से जीवन का पथ प्रदर्शन करता है। अनुकूल जीवन साथी मिलना तो मनुष्य जीवन में प्रेम की यात्रा को सरलता एवं पूर्णता से पूर्ण कराने की ओर अग्रसर होता है। प्रेम की अभिव्यक्ति तो अत्यंत सरल है, परंतु प्रेम के प्रति समर्पण अत्यंत कठिन है। गृहस्थी की यात्रा में जीवन की असली रौनक धन एवं बाहरी संसाधनों पर निर्भर नहीं बल्कि निश्छल प्रेम में प्रतीत होती है।

निशाकर का इंतज़ार, तेरे प्रति मेरा प्यार।
परिणीता का श्रृंगार, तेरे प्रति मेरा प्यार।
व्योम का निहार, तेरे प्रति मेरा प्यार।
कुमुदकला का निखार, तेरे प्रति मेरा प्यार।

ईश्वरीय लीला में प्रेम के प्रति समर्पण शिव और सती के चरित्र में दृष्टिगोचर होता है। शिव सती के प्रति समर्पित थे और सती शिव के प्रति। शिव के निरादर के कारण सती ने आत्मदाह कर लिया और सती के कारण शिव उनके शव को लेकर व्याकुल होकर यत्र-तत्र विचरण करने लगे। ऐसा ही अनूठा प्रेम हमें श्री राम एवं सीता के चरित्र में दिखता है। जिन सीता माता ने भगवान श्री राम को स्वर्ण मृग पर मोहित होकर लाने की इच्छा प्रकट की उन्हीं माता ने स्वर्ण लंका को तुच्छ मानकर उसका तिरस्कार किया। प्रभु श्री राम जानते थे कि स्वर्ण का कोई मृग नहीं होता परंतु अपनी अर्धांगिनी की इच्छा पूर्ति के लिए वे वन की ओर गए। जब प्रभु श्री राम और माता सीता वनवास का समय व्यतीत कर रहे थे तो उस परिस्थिति में भी श्री राम, माता सीता को पुष्पों की श्रृंगार सामाग्री भेंट किया करते थे। कृष्ण, राधा के प्रेम में राधा ने सदैव कृष्ण से निःस्वार्थ प्रेम किया। राधा ने कभी द्वारिकाधीश राजा से प्रेम नहीं किया बल्कि उस कृष्ण कन्हैया से प्रेम किया जो गौ चराया करता था। जो माखन चोर था। जो गोपियो के साथ रास रचाता था और जो मुरली मनोहर था। राधा, कृष्ण के प्रति समर्पित थी और इस समर्पण में सदैव कृष्ण की प्रसन्नता ही प्रमुख थी और कृष्ण भी सदैव राधा के नाम के स्मरण से प्रफुल्लित होते है, इसलिए उन्होंने अपनी आराधना और जीवन में राधा को सर्वोच्च स्थान दिया।

प्रभा का आधार, तेरे प्रति मेरा प्यार।
दीर्घायु कीचाह, तेरे प्रति मेरा प्यार।
सुहृद का स्वरुप, तेरे प्रति मेरा प्यार।
क्षुधा की पुकार, तेरे प्रति मेरा प्यार।

अखंड सौभाग्य के प्रतीक इस त्यौहार में नारी के मस्तक पर शोभित बिंदी मुखमंडल की शोभा बढ़ाती है। जुड़ा, गजरा, चूड़ी सभी अलंकार से वह अपने आप को सुशोभित करती है। सोलह श्रृंगार से उत्साह और उमंग के नवीन पुष्प हृदय में पल्लवित होते है। श्रृंगार की मनमोहिनी छवि से वह अपने आप को संवारती है।

-डॉ. रीना मालपानी

सरलता की जटिलता का प्रश्न

दार्शनिक और धार्मिक परंपराओं के इतिहास में एक स्थायी विरोधाभास बार-बार मुखर हुआ है। एक ओर वह मूल, सरल और सर्वसुलभ साधना, जो सहज नियमों, संयम और स्वाध्याय पर आधारित है। तो दूसरी ओर वे मार्ग, जो अपने को 'विशेष' और 'गुह्य' कहकर प्रस्तुत करते हैं और जिनका आकर्षण उनकी जटिलता, नाटकीयता तथा वर्जना-भंग में निहित होता है। इस संबंध में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के एक विचार पर गौर किया जा सकता है, जिसमें वे कहते हैं- %कैसा ही शुद्ध और सात्विक धर्म हो, 'गुहा' और 'रहस्य' के प्रवेश से वह विकृत और पाखंडपूर्ण हो जाता है'। इसी सिरे से क्रिया-प्रतिक्रिया के सिद्धांत को केंद्र में रख कर एक बड़े फलक पर भी विचार की संभावना बनती है।

इसे इस तरह से समझा जा सकता है कि एक व्यक्ति शिखर को लक्ष्य करके पहाड़ की ओर जाती पगडंडी पकड़े चला जा रहा था, मगर उसे मार्ग नहीं पता था। थोड़ी देर चलकर उसे एक और व्यक्ति मिला, उसे भी रास्ता नहीं पता था। दोनों साथ चलने लगे। वे दोनों एक-दूसरे को नहीं जानते थे, पर उनका लक्ष्य एक था। फिर उन दो लोगों को एक और व्यक्ति मिला, जिससे रास्ता पूछने पर उसने उसी ऊसर वाले रास्ते पर सीधा चलते जाने को कहा। वे दोनों फिर चलने लगे। एक आदमी रेशम के कपड़े पहने चला आ रहा था। उन्हें देखकर उसके भीतर कुछ जिज्ञासा हुई और तत्काल वह जिज्ञासा मुंह पर आ गई। उसने उनसे मंजिल पूछी। जानने पर उसने उन्हें उल्टी दिशा की ओर जाती पगडंडी दिखाई, पगडंडी से लगती बस्ती-बाजार का फायदा गिनाया, फिर आती गाड़ी में बैठ कर चला गया। वे दो लोग उसी पगडंडी की ओर निकल पड़े। हाट की तस्वीर से एक को समोसों की और दूजे को जलेबी की याद आ गई। साथ में दोनों को चाय की तलब हुई। चाय की दुकान पर गजलें बजाते रेडियो से चाय का पूरा पैसा वसूल हो गया। और सफर यहीं पूरा हो गया।

संदेश स्पष्ट है कि शरीर और मन का संतुलन, आहार विहार की मर्यादा, कर्म का अनुशासन आदि। यही योग की आधारभूमि आधारभूमि है। यह सरल प्रतीत होता है, पर यही कठिन है, क्योंकि इसमें कोई बाहरी चमत्कार नहीं, कोई रहस्यमयी अनुष्ठान नहीं, कोई मंचित विस्मय नहीं। मगर जनमानस का मन विचित्र है। वह अक्सर उस ओर आकृष्ट होता है, जो असामान्य हो, जो मंच पर खेल-सा प्रतीत हो, जहां प्रतीक, गूढ़ भाषा और इंद्रिय उत्तेजक प्रयोग किसी 'उच्चतर अनुभूति' का आभास दे। ऐसे मार्ग, जो आरंभ में आत्म के विस्तार का वचन देते हैं,

वास्तविक साथना में कोई प्रवेश शुल्क नहीं, न उसे हर बार केवल कोई दूरस्थ स्थान या कोई विशिष्ट स्वीकृति चाहिए। वह तो हमारे घर के एकांत में, हमारे भीतर के मौन में, श्वास की लय और आचरण की मर्यादा में निहित है। मगर शायद इसी कारण वह भीड़ की आंखों में फीकी पड़ अक्सर अंत में आत्म की विस्मृति की ओर ले जाते हैं। इतिहास के अनेक उदाहरण इस सत्य के प्रमाण हैं, जहां आरंभिक करुणा और तप की धारा बाद में रस, राग और रहस्य के चक्रव्यूह में उलझकर अपना मूल स्वर खो बैठी।

वास्तविक साधना में कोई प्रवेश शुल्क नहीं, न उसे हर बार केवल कोई दूरस्थ स्थान या कोई विशिष्ट स्वीकृति चाहिए। वह तो हमारे घर के एकांत में, हमारे भीतर के मौन में, श्वास की लय और आचरण की मर्यादा में निहित है। मगर शायद इसी कारण वह भीड़ की आंखों में फीकी पड़ जाती है।

-खुशी श्रीवास्तव

इंदौर बाजार भाव

इंदौर।एजेंसी। त्यौहारी माँग के मद्देनजर गुरूवार को खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना टिका रहा। उड़द व मूंग में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर सुर्खी पर रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में त्यौहारी माँग के चलते भावों में तेजी का क्रम बना रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा बाजार बढ़त पर रहे। दलहनों में चना 5950-6000 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया। तुअर, उड़द व मूंग में टिकाव रहा। उधर, किराना बाजार में शक्कर सुर्खी पर रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4250-4320, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 870-890, काजू एस. डब्ल्यू 840-845, काजू एस.एस. डब्ल्यू 820-825, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1330-1350, मुम्बई 1360, राजकोट तेलिया 2090-2100, सोया साल्वेंट 1180-1190, सोया रिफाइंड 1245-1250, कपास्या 1250-1255, धूलिया 1260, कड़ी 1260,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1315-1320, मुम्बई पाम 1270, मुम्बई सोया 1275,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6900-7000, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4300, नया सोयाबीन 3700-4000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5200-5500, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। कीमती धातुओं में तेजी का क्रम गुरूवार को भी जारी रहा। स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 156800, चाँदी (99) 156700, टंच 155800, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 127000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ ही 88.80 पर बंद हुआ। रुपया सुबह शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए तीन पैसे टूटकर 88.78 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझानों से निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.76 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 88.78 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 88.75 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.72 पर आ गया।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा। आपके काम में यदि कुछ व्यवधान आ रहे थे, तो वह भी दूर होंगे। आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आपके घर पूजा-पाठ का आयोजन होने से परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपको शीघ्रता और भावुकता में कोई भी निर्णय लेने से बचना होगा। आपकी कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। यदि आपका कोई काम अधूरा पड़ा था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपके कार्यक्षेत्र में कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आप अपनी कला से लोगों को हैरान करेंगे। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। दोस्तों के साथ आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपके अपने बॉस से रिश्ते भी बेहतर रहेंगे, जो आपको खुशी देंगे और आपको किसी सरप्राइज पार्टी के मिलने की संभावना है। आप किसी बात को लेकर अपने पिताजी से सलाह-मशवरा करेंगे, तभी वह मुद्दा सुलझेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को उनकी मेहनत से अच्छा मुकाम हासिल होगा। आपके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। आपको किसी काम को लेकर जल्दबाजी नहीं दिखानी है। संतान आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकती है। आपकी पद-प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपकी खटपट हो सकती है, इसलिए आप कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलें। आपके मित्रों की संख्या में भी इजाफा होगा और आपको बिजनेस में कोई शुभ सूचना सुनने को मिलेगी। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने आसपास रह रहे अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दों को आप मिल बैठकर निपटाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। सामाजिक कामों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आपको परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर टेंशन रहेगी और भागदौड़ भी अधिक होगी। आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है।

तुला- आज आपके कारोबार में इनकम बढ़ने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपका बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा, जो आपको खुशी देगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयास बेहतर रहेंगे। आप शीघ्रता और भावुकता में कोई निर्णय न लें। आपको कुछ मनचाहे खर्च भी करने पड़ सकते हैं। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं।

वृश्चिक- आज आप अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करेंगे। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो हो गई थी, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आगे आएंगे। आपको बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध करने से बचना होगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे और उन्हें किसी खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिता में भी भाग लेने का मौका मिलेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में किसी काम को करने के लिए रहेगा। आप कोई जोखिम लेने से बचें। आपको काम को लेकर कुछ चुनौतियां घेरे हुए थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखना होगा। आपको बाहर की चीजों को खाने-पीने से सावधानी बरतनी होगी। परिवार में छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

मकर- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आप रोमांटिक मूड में रहेंगे और लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। आपको कोई सम्मान-सम्मान प्राप्त हो सकते हैं। आप अपने किसी बिजनेस से संबंधित काम को लेकर कहीं बाहर भी जा सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई-लिखाई में पूरी मेहनत से जुटेंगे, तभी उन्हें परीक्षा में सफलता हासिल होगी। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा।

कुंभ- आज का दिन रोजगार की तलाश में लोगों के लिए बढिया रहने वाला है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी आप पूरा करने के पूरे कोशिश करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको कोई जिम्मेदारी मिलने से घबराने की आवश्यकता नहीं है।

मीन- आज आपको जीवनसाथी से अपने रिश्तों को बेहतर बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। यदि कोई समस्या हो, तो उसे मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। आप किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अपने भाइयों से सलाह मशवरा कर सकते हैं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जो आपको कुछ समस्याएं लेकर आ सकती हैं।

शब्दजाल - 8045

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रु
इं	ट	स्ती	न	शा	वा	न्सा	क	ले	ज	की
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त
ब	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	प	ब्दा	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न

शब्दजाल में लारा दत्ता की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

भागमभाग, जुर्म, मस्ती, अंदाज, दोस्ती, आन, इन्सान, खाकी, मुंबई से आया मेरा दोस्त, जिन्दा.

शब्दजाल - 8044 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	ब	न	र	क
र	बा	बु	ल	आ	वा	जी	द	इ	ल	ल
म	व	दे	पू	ह	जी	स्म	न	का	क	हो
म	ची	न	श	ट	ज	प	म	पा	त	न
सा	त	ई	पा	में	व	खें	न	भा	र्क	का
ला	मे	म	सु	प	गं	र	न	ई	र	बु
श	जं	र्म	मे	ता	क	सा	या	न	ज	ल
क	क	ग	ए	सं	ज	प	र	ली	न	ए
ब्रे	बो	र्न	य	त	चि	क	री	जि	प	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	य	ब्दा	ता	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6989

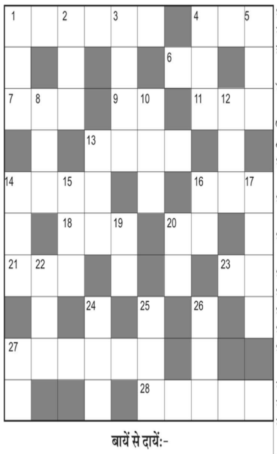

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6988

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.30 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	08.45 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.01 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.53 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.26 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.56 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.36 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.34 बजे से
		कर्क	23.48 बजे से
		सिंह	02.04 बजे से
		कन्या	04.16 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 283 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 19.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 17.32 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 17.42 बजे को समाप्त। **करण** बव 09.15 बजे तदनन्तर बालव 19.39 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 39' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872493 **जूलियन दिन** 2460958.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 17 **विशेष** करवा चौथ, संकष्टी चतुर्थी, मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सबसे बड़ी कला

बहुत पुरानी कथा है। किसी गांव में एक बड़ा ही होशियार लड़का रहता था। वह नई-नई चीजें सीखने में लगा रहता था। उसने एक तीर बनाने वाले से तीर बनाना सीखा, नाव बनाने वाले से नाव बनाने की कला सीखी। मूर्तिकार से मूर्तिकला की जानकारी हासिल की। इस तरह धीरे-धीरे वह एक के बाद एक बहुत सी कलाएं सीख गया। लेकिन उसे इस बात का अहंकार हो गया। वह हमेशा सबसे कहता फिरता, 'मेरे बराबर दुनिया में कोई गुणवान नहीं है।' संयोग से उन्हीं दिनों गौतम बुद्ध घूमते हुए वहां आ पहुंचे। उन्हें जब उस लड़के के बारे में पता चला तो वह भिक्षापात्र लेकर उसके पास पहुंच गए। लड़के ने उन्हें देखकर पूछा, 'आप कौन हैं?' बुद्ध ने उत्तर दिया, 'मैं अपने शरीर को काबू में रखने वाला एक आदमी हूं।' लड़के उनकी बात समझ नहीं पाया और बोला, 'मैं आपकी बात का मतलब नहीं समझा। कृपा करके विस्तारपूर्वक समझाएं।' इस पर बुद्ध ने कहा, 'देखो, जो तीर चलाना जानता है, वह तीर चलाता है, जो नाव चलाना जानता है, वह नाव चलाता है और जो मूर्ति बनाना जानता है वह मूर्ति बनाता है। लेकिन जो ज्ञानी है, वह अपने ऊपर शासन करता है।' लड़के ने पूछा 'वह कैसे?' बुद्ध ने जवाब दिया, 'अगर कोई उसकी प्रशंसा करता है तो उसका मन चंचल नहीं होता। अगर कोई उसकी निंदा करता है तो भी वह शांत रहता है। ऐसा आदमी हमेशा सुखी रहता है। यह सबसे बड़ी कला है।' लड़का उनका आशय समझ गया। उसने वचन दिया कि वह अपने भीतर से अपना अहंकार निकाल बाहर करेगा।

सूडोकू नवताल- 7298

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7297 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 8513

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8512 का हल

	स	ज	ग		ह	सी	न	
बा	दा		र		म		ब	ध
प		फि	ल	हा	ल			मा
सी	र	त		नि		रु	ब	ल
		र	ज		न	ख		
नी	जा	त		जो		सा	हि	ल
र			क	र	ता	र		ह
ब	श		स		मी		ता	जा
	क	ल	म		ल	की	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही धातु और आईटी शेयरों में जबरदस्त खरीददारी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 398.44 अंक ऊपर आकर 82,172.10 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.65 अंक बढ़कर 25,181.80 पर बंद हुआ। था। आज कारोबार के दौरान निफ्टी मेटल 2.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.12 फीसदी उछलकर बंद हुआ। निफ्टी फार्मा 1.05 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.74 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.45 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.61 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.67 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी उछाल रहा । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 563.10 अंक बढ़कर 58,429.85 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 109.65 अंक उछलकर 0.61 18,000.25 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, सन फार्मा, टीसीएस, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट और इन्फोसिस के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एक्सिस बैंक, टाइटन, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों को नुकसान हुआ। ससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 00 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,900 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त लेकर 25,074.30 पर खुला। एशियाई बाजारों में आज हल्की बढ़त देखी गई। मेनलैंड चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.53 फीसदी चढ़ा, जबकि हांगकांग का हैंग सैंग 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। जापान का निक्केई 1.34 फीसदी उछल गया। इस बीच, दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के चलते बंद रहे।

रूसी तेल व्यापार में बदलाव- भारतीय रिफाइनरियों से अब युआन में भुगतान की मांग

मुंबई।एजेंसी। रूसी तेल विक्रेता अब भारतीय रिफाइनरियों से अमेरिकी डॉलर या यूएई दिरहम के बजाय चीनी युआन में भुगतान मांग रहे हैं। पहले अधिकतर लेन-देन डॉलर या दिरहम में होता था, लेकिन हाल ही में इसमें बदलाव देखने को मिला है। सूत्रों के अनुसार यह कदम भारत और चीन के संबंधों में आई हालिया नरमी का परिणाम है, जिससे युआन में भुगतान की राह आसान हुई है। भारत की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने रूस से आए दो से तीन तेल शिपमेंट्स का भुगतान युआन में किया है। यह पहली बार नहीं है जब युआन में भुगतान की कोशिश हुई हो। वहीं निजी रिफाइनरियों ने तब भी युआन में सौदे जारी रखे थे। व्यापारियों का कहना है कि पहले उन्हें डॉलर या दिरहम को युआन में बदलकर भुगतान करना पड़ता था, जिससे प्रक्रिया जटिल होती थी। अब सीधे युआन में भुगतान संभव हो गया है, जिससे व्यापार सरल हो गया है। हालांकि, रूस द्वारा तेल की कीमत अब भी डॉलर में तय की जाती है ताकि वह यूरोपीय संघ द्वारा तय प्राइस कैप का पालन कर सके। विश्लेषकों के अनुसार यह कदम वैश्विक तेल व्यापार में डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती दे सकता है और चीन के युआन को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा संकेत माना जा रहा है।

भारतीय फार्मा को राहत- अमेरिका ने जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की योजना रोकी

वाशिंगटन।एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने फिलहाल भारतीय जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना टाल दी है, जिससे भारतीय दवा कंपनियों और अमेरिकी उपभोक्ताओं दोनों को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 47 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से आयात की जाती हैं। टैरिफ लगाने की योजना का उद्देश्य दवा निर्माण को अमेरिका में वापस लाना था, जिसे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) समर्थकों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा। लेकिन ट्रंप की घरेलू नीति परिषद के कुछ सदस्य इसके खिलाफ थे। उनका तर्क था कि इससे न केवल दवाएं महंगी होंगी, बल्कि आपूर्ति संकट भी उत्पन्न हो सकता है। भारत जैसे देशों में जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका की तुलना में कहीं सस्ता है, जिससे अमेरिकी उत्पादन प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाता। आईक्यूवीआईए के अनुसार, अमेरिका की फार्मेसियों में बिकने वाली लगभग आधी जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, जबकि घरेलू अमेरिकी कंपनियों की हिस्सेदारी सिर्फ 30 प्रतिशत है। मेटफॉर्मिन (डायबिटीज), एटोरवास्टेटिन (कोलेस्ट्रॉल), लोसार्टन (ब्लड प्रेशर) और एंटीबायोटिक्स जैसी आम दवाओं की सप्लाई में भारत अग्रणी है। चीन के साथ पिछले टैरिफ युद्धों में हुए नुकसान को देखते हुए ट्रंप प्रशासन नहीं चाहता था कि दवा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में भी जनता को कीमतों की मार झेलनी पड़े। ऐसे में, जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना को रोकना एक व्यावहारिक फैसला माना जा रहा है।

शासकीय महाविद्यालय लांजी में हुआ जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता

शासकीय महाविद्यालय बैहर रही विजेता व परसवाड़ा टीम रही उपविजेता

पद्मेश न्यूज। लांजी।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार प्रदेश के महाविद्यालयों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसके अंतर्गत 8 अक्टूबर 2025 को शासकीय महाविद्यालय लांजी में जिला स्तरीय कबड्डी (महिला) प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन राजकुमार कर्राहे क्षेत्रीय विधायक के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर युगेश रामटेककर (अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति, शासकीय महाविद्यालय लांजी), रेखा ताराचंद कालबेले (अध्यक्ष, नगर परिषद लांजी), संदीप रामटेक्कर (उपाध्यक्ष, नगर परिषद लांजी), देवेश एड़े (मंडल अध्यक्ष), सोहन उपराड़े (विधायक प्रतिनिधि, जनपद लांजी), उज्जवल श्रीवास्तव (विधायक प्रतिनिधि, शासकीय महाविद्यालय लांजी) और प्रो. आर.आर. सोनवाने (प्राचार्य) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। युगेश रामटेककर ने जिले के सभी महाविद्यालयों की कबड्डी टीमों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं तथा कहा कि खेल से शरीर और मन स्वस्थ रहता है। राजकुमार कर्राहे ने आयोजक महाविद्यालय को बधाई देते हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार आयोजित प्रतियोगिताएँ छात्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। सभी छात्रों को अपनी रुचि के अनुसार खेलों में भाग लेना चाहिए, क्योंकि खेल प्रमाणपत्र भविष्य में लाभकारी हो सकते हैं। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के खेल अनुभव साझा किए और बताया कि शासन द्वारा महाविद्यालयों में खेल सामग्री और सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनका सभी छात्र-छात्राओं को लाभ उठाना चाहिए। प्रो. आर.आर. सोनवाने ने सभी टीमों और खेल अधिकारियों का अभिनंदन किया तथा खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आशीर्वाद दिया।

प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के 12 महाविद्यालयों की कबड्डी टीमों ने भाग लिया, जिनमें शामिल थे- प्रधानमंत्री उत्कृष्ट जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट, शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा, शासकीय विधि महाविद्यालय बालाघाट, शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट, शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय बैहर, शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा, शासकीय एस.एस.पी. महाविद्यालय वारासिवनी, शासकीय महाविद्यालय कटंगी, शासकीय महाविद्यालय हट्टा, शासकीय महाविद्यालय मलाजखण्ड, शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी, और शासकीय महाविद्यालय लांजी।

विजेता रही शासकीय महाविद्यालय बैहर की टीम, जबकि उपविजेता रही शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा की टीम। सभी टीमों के अधिकांश खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

8 अक्टूबर 2025 की संध्या को समापन समारोह में रमेश भटेरे (पूर्व विधायक, लांजी-किरनापुर), अजय अवसरे (उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत लांजी), अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी, और अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लांजी की उपस्थिति में विजेता और उपविजेता टीमों को शील्ड, स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता को सफल बनाने में खेल अधिकारियों विवेक खरगाल, विकास साहू, मनोज खरोले, विनोद ठाकुर, किशोरी लाल अहिरवार, शीतल कुमार चैके, मनीष शिवहरे, संजय मर्सकोले, अधीर घोड़ेश्वर, रेखा बिसेन, सचिन तिवारी, देवला गजभिए, और ललित कामड़े का विशेष योगदान रहा। आयोजक महाविद्यालय लांजी के ललित कामड़े (खेल अधिकारी), सुरेंद्र कुमार चिखले, गोलू परते, कांता वर्मा, दीपमाला सूर्यवंशी, डालेश कुमार विजयवार, नितेश कुमार मेश्राम, जसपाल सिंह सिद्धू, साहेबलाल एड़े, महेश दमाहे, आर.आर. टिकेश्वर, ज्ञानदेव कुशले, अंजली सोनी, जया कचवाहे, ममता नारनौरे, शशांक पटले, लक्ष्मण बोरकर, किशोर कुमार चौधरी, कैलाश कुमार इंझरावते, शुभम रामटेके, भागवत रघुवंशी, सुनिल तिड़के, हितेश बंसोड़, लखनलाल बाहे, राहुल पारधी, वैभव मुरकटे, खेलन बाई राउत, गीता शुक्ला, और ज्योति राउत ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

निर्णायक समिति, क्षेत्रीय पत्रकार बंधुओं, स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ, और पुलिस स्टाफ का भी विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन डालेश कुमार विजयवार और शुभम रामटेके ने किया। अंत में, प्रो. आर.आर. सोनवाने ने सभी अतिथियों, खेल अधिकारियों, महाविद्यालय परिवार, और छात्र-छात्राओं को धन्यवाद दिया।

बहेला पुलिस ने सायबर सुरक्षा अभियान के तहत चलाया जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी।

पुलिस अनुभाग अन्तर्गत बहेला थाना क्षेत्र के प्रमुख ग्रामों एवं चौक चौराहो में बहेला पुलिस के द्वारा सायबर सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। ग्रामीण जनों को सायबर से होने वाले फ्रॉड के विषय में विशेष जानकारी दी गई। इस दौरान बहेला पुलिस से एएसआई रामसिंह नर्रे, संतोष मरकाम, शुभम मिश्रा आरक्षक, महिला आरक्षक प्रतिभा डेहरिया के द्वारा थाना प्रभारी राजकुमार रघुवंशी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व संपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आप लोगो के द्वारा ग्रामीण जनों को सायबर फ्राड, ठगी से बचने के लिये विशेष जानकारी देते हुये सतर्क रहने कहा गया। कैसे कैसे सायबर फ्रॉड होते है इन सभी विषयों को भी जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण जनों समक्ष रखा गया तथा यदि सायबर फ्राड होता है तो तुरंत अपने नजदीकी थाना क्षेत्र में पहुचकर शिकायत दर्ज कराये तथा टोल फ्री नंबर 1930 डायल कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत बताया गया कि वर्तमान में धोखेबाजो के द्वारा किस कदर नये नये तरीके हथकण्डे अपनाकर सायबर ठगी की जाती है। लेकिन आप लोग यदि सतर्क है तो आपके साथ कभी भी सायबर ठगी नही हो पायेगी। समय समय बैंको के द्वारा भी निर्देश जारी किये जाते है कि अपनी बैंक डीटेल किसी से साझा ना करे, ओटीपी की किसी को प्रदान ना करे। सोशल मीडिया पर भी अपनी आंतरिक जानकारी साझा ना करे। ऐसी जानकारी बहेला पुलिस के द्वारा क्षेत्र के प्रमुख चौक चौराहों, ग्रामों में पहुंचकर ग्रामीण जनों, छात्र छात्राओं युवाओं को दी गई। इस पुलिस ने जानकारी दी की सायबर अपराधी एक्टिव है आप भी स्मार्ट बने, पुलिस से संपर्क में रहे, सुरक्षित रहे। हर जिले में सायकल सेल की विशेष शाखा मौजूद है जहां भी आप अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है। मोबाईल फोन या अन्य माध्यम आने वाले अनभिज्ञ संदेशो या ऐसे पोस्ट जिससे हानि पंहुच सकती है उन्हे क्लिक ना करे, बैंक खातो की जानकारी किसी से साझा ना करे। सतर्क रहे सुरक्षित रहे बालाघाट पुलिस आपके साथ है।

पुलिस ने रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर किया जप्त

आरोपी के विरुद्ध चोरी की धाराओं में अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र में रेता माफियाओं के हौसले खासे बुलंद है जहां लांजी पुलिस के द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है उसके बावजूद भी रेत माफियाओं के द्वारा लगातार रेत चोरी करते नजर आ रहे है। बीत दिनों की बात की जाये तो लांजी पुलिस ने लगभग 3 रेत से भरे ट्रैक्टरों पर कार्यवाही कर चुके है तथा चोरी की धाराओं में कार्यवाही करते हुये आरोपियों को जेल रवाना किया गया है। उसके बाद भी रेत माफिया सतत नदी घाटो से लगातार रेत की चोरी कर अपना अवैध कारोबार चला रहे है जिस पर बिती 8 अक्टूबर की रात्रि को लांजी पुलिस के द्वारा एक और रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही की गई है।

रेत से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली पर लांजी पुलिस की कार्यवाही

लांजी पुलिस के द्वारा बीती 8 अक्टूबर की रात्रि को मुखबिर की सूचना पर सिंगोला मिरीया मार्ग पर एक रेत भरे ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त किया गया है जिस संबध मे जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा बालाघाट द्वारा जिले मे चल रही अवैध गतिविधियों अपराधो की रोकथाम तथा अवैध रेत परिवहन की रोकथाम पर प्रभावी कार्यवाही हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा है जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी ओमप्रकाश (भापुसे) के द्वारा भी मार्गदर्शन,

निर्देशन दिये जा रहे है। आदेश के पालन में 8 अक्टूबर को अवैध रेत परिवहन संबधित सूचना प्राप्त हुई थी जिसकी तस्दीक करने ग्राम सिंगोला के पास मिरीया मार्ग पर एक ट्रैक्टर आते दिखा ट्रैक्टर चालक पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा जिसको हमराह स्टाफ ने ट्रैक्टर को रोका गया एवं ट्रॉली की जांच करने पर ट्रॉली में खनिज रेत भ्ररा होना पाया गया चालक से उक्त खनिज रेत के परिवहन के वैध दस्तावेज पुछने पर नही होना बताया तथा नाम पुछने पर अपना नाम गिरधर मेश्राम पिता तुकाराम मेश्राम उम्र 23 वर्ष निवासी बडगांव थाना बहेला का निवासी होना बताया। चालक के द्वारा बिना वैध दस्तावेज रायल्टी के खनिज का परिवहन करना पाया जाने से चालक का कृत्य धारा 303-(2) , बीएनएस एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज विकास का विनियमन अधिनयम 1957 का पाये जाने से ट्रैक्टर ट्रॉली क्रमांक एमपी 50 एए 4572 को मय अवैध खनिज रेत के जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया जाकर आरोपी के विरूद्ध उपरोक्त धारा के तहत अपराध क्रमांक 236/25 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी गिरधर पिता तुकाराम मेश्राम निवासी बडगांव थाना बहेला को न्यायालय में पेश किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही में लांजी पुलिस से थाना प्रभारी उनि दीपसिंह परमार, सउनि परमानंद भगत, आरक्षक दिलीप यादव, चेतन सोनी, आशुतोष सिंह राजपूत सहित अन्य पुलिस कर्मियो का सराहनीय योगदान रहा है।

उमरी परसोड़ी, पीपलगांव, सर्रा बापड़ी से हो रहा है अवैध रेत खनन

बतादे कि रेत माफियाओं के द्वारा बीत कई दिनो से लगातार रेत का अवैध रूप से खनन कर परिवहन किया जा रहा है। प्राप्त सुत्रो के अनुसार क्षेत्र के उमरी, परसोड़ी, पीपलगांव, बापड़ी सहित अन्य नदी रेत घाटों से लगातार रेत माफियाओं के द्वारा रेत का अवैध खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। पुलिस के द्वारा लगातार की जा रही कार्यवाही के बाद भी ये रेत माफिया रात्रि में चोरी छूपे नदियों से रेत का अवैध खनन एवं परिवहन करते देखे जा सकते है। क्षेत्र मे लगे सीसीटीव्ही फुटेज में इनकी तस्वीरे कैद देखी जा सकती है। रेत माफियाओं के होसले लगातार बुलंद होते जा रहे है जिस पर पुलिस को और भी बडी कार्यवाही कर नकेल कसनी चाहिये।

शारदा महिला मण्डल ने शरदोत्सव पर किया सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर कि सामाजिक एवं धार्मिक संस्था शारदा महिला मण्डल के द्वारा प्रतिवर्ष शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर शरदोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन कर धुम धाम से शरदोत्सव मनाया जाता है। शारदा महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती उषादेवी पशीने के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व शरदोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष शरद महोत्सव का आयोजन शारदा महिला मण्डल की सदस्या श्रीमती अंजली अविनाश रैंच के निवास स्थल में आयोजित किया गया जहां सभी सदस्यगण उपस्थित रहे। शरद उत्सव का प्रारंभ मां सरस्वती पूजन एवं वंदना से किया गया तदोपरांत बारी बारी से सभी के द्वारा सांस्कृतिक

प्रस्तुतियॉ दी गई। महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती उषादेवी पशीने के द्वारा सभी को शरद महोत्सव की शुभकामनाऐं प्रेषित करते हुये कहा गया कि आप सभी के सहयोग से प्रतिवर्ष शरद महोत्सव का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न होता है। कार्यक्रम के अंत में मंजू नारंग जी के द्वारा शरद महोत्सव से संबधित श्लोक गायन कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। सभी सदस्यो ने एक दुसरे को बधाई प्रेषित कर शरद महोत्सव के निमित्त प्रसाद रूपी खीर का सेवन किया जाकर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से अध्यक्ष श्रीमती उषा देवी पशीने, सुशीला दुग्गड़, उमा तिवारी, किरण तिवारी, पद्मा शर्मा, अंजली रैंच, अनीता रामटेककर, सरिता श्रीवास्तव, भगवती कर्राहे, मीना बिलगौर, सुनीता रॉय, मंजू नारंग, टीना बिलगौर सहित अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

लायसेंसधारी पटाखा व्यवसायियों की बैठक कल

दीपावली पर्व में फटाख़ा बिक्री के लिए होगा दुकानों का आवंटन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर परिषद लांजी द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली पर्व के अवसर पर फटाका विक्रेताओं को फटाका बिक्री के लिए नगर में अस्थाई तौर पर व्यवस्थित जगह प्रदान की जाती है। इसी के तहत इस वर्ष भी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी कमलचंद सिंहसार के निर्देशानुसार अस्थाई फटाका दुकानों को व्यवस्थित जगह प्रदान किये जाने की दृष्टि से व्यवसायियों की बैठक कार्यालय नगर परिषद लांजी में कल 11 अक्टूबर दिन शनिवार को दिन में 11 बजे से आहूत की गई है। उक्त बैठक नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी कमलचंद सिंहसार, एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश भापुसे, थाना प्रभारी लांजी की प्रमुख उपस्थिति में सम्पन्न होगी। बैठक में दुकान लगाने एवं व्यवस्था पर चर्चा की जावेगी। नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने ने समस्त फटाका व्यापारियों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की

बिरसा के ग्राम रेलवाही में आदि कर्मयोगी अभियान का हुआ आयोजन

राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी श्रीमति रजनी तुमराम भी अभियान में हुई सम्मिलित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में संचालित विशेष अभियान आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा के लिए 09 अक्टूबर को ग्राम बिरसा विकासखण्ड के ग्राम रेलवाही में ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस ग्राम सभा में राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी आदिकर्म योगी अभियान श्रीमति रजनी तुमराम भी सम्मिलित हुई। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत आयोजित ग्राम सभा में आदि सहयोगी, आदि साथी द्वारा तैयार किये गये ग्राम कार्य पुस्तिका जिसमें सीसी रोड, पीएम श्री स्कूल, छात्राओं के अध्ययन के लिए छात्रावास, विद्युत विभाग से ट्रांसफार्मर एवं बिजली के खंभों के साथ-साथ सिंचाई के लिए सौर पैनल पम्प, सामुदायिक भवन, बस स्टैंड, खेल मैदान का समतलीकरण, स्वास्थ विभाग से पाँच बिस्तर का हॉस्पिटल आदि की माँग की गई है। ग्रामीणों के साथ ट्रांजिट वॉक भी किया गया। इस दौरान जनपद सदस्य देवन सिंह मरकानू, सरपंच छोटू सिंह मरकाम, मंडल संयोजक सुश्री रीनल उयके, ब्लॉक मास्टर ट्रेनर युगेश वराड़े, हेंमत राणा, प्राचार्य उमावि रेलवाही तथा ग्राम सचिव राजू सिंह धुर्वे उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जहरीले कफ सिरप से मप्र में अबतक 25 मौतें

भोपाल/छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। एसआईटी ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उसका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था।

छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई के सैदापेट में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी जाएगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। छिंदवाड़ा के मोरडोगरी परासिया निवासी गर्विक (1 वर्ष) पिता बाबू पवार की गुरुवार दोपहर नागपुर के मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने नागपुर में अस्पताल जाकर बच्चों का जाना हाल...

तमिलनाडु सरकार सहयोग नहीं कर रही

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को नागपुर पहुंचे। सीएम ने वहां के अस्पतालों में भर्ती चारों बच्चों का हाल जाना। उनके परिजन से बात की। इनमें से गार्विक पवार नागपुर मेडिकल कॉलेज में, अंबिका विश्वकर्मा न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल जबकि कुणाल यदुवंशी और हर्ष यदुवंशी नागपुर एम्स में इलाज करा रहे हैं। बच्चों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा- एमपी पुलिस ने तमिलनाडु में गिरफ्तारी की है, लेकिन तमिलनाडु सरकार हमारा सहयोग नहीं कर रही है। इसकी पूरी जिम्मेदारी दवा कंपनी की होती है। हमने भी ड्रग कंट्रोलर को हटाया, असिस्टेंट कंट्रोलर को सस्पेंड किया। सिरप लिखने वाले डॉक्टर पर कार्रवाई की।

मार्च में खरीदा गया था केमिकल

जांच रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने चेन्नई की सनराइज बायोटेक से 25 मार्च 2025 को प्रोपलीन ग्लायकॉल खरीदा था। यह नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड का था यानी दवा बनाने के लिए उपयुक्त नहीं था। इसके बावजूद कंपनी ने न तो इसकी शुद्धता जांची और न ही इसमें डाईएथिलीन ग्लायकॉल या एथिलीन ग्लायकॉल की मात्रा का परीक्षण किया।

दस्तावेज छिपाने का किया प्रयास

तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने पाया कि इस घटिया केमिकल से कई दवाएं तैयार की गईं। ऐसे में निरीक्षण के दौरान जांच टीम ने अपनी इन्वेस्टिगेशन को जारी रखा। जिसमें उन्होंने पाया कि कंपनी के पास उस समय प्रोपलीन ग्लायकॉल का कोई स्टॉक नहीं था। इससे शक और गहरा गया कि कंपनी ने केमिकल को तेजी से खत्म कर दस्तावेज छिपाने की कोशिश की। तमिलनाडु ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी ने कहा कि यह जांच सार्वजनिक सुरक्षा के हित में अत्यंत आवश्यक थी, क्योंकि नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड केमिकल के इस्तेमाल से बनी दवाएं बच्चों और वयस्कों के लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी पर मप्र एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

हमारी सरकार किसी छोड़ने वाली नहीं है

सीएम डॉ. यादव ने कहा- मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कह सकते हैं कि मूल रूप से ट्रीटमेंट के दौरान दी गई दवाई की ही गलती है, जो मैन्युफैक्चरिंग मिस्टेक है। तमिलनाडु से रिपोर्ट आते ही हमने कंपनी को बैन किया, वहां से भी बैन हुआ है। हमारी सरकार किसी छोड़ने वाली नहीं है। सीएम ने इस मामले में कांग्रेस के रवैये को लेकर कहा कि जो बात कर रहे हैं, वे तमिलनाडु जाएं और धरना दें। फैक्ट्री को ड्रग लाइसेंस कैसे दिया। एक बार लाइसेंस दिया तो दोबारा कैसे रिन्यूअल कर दिया। छोटी सी जगह में इतनी बड़ी फैक्ट्री कैसे बना दी। राहुल भी जाना चाहें तो तमिलनाडु जाएं।

केमिकल खरीदी का न बिल, न एंट्री

इस बीच कोल्ड्रिफ सिरप की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। तमिलनाडु डायरेक्टर ऑफ ड्रग्स कंट्रोल की रिपोर्ट में सामने आया है कि यह सिरप नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड केमिकल से तैयार किया गया था। जांच के दौरान कंपनी के मालिक ने मौखिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने दो बार में प्रोपलीन ग्लायकॉल के 50 किलो के दो बैग खरीदे थे। यानी कंपनी ने 100 किलो जहरीला केमिकल खरीदा था। जांच में इसका न कोई बिल मिला है, न खरीद की एंट्री की गई। पूछताछ में जांच अधिकारियों को बताया गया कि भुगतान कभी कैश तो कभी गूगल पे से किया था।

जहरीले केमिकल की मात्रा 486 गुना ज्यादा

दवा बनाने वाली कंपनी ने घटिया क्वालिटी का प्रोपलीन ग्लायकॉल खरीदा। उसका कभी टेस्ट भी नहीं कराया। चौंकाने वाली बात यह है कि कंपनी के पास न तो खरीदी के बिल हैं और न ही प्रयोग किए गए केमिकल के रिकॉर्ड मौजूद हैं। लैब जांच में यह भी पाया गया कि सिरप में डाईएथिलीन ग्लायकॉल और एथिलीन ग्लायकॉल जैसे जहरीले रसायनों की मौजूदगी तय सीमा से 486 गुना अधिक थी। इधर, एक एक्सपर्ट ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया है कि यह मात्रा न सिर्फ बच्चों के लिए घातक है बल्कि यह हाथी के बराबर के जानवर की भी किडनी और ब्रेन को नष्ट कर सकती है।

जनहित याचिका पर आज होगी सुनवाई

मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया। अदालत ने दवा सुरक्षा तंत्र में जांच और व्यवस्थागत सुधार की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने का फैसला किया है। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता और याचिकाकर्ता विशाल तिवारी की दलीलों पर विचार करते हुए कहा कि यह मामला गंभीर है और तत्काल सुनवाई योग्य है। याचिका में इन घटनाओं की अदालत की निगरानी में जांच और एक सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति के गठन का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा, याचिका में कहा गया है कि जहरीली कफ सिरप से बच्चों की मौत से जुड़े सभी एफआईआर और जांचों को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए, ताकि पूरे देश में जांच एक समान और निष्पक्ष रूप से की जा सके।

कांग्रेस मानवता का परिचय देकर तमिलनाडु सरकार से कार्रवाई कराए - हेमंत खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता इस संवेदनशील विषय पर मानवता का परिचय देते हुए दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई के लिए तमिलनाडु सरकार पर दबाव बनाएं। मध्यप्रदेश के मासूमों पर आई इस विपदा में भी कांग्रेस पार्टी राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है। जबकि सच्चाई यह है कि तमिलनाडु में इंडी गठबंधन की सरकार है, जो राहुल गांधी के समर्थन से चल रही है। ऐसे में अब कांग्रेस पार्टी के जितने भी सवाल हैं, नकली दवा कैसे बनी, तमिलनाडु से कैसे निकली और कहां-कहां सप्लाई हुई, कंपनी के खिलाफ वहां पर केस दर्ज क्यों नहीं हुआ, कांग्रेस पार्टी को इनके जवाब तमिलनाडु सरकार से मांगना चाहिए, न कि इस तरह की नौटंकी कर जनता को भ्रमित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कांग्रेस के नेताओं को राजनीति बयानबाजी करने की बजाय विपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होना चाहिए।

पीडब्ल्यूडी के पूर्व चीफ इंजीनियर जेपी मेहरा के 4 ठिकानों पर लोकायुक्त की रेड

भोपाल। राजधानी भोपाल में पीडब्ल्यूडी के पूर्व चीफ इंजीनियर जेपी मेहरा के भोपाल स्थित मणिपुरम आवास पर गुरुवार सुबह लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के चलते की गई है। जेपी मेहरा पर अपने कार्यकाल के दौरान विभागीय ठेकों और निर्माण कार्यों में गड़बड़ियों के आरोप हैं। इन्हीं आरोपों की छानबीन करते हुए लोकायुक्त की टीम ने पुलिस बल के साथ सुबह 6 बजे उनके घर पहुंची और सर्चिंग शुरू की। फिलहाल अधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई लेकिन सूत्रो के अनुसार, छापे के दौरान लोकायुक्त टीम को बड़ी संख्या में नगदी, प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। जॉच के दौरान भोपाल सहित आसपास के जिलों के अलावा मुंबई में खरीदी गई संपत्तियों से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है। जेपी मेहरा इसी साल फरवरी में रिटायर हुए थे। वर्तमान में मेहरा मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन में कार्य कर रहे हैं। यहां पर सड़क, साइनेज के टेंडर को लेकर गंभीर गड़बड़ियों के आरोप सामने आए हैं।

चार ठिकानो पर हुई कार्यवाही

जानकारी के मुताबिक जेपी मेहरा के एक साथ चार ठिकानों पर छापा मारा गया है, जिसमें गोविंदपुरा स्थित बंगला, बावड़िया कला स्थित बंगला, सोहागपुर स्थित घर और मणिपुरम स्थित बंगला शामिल है। मणिपुरम कॉलोनी और बावड़िया स्थित बंगले से टीम को बड़ी संख्या में नगदी और सोने के जेवरात मिले हैं। इन दोनों ठिकानों पर बरामद रकम को गिनने के लिए मशीनें मंगानी पड़ी। सूत्र बताते है की इसके अलावा टीम को कई प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। इनमें मुंबई में खरीदी गई संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी शामिल हैं।

कई बार लगे भ्रष्टाचार के

जानकारी के मुताबिक जेपी मेहरा के कार्यकाल के दौरान उन पर कई बार आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे थे। इन शिकायतों के चलते मेहरा बीते काफी समय से लोकायुक्त के रडार पर थे। सूत्रों का कहना है की अलसुबह शुरू हुई छापे की कार्यवाही में अब तक लोकायुक्त टीम को कुछ बड़े टेण्डर और प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। इनमें बाबई के पास सेमरी हरचंद में खरीदी गई जमीन के कागजात भी शामिल हैं। इस जमीन पर ऑर्गेनिक सब्जी और अनाज की खेती की जाती थी।

चहेती फर्मो को पहुचांया लाभ

जेपी मेहरा पर मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन (एमपीडब्ल्यूएलसी) में कार्य के दौरान सड़क, साइनेज के टेंडर को लेकर भी गंभीर गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। आरोप है, कि नियमों को दरकिनार कर उन्होनें अपनी चहेती फर्मों को लाभ पहुंचाने के लिए पात्रता की मूल शर्तें पूरी न करने के बाद भी उन्हें क्वालिफाई कर दिया। इससे टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए। इस मामले की भी आला स्तर पर शिकायतें की गई थीं। फिलहाल लोकायुक्त की टीम की कार्यवाही जारी, पड़ताल के बाद काली कमाई के कई चौकानें वाले खुलासे होने की संभावना है।

हमेशा मलाईदार पदो पर रहे

जेपी मेहरा विभाग के भवन विकास निगम और सड़क विकास निगम में महत्वपूर्ण पदो पर विराजमान रहे हैं। विभाग में उनकी लंबी सेवा के दौरान उन्होनें सड़क निर्माण, भवन विकास और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली। हालांकि बीते समय में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगने से वह विवादों में घिर गये। विभाग में उनके खिलाफ सड़क निर्माण, डिजाइन में बदलाव और गुणवत्ता रहित कार्यों से जुड़ी कई शिकायतें लंबे समय से लंबित हैं। इतना ही नहीं 15 इंजीनियरों के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के प्रकरण में उनका नाम प्रमुख है। हालांकि इसकी जॉच काफी धीमी गति से चल रही हैं। पीडब्ल्यूडी के रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन में उनके कार्यकाल में डिजाइन में बदलाव और अनियमित भुगतान के आरोप लगे। इसके अलावा उनके खिलाफ विभाग की सड़क निर्माण की खराब गुणवत्ता, फर्जी बिलिंग और ठेकेदारों से मिलीभगत से जुड़ी शिकायतें ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) और लोकायुक्त में लंबित हैं।

13 कॉलेजों के 3000 विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर

शासकीय नर्सिंग कॉलेजों को नहीं मिली मान्यता

भोपाल। मध्यप्रदेश में नर्सिंग शिक्षा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। प्रदेश के 13 शासकीय नर्सिंग कॉलेज मान्यता से वंचित हैं। इससे करीब 3000 विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर है। इन कालेजों में शैक्षणिक ढांचे की भारी कमी, फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र और भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताएं हैं। राज्य सरकार की गाइडलाइन के बावजूद इन कालेजों ने न तो फैकल्टी नियुक्त की और न ही जरूरी सुविधाएं पूरी कीं। अगस्त में इन कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया को लेकर शिकायत की थी, लेकिन विभाग ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इनमें से कई कॉलेज कुछ संस्थान केवल एक या दो फैकल्टी के भरोसे चल रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि विभाग के कुछ अधिकारी निजी संस्थानों से मिलीभगत कर रहे हैं, जिससे सरकारी कॉलेजों की मान्यता रुकी हुई है। इन कॉलेजों में करीब 1200 से ज्यादा सीटें हैं, जो अब खाली रह जाने का खतरा है। वहीं इन सरकारी नर्सिंग कॉलेजों की नर्सिंग काउंसिल से मान्यता नहीं मिलने की वजह से इन कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे करीब 3000 विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर लगा है।

दूसरे कॉलेजों का रूख कर रहे छात्र

जानकारी के अनुसार, इस साल जिन नए विद्यार्थियों को सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में दाखिला मिलना था, उसकी प्रक्रिया ही शुरू नहीं हो पाई है। मजबूर होकर उन्हें दूसरे प्रदेशों अथवा निजी कॉलेजों की ओर रुख करना पड़ रहा है। निजी कॉलेजों में बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम का सालाना शुल्क करीब एक लाख रुपया है, जबकि सरकारी कालेजों में यह मात्र 30 हजार रुपया रहता है। चार साल की पढ़ाई में सरकारी कालेज जहां लगभग 1.20 लाख रुपये में कोर्स पूरा कराते हैं, वहीं निजी कॉलेजों में यह खर्च चार से पांच लाख रुपये तक पहुंच जाता है। साथ ही सरकारी संस्थानों में आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी मिलती है। मप्र के नर्सिंग कालेजों में पहले 30 सितंबर तक प्रवेश प्रकिया पूर्ण होनी थी लेकिन प्रक्रिया की शुरूआत ही 22 सितंबर से हुई। अब इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनएस) से अनुमति लेकर इसकी तिथि 30 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। तय कार्यक्रम के मुताबिक 13 अक्टूबर को अस्थायी सीट आवंटन व 14 से 18 तक अपग्रेडेशन और प्रवेश होने हैं।

मंत्री और नेताओं के जिलों में ही खराब स्थिति

जिन 13 कॉलेजों को मान्यता नहीं मिली उनमें रायसेन, मंदसौर, नरसिंहपुर, जबलपुर, सागर, खंडवा, अमरकंटक, भोपाल, झाबुआ, सीधी, राजगढ़ और दतिया के कॉलेज शामिल हैं। जिन संस्थानों को अभी तक मान्यता नहीं मिली है उनमें शासकीय नर्सिंग कॉलेज, रायसेन में प्राचार्य, उप प्राचार्य और असिस्टेंट प्रोफेसर नहीं हैं। शासकीय कॉलेज आफ नर्सिंग, मंदसौर में मात्र पांच फैकल्टी कार्यरत हैं। शासकीय कॉलेज आफ नर्सिंग, नरसिंहपुर में उप प्राचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर नहीं हैं। शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, जबलपुर में केवल दो फैकल्टी कार्यरत हैं। शासकीय जीपीएनएम स्कूल, राजगढ़ में प्राचार्य, उप प्राचार्य और असिस्टेंट प्रोफेसर के पद रिक्त हैं। शासकीय कॉलेज आफ नर्सिंग, बुंदेलखंड मेडिकल कालेज सागर में स्टाफ की भारी कमी है। स्कूल आफ नर्सिंग, खंडवा में प्रमुख पद खाली हैं। डिपार्टमेंट आफ नर्सिंग, इंदिरा गांधी ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक में कुल 50 सीटों पर केवल एक फैकल्टी हैं। पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय, भोपाल में फैकल्टी नियुक्ति मानक से कम हैं। शासकीय जीपीएनएम स्कूल, झाबुआ में प्राचार्य व असिस्टेंट प्रोफेसर नहीं हैं। शासकीय जीपीएनएम स्कूल, सीधी में प्रमुख पद रिक्त हैं। स्कूल आफ नर्सिंग, दमोह में शिक्षण स्टाफ नहीं हैं। शासकीय धनवंतरी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, उज्जैन में केवल एक फैकल्टी कार्यरत है।

बूथ लेवल ऑफिसर डोर-टू-डोर करेंगे सर्वे

भोपाल। भोपाल में 22 साल में वोटर दोगुने हो गए हैं। साल 2003 में कुल 11.81 लाख मतदाता थे, जो अब 21.18 लाख से अधिक है। अब जिले के कुल 2029 बूथ लेवल ऑफिसर डोर-टू-डोर सर्वे करेंगे। निर्वाचन नामवली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत भोपाल कलेक्टोरेट में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक हुई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया, आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के लिए स्टैंडिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन किया गया। 17 अक्टूबर तक दावे आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे। स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान जिले के सभी 2029 बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को फिर से डोर-टू-डोर सर्वे कर मतदाता सूची का शुद्धिकरण करना होगा। जिन परिवारों के नाम 2003 की मतदाता सूची में दर्ज हैं, उन्हें यथास्थिति माना जाएगा, लेकिन 2003 के बाद मतदाता सूची में जुड़े परिवारों को अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए दो से तीन दस्तावेज देने पड़ेंगे। मतदाता सूची की गड़बड़ी खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन का पालन करते हुए मतदाताओं के फार्म-6, फार्म-7 और फार्म-8 भरवाने होंगे।

मध्यप्रदेश में एमएसएमई की संख्या 20 लाख के पार

भोपाल। एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के पंजीयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। भारत सरकार के उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर अब तक 20 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाईयां पंजीकृत हो चुकी हैं। उद्यम सहायता पोर्टल के अनुसार प्रदेश में अब तक लगभग 23 लाख इकाईयां स्थापित हुई हैं। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि वर्तमान में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों की कुल संख्या 43 लाख 32 हजार से अधिक हो गयी है। जिससे मध्यप्रदेश का स्थान देश के शीर्ष छह राज्यों की सूची में दर्ज हो चुका है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित की गई नवीन एमएसएमई नीति के बाद से बड़े पैमाने पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग स्थापित हुए है। मंत्री काश्यप ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार नवीन एमएसएमई विकास नीति 2025, स्टार्ट-अप नीति-2025 ईज ऑफ इइंग बिजनेस जैसी पहल ने उद्यमियों का भरोसा बढ़ाया है। राज्य में उद्यम स्थापना की प्रक्रिया अब पहले से कहीं अधिक आसान और पारदर्शी हो गई है जिससे औद्योगीकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा है कि इस वृद्धि से रोजगार, स्थानीय निवेश और आत्मनिर्भरता तीनों को एक साथ गति मिली है।

महिला उद्यमिता में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बताया महिला उद्यमिता में भी पिछले दो वर्षों में 15 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 की अपेक्षा 2024-25 में पंजीकृत इकाईयों की संख्या में 124279 की वृद्धि हुई है।

अब ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण पर नवंबर में होगी सुनवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामले में एक बार फिर सुनवाई टल गई है। सर्वोच्च न्यायालय में आज होने वाली सुनवाई को अब नवंबर के दूसरे सप्ताह के लिए निर्धारित किया गया है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से इस सुनवाई के लिए वक्त मांगा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर पहले ही नोटिस जारी कर चुका है। इधर लगातार स्थगन से ओबीसी समाज में निराशा और आक्रोश बढ़ रहा है। ओबीसी महासभा ने इसे संवैधानिक अधिकारों के साथ न्यायिक विलंब करार दिया है।

संगठन का कहना है कि 27 प्रतिशत आरक्षण लागू होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य और याचिकाकर्ता लोकेंद्र गुर्जर ने कहा कि हम न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन बार-बार तारीख बढना अब असहनीय हो गया है। अगर न्यायालय से न्याय नहीं मिला, तो ओबीसी समाज लोकतांत्रिक तरीके से सडकों पर उतरेगा। इस मामले में अगली सुनवाई नवंबर में होगी, और ओबीसी समाज की निगाहें अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर टिकी हैं।

ओबीसी की आबादी 50 फीसदी से अधिक

मध्यप्रदेश में ओबीसी की आबादी 50 फीसदी से अधिक है, लेकिन ओबीसी वर्ग 27 प्रतिशत आरक्षण के पेंच में उलझ गया है। यही आरक्षण अब युवाओं की गले की फांस बनता जा रहा है। दरअसल मध्यप्रदेश में हो रही भर्ती परीक्षाओं में 87-13 का फॉर्मूला लागू है, इसके तहत 87 प्रतिशत रिजल्ट जारी हो रहे हैं, जबकि 13 प्रतिशत रिजल्ट होल्ड पर हैं। इसकी वजह से कई युवा सरकारी नौकरी की राह तकते ओवर एज हो चुके हैं, वहीं कुछ ने तो पढ़ाई ही छोड़ दी है। अब ओबीसी समाज की निगाहें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर टिकी हुई हैं।

महिला एसआई रंजना खोडे को नौकरी से निकाला

इंदौर टीआई सुसाइड केस में बड़ा फैसला

भोपाल। इंदौर के चर्चित टीआई हाकिम सिंह आत्महत्या मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। महिला एएसआई रंजना खोडे को विभाग से बर्खास्त कर दिया है। जांच में सामने आया कि रंजना ने टीआई हाकिम सिंह को लगातार ब्लैकमेल कर मानसिक रूप से परेशान किया था।

यह मामला जून 2022 में उस वक्त सुर्खियों में आया था, जब इंदौर के रीगल चौराहा स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में टीआई हाकिम सिंह पंवार ने पहले रंजना खोडे पर गोली चलाई और फिर खुद को गोली मार ली थी। रंजना को गोली कान के पास से छूकर निकल गई थी, जबकि टीआई की मौके पर मौत हो गई थी।

दो चरणों में हुई जांच

घटना के बाद एसआईटी का गठन किया गया था। पहली जांच में रंजना की भूमिका संदिग्ध पाई गई और उनकी वेतनवृद्धि रोक दी गई। बाद में उन्होंने तबादला करवाकर धार में पदस्थापना ले ली थी। लेकिन पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने रिपोर्ट से असहमति जताई और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर आरके सिंह को दोबारा जांच की जिम्मेदारी सौंपी। दूसरी जांच रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि रंजना खोडे टीआई को व्यक्तिगत संबंधों के जरिए ब्लैकमेल कर रही थीं, जिससे पुलिस विभाग की साख को ठेस पहुंची। रिपोर्ट के आधार पर शासन ने उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया।

गोलीकांड के बाद खुद बनी थी शिकायतकर्ता

घटना के बाद रंजना खोडे ने छोटी ग्वालटोली थाने में मृत टीआई के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज करवाया था। लेकिन कुछ ही दिनों बाद टीआई के परिवार ने रंजना पर ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप लगाए। सबूत मिलने के बाद रंजना के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ और उनकी गिरफ्तारी भी की गई थी। हालांकि, उन्हें एक हफ्ते में जमानत मिल गई थी। वर्तमान में धार जिले में तैनात रंजना खोडे पर अब सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए नौकरी से बर्खास्तगी का आदेश जारी कर दिया है। यह फैसला उस मामले का अंतिम अध्याय माना जा रहा है जिसने पूरे पुलिस महकमे को हिला दिया था।

दूसरे टेस्ट में भी बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट तीन दिनों के अंदर ही आसानी से जीत लिया था। ऐसे में उसे सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली हुई है । भारतीय टीम पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही वेस्टइंडीज पर हावी रही थी। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत हासिल कर सीरीज का समापन 2-0 से करना चाहेगी। भारतीय टीम के इस मैच में भी बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है। इस मैच में बल्लेबाज साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के पास भी अपनी क्षमता दिखाने का अवसर है। सुदर्शन पहले मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा।

वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। जिससे वह इस मैच में भी भारतीय टीम का शायद ही सामना कर पाये। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी पहले टेस्ट में प्रभावहीन नजर आई जिससे उसे पारी की हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज के अधिकतर खिलाड़ी विदेशी टी20 लीग खेलते हैं जिससे उनकी टेस्ट टीम लगातार कमजोर होती गयी है। लंबे प्रारूप में उसके पास अधिकतर ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें किसी भी प्रकार का अनुभव नहीं है।

पहले टेस्ट मैच में वह किसी भी समय भारतीय टीम को टक्कर नहीं दे पायी। भारतीय टीम को इस सीरीज जीतने का एकमात्र लाभ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में मिलेगा। इसके अलावा उसे इस साल के अंत में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले अपने खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर भी मिला है।

जिस प्रकार से भारत ने पहले टेस्ट में खेला है उससे इस मैच में भी मुकाबला समय से पहले समाप्त हो सकता है। जहां की पिच से शुरू में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। । भारतीय टीम जहां खेल के हर विभाग में मजबूत नजर आती है वही वेस्टइंडीज का प्रत्येक विभाग कमजोर नजर आता है।

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि उनकी टीम की टेस्ट क्रिकेट में यह गिरावट

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत - शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अक्षर पटेल, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल।

वेस्टइंडीज - रोस्टन चेज (कप्तान), तेगनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज़, ब्रैंडन किंग, जोहान लेने, जस्टिन ग्रीव्स, खारी पियरे, शाई होप, जेडन सील्स, जेमेल वार्रिकन, केवलन एंडरसन, जेडिया ब्लेड्स, टेविन इमलाच, एंडरसन फिलिप।

रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलेंगे शमी और आकाशदीप, अभिमन्यु करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते नजर आयेंगे। शमी चैम्पियंस ट्राफी के बाद से ही टीम में वापसी नहीं कर पाये हैं। शमी के अलावा = मोहम्मद शमी को भारत की टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों टीमों से बाहर रखा गया है। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप भी इस टीम में शामिल रहेंगे। टीम की कप्तानी अभिमन्यु ईश्वरन को दी गयी है। अभिमन्यु का लक्ष्य भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक बार फिर भारतीय टीम में जगह के लिए दावेदारी करना रहेगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने इस टीम का कप्तानी उपकप्तान विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को बनाया है।

टीम की तेज गेंदबाजी की कमान शमी और आकाश दीप के पास रहेगी। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी अभिमन्यु ईश्वरन और अभिषेक पोरेल के साथ-साथ अनुस्तूप मजूमदर, सुदीप चटर्जी और युवा बल्लेबाज सुदीप कुमार के पास रहेगी। राहुल प्रसाद, सौरभ कुमार सिंह और विशाल भाटी भी रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचना चाहेंगे। लक्ष्मी रतन शुक्ला को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है जबकि अरूप भट्टाचार्य और शिब शंकर पॉल टीम के सहायक कोच होंगे। चरणजीत सिंह मथारू को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी दी गयी है।

बंगाल की टीम अपने रणजी ट्रॉफी मुकाबलों की शुरुआत 15 अक्टूबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में करेगी। उसका पहला मैच उत्तराखंड से होगा। इसके बाद 25 अक्टूबर को वह गुजरात से खेलेगी। शमी, आकशीप आर अभिमुन्यु का प्रयास रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

बंगाल टीम

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), अभिषेक पोरेल (उप कप्तान/विकेटकीपर), सुदीप कुमार घरामी, अनुस्तुप मजूमदार, सुदीप चटर्जी, सुमंत गुप्ता, सौरभ कुमार सिंह, विशाल भाटी, एमडी शमी, आकाश दीप, सूरज सिंधु जायसवाल, शाकिर हबीब गांधी (विकेटकीपर), ईशान पोरेल, काजी जुनैद सैफी, राहुल प्रसाद, सुमित मोहंता और विकास सिंह।

महिला विश्वकप में ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर पहुंची

कोलंबो। महिला विश्वकप अंक तालिका में भारतीय टीम अब तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। भारतीय टीम मंगलवार तक अंकतालिका में शीर्ष पर थी पर उसके बाद अन्य टीमों के परिणामों से उसकी रैंकिंग घटी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं इंग्लैंड की टीम दूसरे नंबर पर है। इसी कारण भारतीय टीम तीसरे नंबर पर फिसल गयी है। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया की टीम 5 अंकों के साथ सबसे ऊपर जबकि भारतीय टीम के बराबर 4 अंक होने बाद भी बेहतर नेट रन रेट के कारण इंग्लैंड की टीम दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम के भी दो मैचों में जीत से चार अंक हैं पर वह रन रेट में पीछे रह गयी। वहीं बांग्लादेश की टीम 2 के साथ ही चौथे नंबर पर है। वहीं निचले क्रम में कोई बदलाव नहीं आया है। पाकिस्तान की हालत और भी ज्यादा खराब हो चुकी है, वह पहले से ही अंतिम स्थान पर थी। पाक टीम अभी तक अपने तीनों ही मैच हारी है।पाक का अब सेमीफाइनल में पहुंचना कठिन है। अंक तालिका में पांचवें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है, जिसके 2 मैचों के बाद 2 अंक हैं। वहीं छठे पायदान पर श्रीलंका की टीम है, जिसका एक अंक है।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंचे जडेजा

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25 वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेली थी। अपनी इस पारी के साथ ही जडेजा के कुल 644 अंक हो गए हैं और वह पायदान ऊपर आये हैं। जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी। बल्लेबाजी के अलावा जडेजा ने गेंदबाजी में भी प्रभावित किया। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी पारी में 4 विकेट लिए।

वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 स्थान ऊपर आकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह पहली बार 700 रेटिंग अंकों से ऊपर पहुंचे हैं। इस टेस्ट मैच के साथ ही अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल भी हैं। राहुल अब बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के लाभ के साथ ही 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 स्थानों की छलांग लगाकर 65वें स्थान पर पहुंच गये हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में

स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात स्थान के लाभ के साथ ही 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरे ओर आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श की शीर्ष-10 बल्लेबाजों में वापसी हुई है। मार्श को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 85 और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाने का लाभ मिला।

इसके अलावा न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन 58 स्थान ऊपर आकर संयुक्त 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉबिन्सन ने माउंट माउंगानुई में सीरीज के पहले ही मैच में नाबाद 106 रन बनाए थे।

सूर्यकुमार और गंभीर के कारण मुझे वापसी का अवसर मिला - वरुण चक्रवर्ती

मुंबई। हाल में एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपनी वापसी का श्रेय कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर को दिया है। वरुण को तीन साल के बाद टीम में जगह मिली पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपने चयन को सही साबित कर दिया। वरुण ने कहा, मैं कोच के बारे में कह सकता हूं कि वह टीम में एक साहसी मानसिकता लेकर आते हैं जहां हार का कोई विकल्प नहीं होता, वह खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहते हैं। उनका मानना है कि मैदान पर अपना सौ फीसदी देना होता है। जब वह मौजूद होते हैं, तो आप औसत प्रदर्शन नहीं कर सकते।

वरुण ने साल जुलाई 2021 में भारत के लिए पदार्पण किया था पर 2021 टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन क बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और अक्टूबर 2024 में उन्हें दोबारा खेलने का अवसर मिला। तब से ही वरुण लगातार टी20 एकादश में शामिल रहे हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में एकदिवसीय डेब्यू के साथ ही टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, जब मैंने दोबारा वापसी की, तो सूर्या और गंभीर ने मुझसे बात की और उन्होंने मुझे बताया कि हम आपको विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से देखते हैं। और उन्होंने पूरे समय मेरा समर्थन किया। इसके लिए मुझे उन्हें श्रेय देना होगा। मैं तीन साल से ज़्यादा समय तक टीम से बाहर रहा पर इस दौरान आईपीएल में मेरा प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उन्होंने मुझे टीम में अवसर दिया यह मेरे लिए बड़ी बात थी। गंभीर चाहते हैं कि वह एकदिवसीय क्रिकेट में अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए और प्रयास करें। इसका कारण है कि टी20 में आप ज़्यादा से ज़्यादा दो ओवर लगातार गेंदबाजी कर सकते हैं पर एकदिवसीय में आपको लगातार पांच से छह ओवर गेंदबाजी करनी होती है, जिस पर मैंने काम किया और चैंपियंस ट्रॉफी में मैं ऐसा करने में सफल रहा। अब वह चाहते हैं कि मैं घरेलू सर्किट में भी थोड़ा और ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करूं और अपनी बल्लेबाजी बेहतर करूं। वरुण ने स्पिनर कुलदीप यादव की भी जमकर तारीफ की, जो एशिया कप में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। वरुण ने कहा, कुलदीप निश्चित रूप से हमारे मौजूदा खिलाड़ियों में सबसे अनुभवी गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया है।

रोहित को अब स्वयं संन्यास ले लेना चाहिये - मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि रोहित शर्मा को अब टेस्ट और टी20 की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप से भी संन्यास की घोषणा कर देनी चाहिये। मनोज के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिस प्रकार से शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम की कप्तानी दी है। उससे साफ संकेत है

कि अब रोहित भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं है। इसलिए उन्हें संन्यास की घोषणा करने में देर नहीं करनी चाहिये। वहीं अगर वह अब भी एक खिलाड़ी के तौर पर खेलना चाहते हैं तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। साथ ही कहा कि अगर मैं उनकी जगह होता तो संन्यास लेने के बारे में सोचता। उनके जैसे खिलाड़ी की उपेक्षा नहीं होनी चाहिये। तिवारी ने कहा कि कप्तान के रूप में रोहित का प्रदर्शन ऐसा नहीं था कि उन्हें पद से हटाया जाए। उन्होंने केवल एक आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती बल्कि दो जीतीं हैं। एकदिवसीय विश्व कप में भी वह जीत के बहुत करीब पहुंच गए थे। कप्तान और खिलाड़ी, दोनों के तौर पर उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उनके नाम 5 आईपीएल ट्रॉफी हैं। इतना सब होने के बाद भी उन्हें अचानक बाहर करना ठीक नहीं है। एकदिवसीय कप्तान के रूप में रोहित का रिकॉर्ड अपने काफी अच्छा रहा है। उनका 75 का जीत प्रतिशत, 10 से ज़्यादा वनडे मैच खेलने वाले किसी भी भारतीय कप्तान में सर्वश्रेष्ठ है। रोहित के नेतृत्व में भारत ने विश्व कप 2023 के फाइनल में जगह बनायी थी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब भी जीता।

लारा ने वेस्टइंडीज टीम को फटकारा, देश के लिए खेलने का जूनुन होता तो अपने आप बेहतर प्रदर्शन करते

जमैका। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा अपनी टीम के लगातार खराब होते प्रदर्शन को देखकर दुखी हैं। लारा ने इसी को लेकर टीम को जमकर फटकार लगायी है। लारा ने कहा कि पैसे के साथ ही कई समस्यायें हैं पर इसके बाद भी अगर खिलाड़ियों में जुनून और जज्बा होता तो टीम जरुर सफल होती। लारा के अनुसार प्रतिभा पलायन, बुनियादी ढांचे की कमी और वेतन में हो रही समस्या वेस्टइंडीज क्रिकेट की बदतर होती स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 प्रतियोगिताओं के कारण भी वेस्टइंडीज के खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेटर की उपेक्षा कर रहे हैं। टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की भारी मांग है पर टेस्ट टीम को अच्छे खिलाड़ी नहीं मिल रहे। लारा ने कहा, "मैं सभी खिलाड़ियों से पूछना चाहूंगा कि वे बताएं कि क्या वे सचमुच वेस्टइंडीज के लिए खेलना चाहते हैं? और यही सबसे अहम बात है, क्योंकि अगर ऐसा है तो आपको कोई न कोई रास्ता मिल ही जाएगा।" उन्होंने कहा, "हमारे पास भी पहले बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। विव रिचर्ड्स ने किसी बेहतर अभ्यास पिच पर बल्लेबाजी नहीं की थी। हमें भी वही काम करना पड़ता था, वही मेहनत करनी पड़ती थी पर तब जज्बा अलग था। वेस्टइंडीज के लिए खेलने का जुनून ही सबसे बड़ा अधिक था।

शाई होप की कप्तानी में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी वेस्टइंडीज टीम

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश दौरे के लिए शाई होप को कप्तान बनाया है। होप एकदिवसीय और टी20 दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम के कप्तान बनाये गये हैं। वेस्टइंडीज टीम बांग्लादेश में 18 अक्टूबर से 3-3 मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज 18

जबकिक टी20 सीरीज 27 अक्टूबर से शुरु होगी। इस टीम में अंडर 19 टीम की कप्तानी करने वाले एकीम ऑगस्टे को भी शामिल किया गया है। एकीम को चोटिल एविन लुईस की जगह टीम मे रखा गया है। इस दौरे के लिए टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल किये गये हैं।

होप के अलावा गुडाकेश मोती, शेरफन रदरफोर्ड, जयडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड और ब्रैंडन किंग को दोनों ही टीमों में जगह मिली है। इस सीरीज से अगले साल होने वाले आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप और 2027 आईसीसी मेंस क्रिकेट विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज टीम को तैयारी का अवसर मिलेगा। टीम के कोच डैरन सैमी भी इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं। सैमी ने कहा, ये टीम जीत के इरादे से दौरे पर जा रही है। इसके साथ ही ये टीम सामंजस्य बनाए रखने का प्रयास करेगी, जिसका लाभ 2027) विश्व कप में मिलेगा।

एकदिवसीय टीम

शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाजे, एकीम अगस्टे, जेडीया ब्लेड्स, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, जस्टिन ग्रीव्स, अमीर जांगू, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, खारी पियरे, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड

टी20 टीम

शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाजे, एकीम अगस्टे, रोस्टन चेज, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अमीर जांगू, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, रेमन साइमंड्स

एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम

पहला एकदिवसीय- 18 अक्टूबर- मीरपुर, ढाका

दूसरा एकदिवसीय- 21 अक्टूबर- मीरपुर, ढाका

तीसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर- मीरपुर, ढाका

टी20 सीरीज का कार्यक्रम

पहला टी20 - अक्टूबर 27- चटगांव

दूसरा टी20 - 29 अक्टूबर- चटगांव

तीसरा टी20- 31 अक्टूबर - चटगांव ।

कमिंस का एशेज सीरीज में खेलना संदिग्ध

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस इस साल के अंत में होने वाली एशेज क्रिकेट सीरीज में शायद ही खेल पायें। इसका कारण कमिंस की पीठ में लगी चोट है जिससे वह अभी तक नहीं उबर पाये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनके 21 नवंबर से इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ में शुरू होने वाली एशेज सीरीज के पहले मैच में खेलने की कोई संभावना नहीं है। वहीं बाकि के टेस्ट में खेलने का फैसला उनकी फिटनेस को देखते हुए लिया जाएगा पर अभी की जो स्थिति है उसमें उनके पूरी सीरीज से बाहर होने की संभावना बढ़ गयी है। कमिंस अगर बाहर होते हैं तो ऑस्ट्रेलियाई टीम को करारा झटका लगेगा क्योंकि वह कप्तान होने के साथ ही मुख्य तेज गेंदबाज भी हैं।

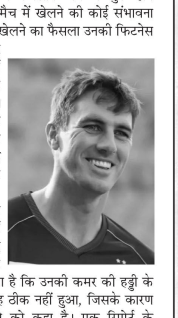

वेस्टइंडीज दौरे के दौरान जुलाई में कमिंस की पीठ में खिंचाव आया था। इसके बाद से ही वह खेले से दूर हैं। मेडिकल जांच में पाया गया है कि उनकी कमर की हड्डी के पास का हिस्सा अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुआ, जिसके कारण डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने को कहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कमिंस पहले टेस्ट से तो बाहर रहेंगे ही पर उनके पूरी सीरीज से बाहर होने की संभावना बढ़ गयी है क्योंकि तब तक वह शायद ही पूरी तरह से फिट हो पायें। ऐसे में टीम प्रबंधन अब उनके स्थान पर कार्यवाहक कप्तान नियुक्त करने जा रहा है।

कमिंस के बाहर होने पर पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को कप्तानी मिल सकती है। इसका कारण है कि स्मिथ के पास कप्तानी का लंबा अनुभव है और वह पहले भी कई अवसरों पर कमिंस की अनुपस्थिति में कमान संभाल चुके हैं। कमिंस की जगह तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को टीम में जगह मिल सकती है। कमिंस के नहीं होने से मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन पर अतिरिक्त भार पड़ेगा।

कमिंस ने हाल ही में कहा था, 卐मुझे लगता है कि मैं कम से कम एक महीने या छह हफ्तों तक मैदान से दूर रहूँगा। अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुआ हूँ, लेकिन सुधार जारी है।卐 उन्होंने बताया कि वे जल्दबाज़ी में वापसी नहीं करना चाहते, ताकि चोट दोबारा न उभरे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला जेल के सामने बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :- 07632-358737 ई-मेल :-dpepiu.balaghat@mp.gov.in

एन.आई.टी. नं. -25/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(भ)/जबलपुर दिनांक 29.09.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU_455793_1	कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, बालाघाट के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यो के निरीक्षण/सीलि भ्रमण हेतु 03 नग बोलेरो या समतुल्य वाहन कराये जाने हेतु। (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	18.00	36000.00	2000.00	पंजीकृत ट्रेवल्स एजेंसी/ठेकेदार	24
2	2025_PWPIU_455818_1	कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, बालाघाट के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यो के निरीक्षण/सीलि भ्रमण हेतु 01 नग स्कार्पियो (एन) या समतुल्य वाहन कराये जाने हेतु। (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	8.40	16800.00	2000.00	पंजीकृत ट्रेवल्स एजेंसी/ठेकेदार	24

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http:// mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 06.10.2025 समय शाम 6:00 बजे से दिनांक 17.10.2025 समय शाम 6:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-19754/25

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग बालाघाट

विचार संगोष्ठी का आयोजन कर बसपा ने निकाली विशाल रैली, सौंपा ज्ञापन

कांशीराम के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रृद्धांजली सभा संपन्न

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान मे मान्यवर साहब कांशीरामजी के 19 वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय श्रृद्धांजली सभा व विचार संगोष्ठी का आयोजन पंवार मंगल भवन लॉन किरनापुर में किया गया। तत्पश्चात् पंवार मंगल भवन लॉन से एक विशाल रैली बस स्टैण्ड किरनापुर होते हुए पुलिस थाना किरनापुर पहुंची, जहां बसपा नेताओं द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम किरनापुर को सौंपा गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम बहुजन समाज के महापुरुषों, डॉ बाबा साहब अम्बेडकर, मान्यवर साहब कांशीराम एवं अन्य महापुरुषों के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर नमन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर म. प्र. के बसपा नेता पी एस मंडेलिया, विशिष्ट अतिथि के रूप मे दुर्गेश बिसेन जिला प्रभारी बसपा बालाघाट, दीपक मेश्राम जिला प्रभारी बसपा बालाघाट, विशेष अतिथि के रूप मे रंजीत जुगनाके जिला उपाध्यक्ष बसपा बालाघाट, कांशीराम नगपुरे जिला सचिव बसपा बालाघाट, देवाजी रामटेके जिला कोषाध्यक्ष, गेंदलाल तांडेकर कार्यकारिणी सदस्य बसपा बालाघाट, राजु कुमरे बसपा नेता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजिनियर महेन्द्र जिला अध्यक्ष बसपा बालाघाट द्वारा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पी एस मंडेलिया द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर द्वारा भारतीय संविधान के माध्यम से लोगो को दिए गए एक वोट की कीमत को विस्तार से समझाया तथा कांशीराम द्वारा बहुजन समाज को एकजुट कर उनके द्वारा किए गए संघर्ष को याद किया। वही कार्यक्रम अध्यक्ष इंजी महेंद्र ने संगठन को सभी पोलिंग बूथ स्तर पर मजबूती प्रदान करने कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। तभी जिले में हाथी जीत सकता है।

अंत मे एक विशाल रैली नारे लगाते हुए पुलिस थाना किरनापुर पहुंची जहां एडवोकेट अनिल मिश्रा के विरुद्ध, संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संबंध में अमर्यादित भाषा बोलने एवं भड़काऊ वक्तव्य देने के संबोध में एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर एसडीएम किरनापुर मयाराम कौल को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान अन्य प्रशासनिक अधिकारी नायब तहसीलदार किरनापुर बबीता सूर्या, थाना प्रभारी अशोक कुमार ननामा सहित अधीनस्थ अमला मौजूद रहा। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान बसपा नेता इंजी. महेन्द्र ने बताया कि एडवोकेट अनिल मिश्रा द्वारा आचरण न्यूज, ग्वालियर पर लाईव के माध्यम से जिसे कुलदीप धनवई, की आई.डी. से सोशल मीडिया पर वायरल होकर देखा जा सकता है। डॉ. अंबेडकर के विरुद्ध बहुत ही निंदनीय, अमर्यादित एवं भड़काऊ वक्तव्य दिया गया है जिससे देश व दुनियां के सभी अंबेडकरवादी तथा संविधान प्रेमी लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है।

सर्वविदित है, परम पूज्य बाबा साहब डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री होकर सच्चे राष्ट्र भक्त है। के निर्माण में बाबा साहब का योगदान किसी भी राष्ट्रभक्त से अत्यधिक ही है। भारत देश में डॉ. अंबेडकर करोड़ों दलित, पिछड़े, गरीब, महिला एवं वंचित समाज के राष्ट्र लिए मसीहा ही नहीं भगवान हैं। एडवोकेट अनिल मिश्रा ने डॉ. अंबेडकर को गंदा व्यक्ति, अंग्रजों को गुलाम तथा उन्हें संविधान निर्माता न कहा जावे, ऐसा वक्तव्य दिया है। जो निश्चित ही हमारे देश वो प्रति किसी गहरी साजिश का अंदेशा है। ऐसा लगता है कि, अनिल मिश्र जैसे जातिवादी लोगों के माध्यम से विदेशी शक्तियां भारत देश में सांप्रदायिकता भड़का कर देश को तोड़ना चाहती हैं। बहुजन समाज पार्टी मांग करती हैं कि अनिल मिश्रा के विरुद्ध हमारी आस्था को ठेस पहुंचाने एवं राष्ट्र द्रोह के तहत एफ आई आर दर्ज कर दंडात्मक कार्यवाही की जाये। इस दौरान बड़ी तादाद मे जिले भर से आए हुए बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

ग्राम भालवा मे हुआ फसल प्रदर्शन का कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। हट्टा। दिनांक 8 अक्टूबर 2025 को ग्राम भालवा में हाई रिच सीड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से फसल प्रदर्शन का कार्यक्रम किया गया जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत में किसान रैली निकाली गई जो पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए फसल प्रदर्शन कार्यक्रम जहां धान लगा था वहां पर पहुंची कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत भालवा सरपंच अल्केश्वरी रंहागडाले ने फिता काटकर किया एवं किसान श्रीमान बालचंद जी शरणागत जिनके खेत में धन लगा है को साल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया इसके पश्चात सभी किसानों को फसल दिखाई गई इस कार्यक्रम में किसानों को फसल से संबंधित जानकारी देने के लिए कंपनी के रीजनल मैनेजर हरिशंकर नगपुरे एवं टेरिटरी मैनेजर इंद्रप्रकाश शरणागत उपस्थित थे नगपुरे जी के द्वारा किसानों को बताया गया कि यहां पर हाई रिच सीड्स कंपनी का धान स्क्ष्क्र4001 किस्म लगी है जो कि बहुत अच्छी फसल लग रही हैं इसके अलावा इस धान के विशेष गुण जैसे की अधिक उपज रोग प्रतिरोधी गुण ष्ट+ टेक्नोलॉजी के अलावा धान की फसल के संपूर्ण प्रबंधन एवं लोगों की रोकथाम की संपूर्ण जानकारी दी गई इस पूरे कार्यक्रम में ग्राम भालवा पंचायत सरपंच श्रीमती अल्केश्वरी रंहागडाले उप सरपंच योगराज पटेल सहायक सचिव दीपक जामरे इनके अलावा चंदन शरणागत शालिकराम उईके जी अनिल बिसेन ईश्वरी पटले तोशन पाचे पन्नालाल जी चामलाते राजकुमार मदनकर चंदनलाल पांचे ज्ञानदाश वैध अजीत रंगारे दुलीचंद शरणागत एवं ग्राम भालवा के लगभग 400 किसानों ने हिस्सा लिया इसी कड़ी में मां शारदा कृषि केंद्र के संचालक शेखर शरणागत जी एवं राहंगडाले कृषि केंद्र के संचालक कृष्ण राहंगडाले जी भी उपस्थित रहे । किसानों ने धान MDR 4001 को बहुत अच्छी धान बताकर फसल की सहराना की एवं 115 दिन किस्म होने से रबी सीजन के लिए भी उपयुक्त कहा।

कवियों ने सम्मान के साथ बटोरी तालियाँ

पद्मेश न्यूज। कटंगी/तिरोड़ी। मॉयल नगरी तिरोड़ी में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देशभर के नामचीन कवियों के साथ ही पड़ोसी देश नेपाल से कवि पहुंचे। कवियों ने देर रात्रि तक अपनी एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से समां बांधा एवं श्रोताओं से तालियां बटोरी। इसके पूर्व कवियों का साहित्य संस्था की ओर से शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। दिग्गज कवि दिनेश देहाती के संयोजन एंव भोपाल से आए कवि धर्मेन्द्र सोलंकी के संचालन में आरंभ हुए कवि सम्मेलन की शुरूआत मुम्बई की कवियित्री डॉ.काव्या मिश्रा द्वारा सुमधुर आवाज में दी गई सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ हुई। इसके बाद युवा ईत्रंतिकारी कवि संजय अश्क ने अर्थव्यवस्था पर मुक्तक की पंक्ति छेड़ते हुए कहा- अर्थव्यवस्था मरी पड़ी महंगाई सर पर चढ़ी है, राष्ट्रवाद का स्वांग धरे बातें बड़ी-बड़ी है। कैसे होगा विकास उस प्रदेश का जहां 108 से 112 तक भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी है। छत्तीसगड़ कोरबा के कवि हिरामणी वैष्णमव ने चुटिले अंदाज में खूब ठहाके लगवाए। रीवा के कवि कामता माखन ने भरी बरसात श्रेताओं को भींगते हुए कविता सुनने पर मजबूर कर दिया। कवियित्री काव्या मिश्रा की कुर्सी की आरती कविता ने सभी को मंत्रमुग्ध किया। नेपाल के कवि लक्ष्मण नेपाली ने अपने पहाड़ी अंदाज में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। इन सभी कवियों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को खुश कर दिया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बैहर में की छापामार कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आम जन को मिलावट रहित एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिले में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की जांच के साथ ही खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भोपाल भेजे जा रहे हैं। इसी कड़ी में 09 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बैहर में छापामार कार्यवाही कर रसगुल्ला, खोवा, पनीर, कलाकंद, नमकीन, लड्डू के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे, वाजिद मोहिब एवं श्रीमती गीता तांडेकर की टीम ने 09 अक्टूबर को बैहर के प्रमुख होटल, रेस्टोरेंट, बेकरी आदि का औचक निरीक्षण कर कार्यवाही की है। इस टीम द्वारा बैहर बस स्टैंड स्थित जय साइकिल स्टोर्स एजेंसी से रसगुल्ला, पनीर एवं खोवा, खेतेश्वर राजस्थान स्वीट्स से कलाकंद, नमकीन, मगज के लड्डू, कदम स्वीट्स से पेड़ा, अशोका होटल से कलाकंद, नमकीन, मगज के लड्डू एवं सांई मिष्ठान भंडार से मिल्क केक, नमकीन एवं खोवा के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किये गए है और भोपाल भेजे गये हैं। इन सभी होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों को साफ-सफाई, स्वच्छता एवं खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही टीम द्वारा बस स्टैंड परिसर बैहर में स्थित विभिन्न रेस्टोरेंट और बेकरी की जांच करते हुए उन्हें भी त्योहारों के मद्देनजर साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने एवं शुद्ध खाद्य सामग्री का ही विक्रय करने के निर्देश दिए गए ।

प्रयोगशाला जांच में खाद्य सामग्री के नमूने अमानक पाये जाने पर दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अनुसार दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी तथा समय सीमा पर सुधार सूचना कार्य नहीं किए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही के लिए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जायेगा।

सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत वॉलीबॉल, कुश्ती, बैडमिंटन का हुआ ट्रायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 09 अक्टूबर को जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता वॉलीबॉल, कुश्ती एवं बैडमिंटन के लिए ट्रॉयल चयन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में बालाघाट, लालबर्रा एवं भरवेली के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा को खेल के मैदान उकेरा जिससे की वे आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हो सके। इस ट्रायल में वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 120 खिलाड़ी शामिल हुए। वहीं कुश्ती में 60, बैडमिंटन में 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस तरह कुल 230 खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए ट्रायल में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा को उजागर किया।

सांसद खेल महोत्सव में कुश्ती, बैडमिंटन एवं वालीबॉल के लिए हुई चयन स्पर्धा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 09 अक्टॅबर को पुलिस लाइन मैदान, कराटे प्रशिक्षण हॉल एवं मुलना स्टेडियम बैडमिंटन हाल में कुश्ती, वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन का विधानसभा स्तर के लिए चयन स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस चयन स्पर्धा में लोकसभा बालाघाट सांसद खेल महोत्सव के प्रभारी श्री किरण भाई त्रिवेदी भी उपस्थित रहें।

इस चयन स्पर्धा प्रतियोगिता में बालक वर्ग में 45 किलोग्राम वर्ग में रोहित नगपुरे प्रथम व ऋषभ इनवाती द्वितीय रहे। इसी तरह 50 किलोग्राम में सतीश ग्वालवंशी प्रथम व अश्विन उपवंशी द्वितीय, 57 किलोग्राम वर्ग में राजकुमार चैती प्रथम व आकाश रंगलाल द्वितीय, 61 किलोग्राम वर्ग में अमरशिव बिसाने प्रथम व आशीष उईके द्वितीय, 65 किलोग्राम वर्ग में राजकुमार नगपुरे प्रथम व राहुल बागडे द्वितीय, 70 किलोग्राम वर्ग में रूपेश तितरमारे प्रथम व आशीष लिल्हारे द्वितीय, 74 किलोग्राम वर्ग में अमित सुलाखे प्रथम व अतुल लिल्हारे द्वितीय तथा 86 किलोग्राम वर्ग में रणदीप लिल्हारे का चयन किया गया। इसी तरह बालिका वर्ग में 45 किलोग्राम वर्ग में गरिमा परते प्रथम स्थान, 50 किलोग्राम वर्ग में आशा नरमोदे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बालाघाट लालबर्रा संसदीय खेल चयन स्पर्धा में जिला स्तर के लिए चयनित हुए। सभी चयनित खिलाडियों को जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी ने आगामी जिला स्तर सांसद खेल प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।

लालबर्रा महाविद्यालय में साइबर जाग्रत भारत थीम पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 09 अक्टूबर को साइबर जाग्रत थीम पर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष पूजन, अर्चन व दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुनिल चतुर्वेदी नगर निरीक्षक (टीआई) लालबर्रा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र कुमार खण्डायंत द्वारा की गई।

इस अवसर पर श्री चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को अपने उद्बोधन में कहा कि साइबर जाग्रत भारत थीम पर साइबर सुरक्षा जागरूकता के अन्तर्गत एटीएम कार्ड फ्राड, यूपीआई, डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध से बचाव के लिए सावधानियॉ जैसे किसी भी प्रकार की लाटरी इनाम, कैश बेक, केबीसी लक्की ड्रा, बीमा आदि के लुभावने आर्फस से सावधान रहे। साथ ही सोशल मीडिया, मेसेजिंग ऐप, इंस्ट्राग्राम एक्स, वाट्सअप, टेलीग्राम आदि पर 2-स्टेप वेरिफिकेशन विकल्प ऑन रखे ताकि कोई आपके अकाऊंट को हेक न कर सके। वृद्धजनों एवं महिलाओं हेतु साइबर अपराध से बचने के उपाय बताये तथा अन्य तथ्य परख महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. खण्डायत ने अपने व्याख्यान में कहा कि विद्यार्थियों को साइबर अपराध से संबंधित जागरूकता रखते हुये ऑनलाईन शापिंग करते समय सावधानियॉ रखनी चाहिए तथा ऑनलाईन ठगी होने पर तुरन्त 1930 पर फोन करना चाहिए। कार्यशाला कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के नेतृत्व में एवं रेड रिबन क्लब के प्रभारी नरेश सौलखे सहायक प्राध्यापक के सहयोग से पूर्ण कि गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त विद्यालय स्टॉफ एवं विद्यार्थियों का योगदान रहा।

परमात्मा एक स्वस्थ जीवन के लिए स्थापित विचारधारा-केसर बिसेन

पद्मेश न्यूज। कटंगी। पठार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुकड़ीघाट में परमात्मा एक संगठन के परम पूज्यनीय बाबा जुमदेव का हवन पूजन कार्यक्रम क्षेत्र के सेवक सेविकाताओं के संयुक्त तत्वाधान् में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति केसर बिसेन को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर बाबा हनुमान देव की विधि विधान से पूजा अर्चना एवं हवन पूजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती बिसेन ने सेवक-सेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा एक ऐसा सामाजिक संगठन है, जिसने कई लोगों की जिंदगी बदलकर रख दी है। इस संगठन की खूबसूरती यह है कि यह नशामुक्ति को बढ़ावा देता है एवं इससे जुड़ने के कारण लोग नशे की लत से मुक्त हो रहे हैं। नशामुक्त होने वाले व्यक्ति का परिवार भी सुखी हो जाता है दूसरी ओर व्यक्ति का शारीरिक विकास भी होता है। सुबह उठकर स्नान करना प्राकृतिक रूप से फायदेमंद है। श्रीमती बिसेन ने कहा कि परमात्मा एक स्वस्थ जीवन के लिए गढ़ी गई एक विचारधारा है।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस, वर्षावास समापन, प्रवचन मालिका मिलन सम्मान समारोह 12 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय बौद्धो की सर्वोच्च धार्मिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया जिला शाखा इंदौर द्वारा धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस, वर्षावास समापन समारोह, प्रबोधन मालिका, मिलन सम्मान समारोह एवं मैत्री भोज का आयोजन किया गया है। 12 अक्टूबर को आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि क्रांतिकारी भंते विनयाचार्य बोधगया होगें। प्रमुख अतिथियो में एस.के.भडारे सर ट्रस्टी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं स्टाफ आफिसर एसएसडी बी.एच.गायकवाड गुरूजी, राष्ट्रीय सचिव एवं मप्र. प्रभारी मुंबई, गौतम पाटिल राष्ट्रीय संघठक भोपाल, एवं डॉ. चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष एवं केन्द्रीय शिक्षक मप्र राज्य शाखा होगें। वही विशेष अतिथियों में डॉ.उत्तम प्रधान मप्र,महामंत्री एवं लेफिटीनेट कर्नल एसएसडी डॉ. शांताराम वाघ, उपाध्यक्ष एवं लेफटीनेट कर्नल एसएसडी इंदौर, शशिकांत वानखेडे एवं कैलाश इंगले राज्य संघठक इंदौर, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्य. सचिव (बालाघाट), समारोह की अध्यक्षता शुभम रायपुरे, जिलाध्यक्ष बीएसआई इंदौर द्वारा की जावेगी। इस अवसर पर समता सैनिक दल द्वारा मार्च निकालकर बाबा साहेब को मान वंदना दी जावेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय शिक्षक, बोद्धाचार्य एंव अतिथियों का सम्मान समारोह भी आयोजित होगा।उक्त कार्यक्रम में शामिल होने की अपील प्रदेश कार्या.सचिव बालाघाट राजकपुर कामडे द्वारा प्रेसविज्ञप्ति के माध्यम से की गई है।

फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण की तैयारी लिए आयोजित हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिकाओं की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की तैयारी के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गए है। इसी के परिपालन में 09 अक्टूबर को एसडीएम एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नगर परिषद बैहर श्री अर्पित गुप्ता की अध्यक्षता में प्राधिकृत कर्मचारी तथा निकाय क्षेत्र अंतर्गत समस्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निकाय के मास्टर ट्रेनर जेएल ठाकरे द्वारा फोटो युक्त मतदाता सूची के शिफ्टिंग विलोपन एवं संशोधन संबंधित प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। इस दौरान सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार अनुराग मरावी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिलीप कुमार बाड़ेबुचे के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों में अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री संकेत राठौर, अध्यक्ष इंडियन नेशनल कांग्रेस साजन दास बोरकर, नगर परिषद बैहर से पार्षद श्रीमती सुरपति यादव, श्रीमती शिमला मरावी, गणेश खेरवार, विनोद पांडव, श्रीमती अनीता वरकडे, श्रीमती पूनम निरंजन शर्मा, अजीज खान, श्रीमती रंजना सोनवाने एवं निकाय कर्मचारी श्री विजेंद्र रामटेक, गजेंद्र सिंह मेरावी उपस्थिति थे।

हर्षिल वर्मा ने स्वर्ण पदक जीत कर बालाघाट का नाम रोशन किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के होनहार छात्र हर्षिल वर्मा ने इंदौर में सम्पन्न हुई म.प्र. सब जूनियर अंडर-21 कराते प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर बालाघाट जिले का नाम रोशन किया है। हर्षिल वर्मा ने इस प्रतियोगिता में स्वर्ण उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने के साथ ही राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना नाम दर्ज करा लिया है। हर्षिल वर्मा ग्रीन वेली पब्लिक स्कूल बालाघाट का छात्र है।

हर्षिल की इस सफलता में विद्यालय के प्राचार्य जितेश नायर, ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल प्रबंधन समिति के सभी सदस्य, प्रशासक श्री रोमेश कश्यप, खेल प्रशिक्षक अंकुश बाघ एवं विद्यालय के समस्त शिक्षको ने भी प्रसन्नता व्यक्त की है और विद्यालय में हर्षिल का स्वागत सम्मान किया है। हर्षिल ने अपने बेहतरीन कौशल, समर्पण और कठोर अभ्यास के बल पर यह सफलता अर्जित की है। प्रतियोगिता में राज्य से आए प्रतिभागियों के बीच उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। हर्षिल की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिजन व प्रशिक्षक, बल्कि पूरे क्षेत्रवासियों को गर्व की अनुभूति हो रही है। उनकी यह सफलता आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सड़कों पर यूँ ही नहीं उतरतीं आदिम जनजातियाँ!

आंदोलनों के बहाने बेहद गुस्से में है बालाघाट जिले का आदिवासी समाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बेहद भोले भाले और नितांत बीहड़ घने जगलों के निवासी इतने संवेदनशील हो सकते हैं यह अब लग रहा है. अपने समाज के ऊपर या समाज के किसी अथवा किन्ही लोगों पर होने वाली प्रशासनिक और पुलिसिया कार्रवाई का अब पुरजोर आवाज बुलंद करके विरोध किया जाने लगा है। बीते कई बरसों से बालाघाट जिले के जन समाज और राजनीति पर नजर रखने वाले भी चकित हैं कि कभी भी आदिवासी समाज के लोग किसी भी मामले में कभी उग्र रुख अपनाते नहीं दिखे जैसा कि आजकल बालाघाट की सड़कों पर, प्रशासनिक गालियारों में हल चल मचाते दिख रहे हैं। दर्जनों मामलों में बालाघाट की सड़कें गवाह हैं कि यहाँ का आदिवासी बेहद गुस्से में है.यह एक नहीं आधा दर्जन से ज्यादा मामलों में संतोष देने वाली प्रशासनिक कार्यवाही नहीं होने से भोले भाले आदिवासी लोग अब लगता है आर पार की लड़ाई के मूड में हैं। लगातार सड़कों पर आंदोलनरत बालाघाट जिले के हजारों आदिवासियों के भीतर आखिर कौन सा लावा धधकने को तैयार है?

क्या सरकार के खिलाफ जाने की पटकथा लिखी जा चुकी!

जानकारों का मानना है कि जिले और दूर दराज के जिलों से अपने वर्ग विशेष के खिलाफ होने वाले तमाम कार्यवाहियों के प्रतिकार स्वरुप अब वे तेजी से अपना रुख तय कर रहे हैं. वैसे बालाघाट जिले की बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लाँजी आदि तहसीलें पूर्णतः आदिवासी बहुल हैं. इन इलाकों की जिला मुख्यालय से दूरी न्यूनतम 50 किलोमीटर से अधिक है और कहीं कहीं 130 किलोमीटर तक होती है. ऐसे में इतने दूर दराज से इनके द्वारा स्वयंस्फूर्त अपनी मौजूदगी दिखाना बहुत बड़ी बात है. यह सामाजिक एकजुटता का सबसे बड़ा दृश्य है।

महिलाओं की ज्यादातर सहभागिता

इन आंदोलनों का आधार मूलतः आदिवासी समाज की महिलाओं का अग्रिम पंक्ति में आकर खड़े होने की जागरूकता ने समाज के पुरुष तथा युवा वर्ग को भी सोचने पर विवश कर दिया है. आदिवासी महिलाएं हर प्रदर्शन, आंदोलन और कार्यक्रमों में आजकल बढ़ चढ़ कर भाग ले रहीं हैं. यह इस समाज के भीतर आयी नव जनजागरण का परिणाम भी हो सकता है. इस समाज की युवतियाँ भी अपने बड़ी उम्र की माओं और दादीयों के हमकदम हैं जिससे उनके बारे में जो बरसों पहले धारणा हुआ करती थी वह कब का दरक गया है।

अभी कल ही शहर में पांच जिले के आदिवासियों ने नगर में डेरा डालकर अपनी विभिन्न मांगों पर जनसुनवाई में भाग लिया जिसमे विभिन्न मांगो को लेकर नारेबाजी कर, नगर में निकाली रैली, धरना दिया। इस अवसर पर बालाघाट, सिवनी, मण्डला, डिंडोरी और जबलपुर से आए हजारों आदिवासियों ने दास्तान सुनाई। जन जंगल जमीन सहित अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर सुनवाई कर ज्ञापन सौंपा।

जल, जंगल,जमीन की अहमियत

उल्लेखनीय है कि अब इस वर्ग को जल जंगल जमीन और अन्य प्रशासनिक मुद्दों को लेकर जन संघर्ष का महत्त्व समझ में आ गया है..यह आयोजन मोर्चा महाकौशल के बैनर तले नगर के अंबेडकर चौक में दो दिवसीय घेरा डालो, डेरा डालो आंदोलन का आयोजन किया गया । जिसके पहले दिन बुधवार को बालाघाट, सिवनी, मंडला ,डिंडोरी और जबलपुर जिले से करीब 3 से 4 हजार आदिवासी ग्रामीणों ने बालाघाट मुख्यालय में डेरा डालकर आयोजित विशाल जनसुनवाई में भाग लिया। जहां उन्होंने कार्यक्रम के पूर्व उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से नगर भ्रमण के लिए एक आक्रोश रैली निकाली।इस रैली में शामिल आदिवासियो ने पारंपरिक ढोल बजाकर, आदिवासी नृत्य पेश किया।वही हाथों में मांगो की तख्ती लेकर उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी भी की।

विभिन्न संगठनों के झंडे तले आते लोग

इं तमाम आयोजनों कों हालांकि आदिवासी समाज के हित लाभ के लिए करने वाले स्वयं सेवी संस्थाएं आकार देतीं हैं किन्तु इनके काम काज पर आज भी ये आदिम जन पूरा भरोसा करते है। अक्सर देखा गया है कि इस दौरान मप्र

आदिवासी एकता महासभा, चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति, मप्र किसान संगठन, मप्र आदिवासी विकास परिषद, बरगी बांध विस्थापन और प्रभावित संघ, पेसा सशक्तिकरण मिशन मप्र टीम,बालाघाट और सर्व आदिवासी समाज संगठन सहित विभिन्न संगठन उनके हितों के पैरोकार बन रहे हैं।

वन अधिकारों की मुखालफत

इन आयोजनों में लगभग सभी महत्वपूर्ण मुद्दे सामने रहते हैं जैसे वन अधिकार कानून 2006 के अन्तर्गत व्यक्तिगत और सामुदायिक वन संसाधनों पर समुदाय के अधिकारों को सुनिश्चित करने,वन भूमि पर काबिज दावेदारों के दावा परिक्षण निष्पक्ष रूप से किया जाकर बेदखली को रोका जाने, आदेश के कियान्वय में वन विभाग के एकतरफा हस्तक्षेप को रोका जाने, बैहर, बिरसा विकास खण्ड के 55 वन खण्डों को रिजर्व फारेस्ट घोषित करने में 40 गांव प्रभावित होकर 36833.672 हेक्टेयर वन भूमि को रिजर्व फारेस्ट घोषित किया जा रहा है। जो कि आदिवासियों और वनों के अंतसंबधों पर हमला है। इससे आदिवासियों सहित स्थानीय समुदाय के जीवन में अनेकों कठिनाईयां पैदा होगी।

इस तरह इन वनखण्डों को डि-नोटिफाई किया जाने, विस्थापन नीति रद्द करने, परसवाड़ा विख के लौगुर जंगल में 250 हेक्टर वन भूमि खनिज के लिए आबंटित किया जा रहा है। इस आदेश को निरस्त करने, कान्हा नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र के छः गांवों (मुक्की, पटवा, छतरपुर, कदला, धनियाझोर, जगलीखेडा) को राजस्व ग्राम घोषित करने की कार्यवाही को वन विभाग ने रोक दिया है,इसमे हस्तक्षेप कर इसके बेहतर कियान्वयन की बाधा को दूर करने,विभिन्न परियोजनाओं (बांध, नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व आदि) से विस्थापित परिवारों की आर्थिक स्थिति का सर्वे कराकर पुनर्वास का लाभ देने, 25-30 वर्ष पूर्व कान्हा नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र से विस्थापितों का व्यवस्थापन नहीं किया गया है और न ही कोई मुआवजा दिया गया है, उन्हें मुआवजा देकर उन परिवारों का पुनर्वास करने की मांग भी है।

बालाघाट जिले में बैहर और परसवाड़ा तहसील के दूरस्थ ग्राम चालिसबोड़ी, कावेली क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने की वजह से भूमि, आधार एवं अन्य दस्तावेजों की के. वाय. सी. नहीं हो पा रही है! यहां निवासरत बैगा, गोंड जनजाति के लोग विभिन्न योजनाओं से वंचित रहते है उक्त समस्या अतिशीघ्र समाधान करने,बालाघाट जिला अस्पताल का निजीकरण रोकने,पलायन रोकने के लिए किसान के खेतों तक नर्मदा और अन्य नदियों से सिंचाई हेतु पानी देने, बीजाडांडी और नारायणगंज के काश्तकारों द्वारा बरगी जलाशय से पानी खेतों तक पहुंचाने की मांग को तत्काल पूर्ण करने,बरगी जलाशय में लगातार घटते मत्स्य उत्पादन का अध्ययन कराकर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करने,15 जून से 15 अगस्त बंद ऋतु में पिछले दो साल का बचत सह राहत योजना का लंबित राशि का भूगतान करने, बरगी जलाशय में प्रस्तावित फ्लोटिंग सोलर प्लांट योजना को तत्काल रद्द करने,नर्मदा के भूकंप संवेदन और कान्हा टाईगर रिजर्वे के पारिस्थिकीय संवेदनशील आदिवासी क्षेत्र में प्रस्तावित घातक चुटका परमाणु परियोजना को रद्द करने और विकास परियोजनाओं के नाम पर आदिवासी क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण और विस्थापन बंद करने, सहित अन्य मांगे प्रमुख हैं।

इस तरह यह गंभीर अध्ययन का विषय है कि यह सीधा सादा और शहरी तिकडमों से दूर रहने वाला समुदाय आखिर किन्ही संगठनों अथवा समाज के नेताओं की एक आवाज पर आखिर इतना व्यग्र होकर आंदोलित हो रहा है, वह लगता है सरकारी नीतियों से उसका मोहभंग हो चुका है और वह अपनी मांगों के लिए लोकतान्त्रिक रवैया अपनाने को मजबूर हो रहा है. बालाघाट जिले की सड़कों पर उमड़ने वाला अबाल वृद्ध नर नारियों का हुजूम तो कम से कम यही बता रहा है।

तीन दिन से लापता व्यक्ति की संदिग्ध स्थिति में लाश बरामद

लामता थाने के ग्राम डोंगरबोड़ी की घटना विद्युत करंट से मौत होने की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोंगरबोडी से 3 दिन से लापता इसी ग्राम का एक व्यक्ति की लाश ग्राम पांडेवाड़ा और डोंगरबोडी के बीच जंगल स्थित कुकर्रा नाला से संदिग्ध स्थिति में बरामद की गई। मृतक दिलीप पिता सोभेलाल सहारे 51वर्ष की विद्युत करंट से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। किंतु अभी पूर्ण रुप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। लामता पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगरबोड़ी निवासी दिलीप सहारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी और मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी तीन बेटे और एक बेटी है जिनमें दो बेटों की शादी हो चुकी है बड़ा बेटा अपने परिवार के साथ अलग रहता है। यह भी बताया गया कि दिलीप सहारे शराब पीने का शौकीन था। 5 अक्टूबर की शाम 6:00 बजे करीब दिलीप सहारे अपने घर से निकला था। किंतु वह घर नहीं लौटा परिजनों के द्वारा लगातार दो दिन से तलाश की जा रही थी। जिसके नहीं मिलने पर 8 अक्टूबर को लामता पुलिस थाने में दिलीप सहारे के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। परिवार वालों द्वारा दिलीप सहारे की लगातार तलाश की जा रही थी इसी दौरान 9 अक्टूबर को ग्राम डोंगरबोडी और पांडेवाड़ा के बीच मीनाई पहाड़ी जंगल स्थित कुकर्रा नाले में दिलीप सहारे लाश की देखी गई। जिसकी सूचना मिलते ही एसडीओपी परसवाड़ा सतीश साहू, लामता थाना प्रभारी नितिन पटले के अलावा जिला मुख्यालय से एफ एस एल टीम डॉग स्काट साइबर सेल की टीम ने मौके पर पहुंच कर पहुंचकर निरीक्षण किये। लामता पुलिस ने 100 पंचनामा करवाई पश्चात मृतक दिलीप सहारे की लास्ट पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार दिलीप सहारे की मौत विद्युत करंट से होने की संभावना व्यक्ति जा रही है क्योंकि घटनास्थल के पास ही कुछ जेल के निशान पाए गए हैं यह भी संभावना है कि 5 अक्टूबर की शाम को दिलीप सहारे अपने गांव के कुछ ही दूर स्थित कुकर्रा नाले तरफ किसी काम से आया जिसकी वन्य प्राणी को बिछाए गए विद्युत तार की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई और विद्युत तार बेचने वालों ने उसकी लाश को नाले में डाल दिया लामता पुलिस द्वारा धार 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

11 अक्टूबर को दोपहर 12 से शाम 05 बजे तक विद्युत सप्लाई बंद रहेगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता रवि कुमार कुम्हरे द्वारा बताया गया है कि 11 अक्टूबर दिन शनिवार को (ट्रांसमिशन कंपनी) 132 केवी सबस्टेशन बालाघाट में अति आवश्यक सुधार कार्य करने के लिए सम्पूर्ण बालाघाट शहर की विद्युत सप्लाई दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक बाधित रहेगी। साथ ही 132 केवी सबस्टेशन से निर्गमित समस्त 33 केवी ग्रामीण फीडरों एवं फीडर से संबंधित क्षेत्र और संबंधित समस्त हाईटेंशन उपभोक्ताओं की सप्लाई बाधित रहेगी। सभी बिजली उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि सुधार कार्य के दौरान सहयोग प्रदान करें।

पुराना ट्रेक्टर बाजार
(8/10/2025 से 20/10/2025) तक

Eoro504x4	2023	Eoro504x4	2024	Mdm Yoyo275	2017
PT455 plus	2019	PTU45	2013	Swaraj735xM	2012
Eoro41+	2017	New Hollond	2017	439 Pox	2022
Eoro60	2019	Ace 50HP	2019	Massy 7250	2016
Eoro50	2020	Ace 35 HP	2019	PT 434	2012
Eoro45	2016	435 Plus	2019	सभी मॉडल उपलब्ध है	

स्थान - नर्मदा नगर बालाघाट, सांई ट्रेक्टर के बाजु में
संपर्क सूत्र- 8959493056, 8770334649

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425138710, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शांडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट